रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

www.vananchaleye@gmail.com

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:43 | बुधवार,15 अक्टूबर

ब्रीफ न्यूज

झारखंड में लैंप्स और पैक्स को मिलेगा ब्याज

संवादाता

रांचीः रांची : नेपाल हाउस में सहकारिता एवं भूमि संरक्षण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि झारखंड में पूंजी की कमी से जूझ रहे लैंप्स पैक्स को ब्याज मुक्त लोन प्रदान करने की योजना बनाई जा रही है। इसका उद्देश्य लैंप्स पैक्स को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। विभाग लोन के ब्याज का बोझ अपने कंधों पर उठाएगा।

शराब घोटाला में गुजरात से तीन आरोपी गिरफ्तार

संवादाता

रांचीःझारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाले में एसीबी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गुजरात से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर रांची लाया जा रहा है, जहां उन्हें एसीबी की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। एसीबी सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में गुजरात की विजन हॉस्पिटैलिटी सर्विस एंड कंसल्टेंट से जुड़े महेश शेडगे, अभेसिंह और विक्रम सिंह ठाकोर शामिल हैं। इनके खिलाफ जून महीने में एसीबी ने कोर्ट से गिरफ्तारी वारंटहासिल किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी के छापों पर उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तमिलनाडु में शराब दुकान के लाइसेंस से जुड़े तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीएएसएमएसी) घोटाला केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी पर सवाल उठाए। कोर्ट ने ईडीसे सवाल किया कि क्या आप राज्य पुलिस की शक्तियों में दखल नहीं दे रहे हैं? सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई और जस्टिस विनोद चंद्रन की बेंच ने पूछा कि क्या राज्य पुलिस इस घोटाले की जांच नहीं कर सकती है, क्या ईडीका दखल जरूरी है? इससे संघीय ढांचे पर क्या असर होगा

झारखंड में नगर निकायों के चुनाव न कराए जाने पर हाईकोर्ट सख्त, दिया निर्देश

संवादाता

रांचीवःझारखंड हाईकोर्ट ने राज्य में नगर निगम और नगर निकायों के चुनाव नहीं कराए जाने पर एक बार फिर कड़ी नाराजगी जताई है। इस संबंध में दायर अवमानना याचिका पर मंगलवार को सुनवाई करते हुए अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह तीन हफ्ते के अंदर राज्य निर्वाचन आयोग को चुनावकराने की अनुशंसा भेजे। अगली सुनवाई 10 नवंबर को होगी। जस्टिस आनंदा सेन की बेंच में हुई सुनवाई के दौरान राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार, गृह सचिव वंदना डाडेल, नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार और अपर सचिव ज्ञानेंद्र कुमार उपस्थित हुए। महाधिवक्ता

- महाधिवक्ता का पक्ष : ओबीसी आरक्षण के ट्रिपल टेस्ट सर्वे पूरे,रिपोर्ट कैबिनेट को जाएगी, उसके बाद चुनाव अनुशंसा भेजी जाएगी।
- अदालत की टिप्पणी : ट्रिपल टेस्ट के नाम पर चुनाव टालना उचित नहीं, तीन हफ्ते में अनुशंसा भेजे सरकार।
- निर्वाचन आयोग का अनुरोध : तीन महीने का समय मांगा,अदालत ने अस्वीकार किया, कहा– अगली सुनवाई में बताएं कब करा सकते हैं चुनाव।
- अगली सुनवाई : 10 नवंबर को होगी, मुख्य सचिव, गृह सचिव और नगर विकास सचिव को फिर सशरीर उपस्थित रहने का निर्देश।

राजीव रंजन ने सरकार का पक्ष रखते हुए अदालत को बताया कि नगर निगमों और नगर निकायों में पिछड़ा वर्ग का आरक्षण प्रतिशत तय न होने की वजह से चुनाव टल रहे थे। आरक्षण तय करने के लिए ट्रिपल टेस्ट सर्वे की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसकी रिपोर्ट जल्द ही कैबिनेट को भेजी जाएगी। कैबिनेट से अनुमोदन के बाद राज्य सरकार चुनाव की अनुशंसा राज्य निर्वाचन आयोग को भेजेगी। इसपर अदालत ने कहा कि राज्य सरकार ओबीसी आरक्षण की ट्रिपल टेस्ट प्रक्रिया के नाम पर चुनाव लंबे समय तक नहीं टाल सकती।

नगर निकायों में ओबीसी को 14 प्रतिशत तक मिलेगा आरक्षण, चुनाव का रास्ता साफ

संवादाता

रांची : झारखंड में नगर निकाय चुनावों के लिए आरक्षण की नई व्यवस्था को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। राज्य कैबिनेट ने पिछड़ा वर्ग आयोग की ट्रिपल टेस्ट रिपोर्ट को मंजूरी देते हुए नगर निकायों में सीटों के आरक्षण का नया ढांचा लागू करने का निर्णय किया है। अब राज्य में स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्ग और अनुसूचित जाति-जनजाति के प्रतिनिधित्व को मजबूत किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, अब नगर निकायों की 36

कैबिनेट ने ट्रिपल टेस्ट रिपोर्ट को दी मंजूरी

प्रतिशत सीटें एससी और एसटी के लिए आरक्षित होंगी। इसके अलावा, 14 प्रतिशत सीटें ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षित की गई हैं। यानी, अब कुल 50 प्रतिशत तक सीटों पर आरक्षण लागू रहेगा। पहले ओबीसी वर्ग को नगर निकायों में विशेष प्रतिनिधित्व नहीं मिलता था। राज्य कैबिनेट के निर्णय के बाद अब नगर निकायों में आरक्षित सीटों की अधिसूचना जल्द ही राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की जाएगी। इससे संबंधित सभी राजनीतिक दल, उम्मीदवार और नागरिक आरक्षित सीटों के विवरण के आधार पर अपनी रणनीति तयकर सकेंगे। निर्वाचन आयोग का अनुरोध : तीन महीने का समय मांगा, अदालत ने अस्वीकार किया, कहा–अगली सुनवाई में बताएं कब करा सकते हैं चुनाव।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हेमंत कैबिनेट का निर्णय

सारंडा जंगल का 314 वर्ग किमी क्षेत्र बना अभयारण्य

संवादाता

रांचीःरांची : सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार राज्य सरकार ने आखिरकार सारंडा जंगल के 314 वर्ग किलोमीटर को अभयारण्यघोषित करने का निर्णय लिया है। मंगलवार शाम मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में इससे संबंधित वन एवं पर्यावरण विभाग के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। 8 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को एक सप्ताह में इस संबंध में निर्णय लेने का निर्देश दिया था। इस मुद्दे पर 15 अक्टूबर यानी बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में फिर से सुनवाई होनी है, जहां राज्य सरकार की ओर से अदालत के निर्देश के अनुपालन का एफिडेविट दाखिल किया जाना है। कैबिनेट ने सारंडा में अभयारण्य बनाए जाने के जिस प्रस्ताव को मंजूरी दी है, उसकी एक किलोमीटर परिधि को इको संसेटिव

> सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार सारंडा का 314 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र अभयारण्य घोषित किया जाएगा। इस जंगल में रहने वाले आदिवासियों, मूलवासियों के जीवन पर इससे कोई असर नहीं पड़ेगा। वे पहले की तरह सामान्य रूप से यहां जीवन बसर कर सकेंगे। -हेमंत सोरेन, मुख्यमंत्री

जोन घोषित किया जाएगा। सारंडा जंगल का कुल क्षेत्रफल 850 वर्ग किलोमीटर है। इसमें से 314 वर्ग किलोमीटर यानी 36 प्रतिशत इलाका अभयारण्य के रूप में अधिसूचित जाएगा। जिनइलाकों को अभयारण्य के रूप में चिन्हित किया जाएगा, वहां किसी तरह का खनन कार्य नहीं हो सकेगा। अभयारण्य के बाहर के वन क्षेत्रों में वैध रूप से आवंटित पट्टाधारक खनिजों का उत्खनन कर सकेंगे। यहां सबसे ज्यादा इलाके में सेल की आयरन ओर की खदानें हैं, जो वर्षों से संचालित हो रही हैं। ये खदानें पूर्ववत चलती रहेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने पहले 57,519.41 हेक्टेयर क्षेत्र को 8 अक्टूबर 2025 तक अभयारण्य घोषित करने का आदेश दिया था। सरकार ने दलील दी कि इतने बड़े क्षेत्र को अभयारण्य घोषित करने से कई खनन क्षेत्रों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। राज्य सरकार ने यह भी कहा कि वह पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वर्षों से जो खनन कार्य कानूनी रूप से चल रहे हैं, उन्हें बंद करने से देश-राज्य की अर्थव्यवस्था और रोजगार पर गंभीर असर पड़ेगा। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने 31,468.25 हेक्टेयर यानी 314 वर्ग किमी को अभयारण्य घोषित करने की अनुमति दे दी।झारखंड के नगर निकाय क्षेत्रों में होने वाले चुनाव में इस बार आरक्षण का दायरा बदला हुआ रहेगा. पिछड़ा वर्ग आयोग के द्वारा सौंपे गए ओबीसी ट्रिपल टेस्ट रिपोर्ट पर आरक्षण की हुई अनुशंसा को हेमंत सरकार ने मानते हुए मंगलवार को कैबिनेट की मंजूरी प्रदान कर दी है.इसके तहत अलग-अलग निकाय क्षेत्रों में एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया है.

झारखंड में एसआईआर की तैयारी में जुटा चुनाव आयोग

1 जुलाई 1987 से 2 दिसंबर 2004 के बीच जन्मे हैं, तो देना होगा दस्तावेज

संवादाता

रांची : राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मंगलवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के. रवि कुमार ने सभी जिलों के ईआरओ और उप निर्वाचन पदाधिकारियों केसाथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक में ऑनलाइन जुड़े सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए कि 2003 से वर्तमान तक की मतदाता सूची की मैपिंग त्रुटि रहित और सटीक हो। सीईओ ने बताया कि एसआईआर के दौरान ऐसे मतदाता, जिनका नाम 2003 की वोटर लिस्ट में है, उन्हें बीएलओ द्वारा इन्यूमरेशन फॉर्म के साथ पुराना मतदाता विवरण उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं, जो मतदाता 2003 में अन्य राज्य की सूची में शामिल थे, वे संबंधित राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट से अपने विवरण डाउनलोड कर सकते हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि जिन मतदाताओं का नाम 2003 की सूची में नहीं है, लेकिन उनके माता-पिता का नाम सूची में है, उनके लिए बीएलओ माता-पिता का विवरण फॉर्म के साथ उपलब्ध कराएंगे। इसके अलावा, जन्म तिथि और जन्म स्थान प्रमाणित करने हेतुआवश्यक अतिरिक्त दस्तावेजों के बारे में मतदाताओं को जागरूक किया जाएगा।

मतदाता इन बातों का रखें ध्यान

- 1 जुलाई 1987 से पहले जन्मे मतदाता : केवल अपना एक वैध दस्तावेज देना होगा; 2003 सूची में नाम होने पर बीएलओ विवरण उपलब्ध कराएंगे।
- 1 जुलाई 1987 से 2 दिसंबर 2004 के बीच जन्मे मतदाता : अपना और माता–पिता में से किसी एक का वैध दस्तावेज जमा करना होगा; 2003 सूची में नाम होने पर विवरण बीएलओ द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा।
- 2 दिसंबर 2004 के बाद जन्मे मतदाता : अपना और माता पिता का वैध दस्तावेज देना होगा, 2003 सूची में माता–पिता का नाम होने पर बीएलओ विवरण फॉर्म के साथ उपलब्ध कराएंगे।

1.5 करोड़ के इनामी सोनू सहित 60 नक्सलियों का सरेंडर

एजेंसी

गढ़चिरौली/रायपुर : माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है। संगठन के केंद्रीय कमेटी मेंबर (सीसीएम) भूपति उर्फ सोनू दादा ने सोमवार को अपने 60 साथियोंके साथ महाराष्ट्र के गढ़चिरौली पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। भूपति पर 1.5 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वालों में से 50 नक्सलियों ने हथियार समेत सरेंडर किया है। इनमें तीन डीकेएसजेडसी (डींडकारी जोनल कमेटी) सदस्य और 10 डीवीसीएम (डिविजनल कमेटी मेंबर) भी शामिल हैं। वह पिछले दो दशकों से माओवादी आंदोलन का रणनीतिक चेहरा माना जाता था और छत्तीसगढ़, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र की पुलिस उसके पीछे थी। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, यह आत्मसमर्पण केंद्र सरकार की 'मिशन 2026' नीति की बड़ी सफलता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में 2026 तक नक्सलवाद के पूरी तरह खात्मे का लक्ष्य तय किया था। पिछले कुछ वर्षों में सरकार के लगातार दबाव के चलते किशनजी एनकाउंटर में मारा गया, उसकी पत्नी सुजाता और अब भाई सोनू दादा ने आत्मसमर्पण कर दिया।

इससे पहले छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 71 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था, जिनमें 21 महिलाएं और 50 पुरुष शामिल थे।67 वर्षीय सोनू दादा का असली नाम मल्लोजूला वेणुगोपाल राव है। वह माओवादी संगठन के शीर्ष नेता किशनजी का छोटा भाई है। किशनजी की पत्नी सुजाता ने तेलंगाना में आत्मसमर्पण किया था,

कौन है भूपति उर्फ वेणुगोपाल उर्फ सोनू दादा

67 वर्षीय सोनू दादा का असली नाम मल्लोजूला वेणुगोपाल राव है। वह माओवादी संगठन के शीर्ष नेता किशनजी का छोटा भाई है। किशनजी की पत्नी सुजाता ने तेलंगाना में आत्मसमर्पण किया था, जबकि सोनू दादा की पत्नी तारक्का ने पहले ही गढ़चिरौली में सरेंडर कर दिया था। पत्नी के बार-बार समझाने के बाद सोनू ने भी हथियार डालने का निर्णय लिया।सोनू दादा संगठन के भीतर कई अहम पदों पर रह चुका है।

तेतुलमारी थाना क्षेत्र के तिलाटाड़ जंगल स्थित वाटर प्लांट के पास हुई मुठभेड़

धनबाद में एनकाउंटर के दौरान भगोड़ा प्रिंस खान का गुर्गा भानु मांझी घायल, हथियार जब्त

मंगलवार को धनबाद में तेतुलमारी थाना क्षेत्र के तिलाटाड़ जंगल स्थित वाटर प्लांट के पास पुलिस और अपराधियों के बीच व्हेन काउंटर में भगोड़ा गैंगस्टर प्रिंस खान का गुर्दा और जमशेदपुर का कुख्यात अपराधी भानु मांझी घायल हो गया।

पुलिस की गोली उसके पैर में लगी। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर इलाजके लिए धनबाद के अशर्फी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुठभेड़ की जानकारी मिलते ही एसएसपी प्रभात कुमार, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी और बाघमारा एसडीपीओ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है, ताकि किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके। पुलिस को शक है कि

भानु मांझी और उसके साथी प्रिंस खान गैंग से जुड़े हैं। एसीबी ने शराब घोटाला केस में कांड संख्या 9/2025 दर्ज की थी। एजेंसी ने उक्त सात आरोपियों के विरुद्ध पिछले महीने ही कोर्ट से वारंट लिया था। आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद एसीबी उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर लेकर रांची आ रही है, जहां उन्हें एसीबी की विशेष कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इस केस में एसीबी ने अब तक राज्य के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विनय चौबे, छत्तीसगढ़ के बड़े कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया, झारखंड के आईएएस अधिकारी अमित प्रकाश और प्रिज्म होलोग्राफी के डायरेक्टर विधु गुप्ता।

बिहार

10 विधायकों के टिकट काटे, 71 उम्मीदवारों में 9 महिलाएं

भाजपा की पहली सूची में 46 फीसदी सवर्ण

एजेंसी

पटनाः2025 बिहार विधानसभा चुनाव में 71 सीटों के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी ने अपने 10 सीटिंग विधायकों के टिकट काट दिए हैं, जबकि 46 विधायकों को मैदान में उतारा गया है। जिन विधायकों के टिकट काटे गए हैं, उनमें विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव भी शामिल हैं। नंदकिशोर 5 बार से पटना साहिब सीट से जीतते आ रहे हैं। उनकी जगह पर बीजेपी नेता और हाईकोर्ट के वकील रत्नेश कुशवाहा को उतारा है। कुम्हरार से 5 बार के विधायक अरुण कुमार सिन्हा का भी टिकट कटा है। इनकी जगह संजय गुप्ता को मौका मिला है। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को तारापुर से और विजय सिन्हा को लखीसराय से टिकट दिया गया है। मंत्री नितिन नवीन को बांकीपुर और रेणु देवी को बेतिया से उम्मीदवार बनाया है। पूर्व मंत्री

रामकृपाल यादव को दानापुर से टिकट दिया गया है। इसी तरह से मंत्री मंगल पांडेय को सिवान, कुंदन कुमार को बेगूसराय, डॉ. सुनील कुमार को बिहारशरीफ से मैदान में उतारा गया है। पार्टी ने इस बार टिकट बंटवारे में सोशल इंजनियरिंग का पूरी तरह से ध्यान रखा है। उम्मीदवारों में 46 फीसदी सवर्णहैं। राजपूत जाति के 14, भूमिहार जाति के 11, ब्राह्मण जाति के 07 के अलावा 1 उम्मीदवार कायस्थ है। इस बार भाजपा 101 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। 71 के नाम सामने आ गए हैं। अब 30 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान बाकी है। पार्टी ने 71 उम्मीदवारों में से 11 अत्यंत पिछड़ा वर्ग, 19 ओबीसी से हैं। इस तरह से कुल 30 ओबीसी प्रत्याशी मौदान में उतारे गए हैं। अनुसूचित जाति और जनजाति के 6 उम्मीदवारों को टिकट दिया गया है। 9 महिलाओं को टिकट दिया है। इसमें रेणु देवी, गायत्री देवी, देवंती यादव, स्वीटी सिंह, निशा सिंह, कविता देवी, रमा निषाद, अरुणा देवी और श्रेयसी सिंह हैं। श्रेयसी को बीजेपी ने जमुई से उम्मीदवार बनाया है

केरल में छिपा था झारखंड में तीन पुलिसकर्मियों की हत्या का आरोपी, एनआईए ने दबोचा

संवादाता

रांचीःमें तीन पुलिसकर्मियों की हत्या के मामले में वांछित माओवादी नेता सहन टुडी दिनाबू को केरल के इडुक्की जिले के मुन्नार से गिरफ्तार किया गया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की कोच्चि और रांची इकाइयों ने सोमवार देर रात केरल पुलिस के सहयोग से संयुक्त अभियान चलाकर दिनाबू को गिरफ्तार किया। वह मुन्नार के गुदरविल्ला एस्टेट में अपनी पत्नी के साथ मजदूर बनकर रह रहा था। सूत्रों के अनुसार, एनआईए पिछले कई हफ्तों से दिनाबू की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। पुख्ता खुफिया सूचना मिलने के बाद अधिकारियों ने एस्टेट को चारों ओर से घेर लिया और बिना किसी प्रतिरोध के उसे हिरासत में ले लिया। जांचकताओं के मुताबिक, दिनाबू करीब डेढ़ साल से मुन्नार की चाय एस्टेट में काम कर रहा था और झारखंड से फरार होने के बाद वह लगातार पहचान छिपाकर रह रहा था। वह उस माओवादी हमले का मुख्य आरोपी है, जिसमें बम विस्फोट के दौरान तीन पुलिसकर्मियों की मौत हुई थी। एनआईए जल्द ही उसे झारखंड ले जाएगी, जहां उससे आगे की पूछताछ और कानूनी कार्रवाई कीजाएगी।

महागठबंधन में नहीं सुलझ पाया सीट बंटवारे का झगड़ा

एजेंसी

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव से पहले महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर मंगलवार देर रात तक सहमति नहीं बन पाई है। राष्ट्रीय जनता दल ने अपने उम्मीदवारों को सिंबल बांटना शुरू कर दिया है। सहमति न बनने की स्थिति में कांग्रेस भी सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारने की रणनीति पर विचार कर रही है। मंगलवार देर शाम तक चली कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में उम्मीदवारों के नामों पर विचार किया गया। बुधवार को पार्टी अपनी लिस्ट जारी सकती है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस महागठबंधन के तहत बिहार में कम से कम 60 सीटों पर अड़ी है, वहीं विकासशील इंसान पार्टी और वामपंथी दल भी अपनी मांगों पर डटे हुए हैं। आरजेडी 50-55 सीटों से ज्यादा देने को तैयार नहीं। 2020 के चुनाव में कांग्रेस ने 70 सीटों

पर चुनाव लड़ा था, लेकिन सिर्फ 19 सीटें जीत सकी थी। खराब स्ट्राइक रेट को देखते हुए लालू यादव इस बार सतर्क हैं। इस बीच, तेजस्वी यादव बुधवार को राघोपुर से नामांकन दाखिल करने जा रहे हैं। सीपीआई माले ने भी अपने 18 कैंडीडेट्स की लिस्ट जारी कर दी है। इसके पहले भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने भी छह उम्मीदवारों के नामों परमुहर लगा दी है।

20वीं झारखंड पुलिस ड्यूटी मीट का हुआ आगाज, पुलिस तकनीक और अनुसंधान का दिखेगा जलवा

रांची, संवाददाता।

20वीं झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट का आगाज मंगलवार को हुआ. पुलिस ड्यूटी मीट के दौरान राज्य भर की आठ टीमों में शामिल 80 पुलिसकर्मियों के बीच मुकाबला होगा. जैप वन परिसर रांची में 17 सितंबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम में कई प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी. पुलिस ड्यूटी मीट का शुभारंभ झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने किया.

14 से 17 अक्टूबर तक आयोजन

मंगलवार को झारखंड के राज्यपाल, डीजीपी सहित वरीय पुलिस अधिकारियों ने पुलिस ड्यूटी मीट का भव्य शुभारंभ किया. प्रतियोगिता का आयोजन 14 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2025 तक जैप 1 ग्राउंड में किया जा रहा है. झारखंड पुलिस ड्यूटी मीट के दौरान विभिन्न जिलों के पुलिस अफसर तकनीक और अत्यधिक

अनुसंधान के गुर का प्रदर्शन करेंगे. विभिन्न स्पधाओं में झारखंड पुलिस की आठ टीमों में शामिल 80 से ज्यादा पुलिसकर्मी भाग ले रहे हैं.

इन प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

17 अक्टूबर तक चलने वाले पुलिस ड्यूटी मीट में कई प्रतियोगिताओं को शामिल किया गया है. जिसमें 12 तरह की प्रतियोगिताएं होंगी. जिसमें फॉरेंसिक साइंस (लिखित), क्राइम जांच, कंप्यूटर अवेयरनेस, फोटोग्राफी, लिफ्टिंग पैकिंग, डॉग स्क्वायड एक्सप्लोसिव ट्रैक्टर, फिंगर प्रिंट(प्रैक्टिकल व ओरल) जैसे विषयों पर प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है. इस प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान पर आने वाली टीमों को मिलाकर राज्य की टीम तैयार की जाएगी, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए भेजा जाएगा. झारखंड पुलिस ड्यूटी मीट 2025 के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने शिरकत की. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मुझे आज झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट 2025 के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित होकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है. यह आयोजन केवल कुशलता, अनुशासन और दक्षता का परिचय नहीं है, बल्कि यह हमारे पुलिसकर्मियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, आपसी सहयोग और टीम भावना को भी सशक्त करता है. पुलिस ड्यूटी मीट में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को मैं हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं और यह अपेक्षा करता हूं कि आप सभी अपने कौशल, समर्पण और उत्साह के साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाएंगे.

अनुसंधान प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर

राज्यपाल ने कहा की अनुसंधान प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जाए.अनुसंधान कार्यों में तकनीकी सहयोग और वैज्ञानिक तरीकों का अधिकाधिक प्रयोग किया जाना चाहिए, ताकि अपराधी शीघ्रता से कानून के दायरे में आ सके और पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके. यही एक सशक्त और संवेदनशील पुलिस व्यवस्था का प्रमाण है. राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानून भारत की न्याय व्यवस्था में ऐतिहासिक और व्यापक सुधार का प्रतीक हैं.

नक्सल गतिविधि में शामिल लोगों को मुख्यधारा में जोड़ें

राज्यपाल ने नक्सली हिंसा में जान गंवाने वाले पुलिस कर्मियों को लेकर दुख व्यक्त किया. राज्यपाल ने कहा कि जब भी पश्चिमी सिंहभूम के चाईबासा से किसी शहीद का पार्थिव शरीर आता है और मैं उनके परिजनों से मिलता हूं, तो शब्द कम पड़ जाते हैं. हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है. नक्सली गतिविधियों में संलिप्त लोगों को हमें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना होगा. उन्हें शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना होगा. जनता पुलिस को अपनी सुरक्षा की सबसे मजबूत कड़ी मानती है. अतः यह हमारा कर्तव्य है कि उनके इस विश्वास को कभी टूटने न दें.

डीजीपी ने झारखंड पुलिस की उलब्धियां गिनाईं

वहीं डीजीपी ने बताया कि झारखंड पुलिस नक्सलियों के खिलाफ जोरदार कार्रवाई कर रही है. अपने साहस और पराक्रम के बल पर झारखंड पुलिस नक्सलियों के खिलाफ लगातार सफलताएं हासिल कर रही हैं. डीजीपी ने बताया कि इस वर्ष 2675 बच्चों को मानव तस्करी से मुक्त करवाया गया है, झारखंड की साइबर थानों की पुलिस ने साइबर अपराधियों के 19 करोड़ से अधिक पैसे फ्रिज किए गए हैं. अफीम की खेती के खिलाफ भी जोरदार कार्रवाई की जा रही है और रिकॉर्ड अफीम नष्ट की गई है. उन्होंने कहा कि पुलिस ड्यूटी मीट बेहतर तकनीक, सूझबूझ, अनुसंधान के तौर तरीकों पर पुलिस खुद अपनी कसौटी पर कितनी खरी उतर रही इसके लिए हर वर्ष झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट का आयोजन किया जाता है. इस वर्ष भी झारखंड पुलिस के जवान बेहतर तकनीक के बल पर अपराधियों को सजा दिलाने के गुर सीखेंगे.

बेहतर काम कर रही झारखंड पुलिसः राज्यपाल

राज्य के विभिन्न जिलों से आए हमारे पुलिसकर्मी अपनी-अपनी दक्षताओं का प्रदर्शन कर रहे हैं. यह हमारे पुलिस बल की एकता, प्रतिबद्धता और सेवा भावना का प्रमाण है. पुलिसकर्मी किसी भी राज्य की सुरक्षा, शांति और व्यवस्था के आधार स्तंभ होते हैं. हमारे जवान दिन-रात कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हैं, चाहे वह विधि-व्यवस्था बनाए रखना हो, अपराध नियंत्रण करना हो या आपदा एवं संकट की घड़ी में जनसेवा का दायित्व निभाना हो. राजपाल ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच संवाद और विश्वास का रिश्ता मजबूत होना अत्यंत आवश्यक है. मैं सभी पुलिसकर्मियों से आग्रह करता हूं कि वे जनता से शालीनता से संवाद करें, उनकी शिकायतों को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनें और तत्परता से उनका निपटारा करें, ताकि लोग बिना किसी झिझक के थाने आ सकें.

अनुसंधान के बेहतर गुर सीखेंगे अफसर : डीजीपी

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा बेहतर अनुसंधान से ही अपराधियों को सजा दिलायी जा सकती है. इसके लिए झारखंड पुलिस लगातार काम कर रही है. डीजीपी के अनुसार आए दिन अनुसंधान की नई तकनीक सामने आ रही है ,जिनके बारे में पूरी तरह जानकारी रखना झारखंड पुलिस के लिए बेहद जरूरी है. उन्होंने कहा कि आईटी, साइबर क्राइम, अपराध नियंत्रण, महिलाओं की सुरक्षा सहित अन्य विषयों पर भी दिन-रात पुलिस अधिकारी काम कर रहे हैं. आने वाले समय में हमें किसी अपराधी के प्रोफाइल के लिए छापेमारी करने और उसके पीछे भागने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

31 अक्टूबर से 25 नवंबर तक झारखंड के हर संसदीय क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित करेगी भाजपा

रांची, संवाददाता।

लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती को भारतीय जनता पार्टी खास बनाने में जुटी है. इसको लेकर झारखंड सहित देश भर में 31 अक्टूबर से 25 नवंबर तक सरदार.@150 यूनिटी मार्च आयोजित किया जाएगा. झारखंड में सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर राज्य के सभी 14 संसदीय क्षेत्रों में सरदार @150 मार्च का आयोजन किया जाएगा. कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में मंगलवार 14 अक्टूबर को कार्यशाला सह बैठक की गई. कार्यशाला में कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, कार्यक्रम के संयोजक बालमुकुंद सहाय, सह संयोजक सुशांत सौरभ सहित बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता और नेता उपस्थित थे.

हर संसदीय क्षेत्र में निकाला जाएगा मार्च

सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की जानकारी देते हुए भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि राज्य के सभी 14 लोकसभा क्षेत्र में वहां के स्थानीय सांसद के नेतृत्व में मार्च होगा. इस कार्यक्रम में तीन सांसद राज्य के बाहर से शामिल होंगे. वहीं आठ जो झारखंड से बीजेपी के सांसद हैं वह अपने-अपने संसदीय क्षेत्र में इसका नेतृत्व करेंगे. आदित्य साहू ने कहा कि इस कार्यक्रम में कोई पार्टी का बैनर-पोस्टर या झंडा नहीं होगा, बल्कि राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत होकर समाज के सभी वर्ग के लोग इस मार्च में शामिल होंगे.

चलती ट्रेन से नाबालिगों का रेस्क्यू, नौकरी का झांसा देकर मानव तस्करी की साजिश!

रांची, संवाददाता।

रेलवे सुरक्षा बल रांची मंडल ने एक बार फिर मानव तस्करी के खिलाफ अपनी मुहिम में बड़ी सफलता हासिल की है. बीते दो दिनों में आरपीएफ ने दो अलग-अलग अभियानों में कुल 16 नाबालिगों को सुरक्षित बचाया है. वहीं, एक महिला और उसके छोटे बच्चे को भी सुरक्षित घर तक पहुंचाया गया.

गुप्त सूचना पर शुरू हुई कार्रवाई

रांची आरपीएफ को सूचना मिली थी कि वास्कोडिगामा एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 17322) से नाबालिगों को गोवा ले जाया जा रहा है. इस सूचना की गंभीरता को देखते हुए आरपीएफ पोस्ट रांची, जीआरपी रांची, मुरी थाना पुलिस और एक एनजीओ की संयुक्त टीम गठित की गई. इस टीम ने ट्रेन के मुरी स्टेशन से आगे बढ़ते ही सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया. चलती ट्रेन में जांच के दौरान कई बच्चों की पहचान की गई, जिन्हें संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया.

नौकरी का झांसा देकर किया जा रहा था शिकार

सोमवार रात करीब 9 बजे जब ट्रेन रांची स्टेशन पहुंची तो आरपीएफ ने सभी जेनरल कोचों में छानबीन की. जांच में 13 नाबालिग बच्चों को रेस्क्यू किया गया. हालांकि तस्कर मौके से भागने में सफल रहे. बच्चों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि वे जसीडीह स्टेशन से ट्रेन में चढ़े थे और उन्हें गोवा में नौकरी देने का लालच दिया गया था. पूछताछ और जांच बाद में दस्तावेजों की जांच से पुष्टि हुई कि सभी बच्चे नाबालिग हैं. आरपीएफ ने बच्चों को आवश्यक देखरेख और कानूनी प्रक्रिया के लिए चाइल्डलाइन रांची को सौंप दिया है. यह पूरा अभियान ऑपरेशन डिग्निटी के तहत संचालित हुआ.

मेरी सहेली टीम ने मां-बेटे को सुरक्षित घर पहुंचाया

एक दूसरे मामले में रेल मदद हेल्पलाइन के माध्यम से सूचना मिली कि भरतपुर (राजस्थान) निवासी करतार सिंह की पत्नी होलिका और पांच वर्षीय पुत्र यश गलती से किसी ट्रेन से रांची पहुंच गए हैं. इसकी सूचना मिलते ही टीम मेरी सहेली सक्रिय हुई और दोनों को रांची स्टेशन परिसर में सुरक्षित पाया. पूछताछ के दौरान महिला ने बताया कि वह मूल रूप से रांची जिले के बुंडू-तामाड़ क्षेत्र की रहने वाली है. करीब नौ साल पहले उसकी शादी राजस्थान में हुई थी. लेकिन पारिवारिक परिस्थितियों के कारण वह अपने मायके लौटना चाहती थी. मोबाइल या किसी संपर्क साधन के अभाव में वह रास्ता भटककर रांची पहुंच गई. सहायक सुरक्षा आयुक्त एके सिंह के निर्देश पर आरपीएफ की मेरी सहेली टीम ने मानवता का परिचय देते हुए महिला और उसके पुत्र को स्वयं घर तक पहुंचाने का निश्चय किया. एनजीओ और बुंडू थाना पुलिस की सहायता से जब महिला के घर की जांच की गई, तो परिवारजन नहीं मिले. इस स्थिति में मां-बेटे दोनों को अस्थायी रूप से एनजीओ की देखरेख में सुरक्षित रखा गया. पिछले कुछ महीनों में आरपीएफ रांची ने कई ऐसे अभियान चलाए हैं, जिनमें मानव तस्करी की घटनाओं को रोका गया है. आरपीएफ अधिकारियों के अनुसार, त्योहारी सीजन में ऐसे मामलों की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए स्टेशनों और ट्रेनों में चौकसी और बढ़ा दी गई है.

शिव शक्ति हनुमान मंदिर काली पूजा समिति का भूमि पूजन संपन्न

रांची, संवाददाता।

शिव नगर कमड़े स्थित शिव शक्ति हनुमान मंदिर काली पूजा समिति की ओर से मंगलवार को माँ काली पूजा को लेकर भूमि पूजन का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। समिति के सदस्यों ने विधिवत मंत्रोच्चारण के बीच भूमि पूजन कर माँ काली से समृद्धि और मंगल की कामना की। समिति ने बताया कि इस वर्ष माँ काली की पूजा अत्यंत भव्य और आकर्षक रुप में आयोजित की जाएगी। दिनांक 20 अक्टूबर को शाम 7 बजे पंडाल उद्घा टन कार्यकम होगा, जिसके बाद रात्रि में माँ काली की पूजा संपन्न की जाएगी।

अगले दिन 21 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से माता का महाभोग आयोजित होगा। इसके बाद शाम 5 बजे से माता का चैता और रात्रि 7 बजे से रंगारंग

सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्थानीय डांस ग्रुप अपनी शानदार प्रस्तुति देंगे। पूजा समिति के पदाधिकारियों में अध्यक्ष सनी वर्मा, उपाध्यक्ष राहुल शर्मा, कोषाध्यक्ष राज चौधरी शामिल हैं। वहीं सदस्य रंजन शर्मा, विष्णु, शिव, छोटू, अमन, अभय और अक्षय आयोजन की तैयारियों में सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। समिति ने सभी श्रद्धालुओं से आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

नगर निकाय चुनाव के लिए तीन माह के समय की मांग, हाईकोर्ट ने राज्य निर्वाचन आयोग के आग्रह को किया अस्वीकृत

रांची, संवाददाता।

नगर निकाय चुनाव को लेकर हो रही देरी पर झारखंड हाईकोर्ट का सख्त रुख देखने को मिला है. हाईकोर्ट ने राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव कराने के लिए कम से कम तीन माह के समय की मांग को अस्वीकृत करते हुए सुनवाई की अगली तारीख 10 नवंबर निर्धारित कर दी है. कोर्ट ने कम से कम समय सीमा के भीतर चुनाव कराने का निर्देश दिया है. यह जानकारी झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने दी है.

10 नवंबर की सुनवाई के दिन उपस्थिति जरूरी

सुनवाई के दौरान आज राज्य सरकार की ओर से हाईकोर्ट के समक्ष सील्ड कवर में अपनी रिपोर्ट को पेश किया गया. लेकिन कोर्ट ने अगली सुनवाई के दौरान पेश करने का निर्देश देते हुए रिपोर्ट को बिना खोले हुए वापस कर दिया. दरअसल, आज कैबिनेट की बैठक निर्धारित होने के कारण राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव और नगर विकास सचिव के सशरीर उपस्थित होने के बाद महाधिवक्ता राजीव रंजन के आग्रह पर सभी अधिकारियों को कैबिनेट की बैठक में जाने की छूट दी गई. सभी अधिकारी 10 नवंबर को होने वाली अगली सुनवाई के दौरान उपस्थित रहेंगे.

क्या हुआ था 10 सितंबर की सुनवाई के दौरान

दरअसल, 10 सितंबर को हुई सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने नगर निकाय चुनाव नहीं कराए जाने पर सख्त रुख अपनाते हुए आदेश की अवमानना करने वाले अधिकारियों पर चार्जफ्रेम करने का आदेश दिया था. यह जानकारी अधिवक्ता विनोद सिंह ने दी थी. इसी आधार पर कोर्ट ने ऐसे सभी अधिकारियों को अवमानना नोटिस जारी किया था. बता दें कि रौशनी खलखो और अन्य की ओर से दाखिल अवमानना याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी.

इन शहरी नगर निकाय क्षेत्रों में होना है चुनाव

नगर निगम - रांची, हजारीबाग, मेदिनीनगर, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, चास, आदित्यपुर और मानगो.

नगर परिषद - गढ़वा, विश्रामपुर, चाईबासा, झुमरी तिलैया, चक्रधरपुर, चतरा, चिरकुंडा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा, गुमला, जुगसलाई, कपाली, लोहरदगा, सिमडेगा, मधुपुर, रामगढ़, साहिबगंज, फुसरो और मिहिजाम.

नगर पंचायत - बंशीधर नगर, मझिआंव, हुसैनाबाद, हरिहरगंज, छतरपुर, लातेहार, कोडरमा, डोमचांच, बड़की सरैया, धनवार, महगामा, राजमहल, बरहरवा, बासुकीनाथ, जामताड़ा, बुंडू, खूंटी, सरायकेला और चाकुलिया.

दिवाली को लेकर मोरहाबादी में सजा टेराकोटा घरौंदों का बाजार

रांची, संवाददाता।

बंगाल और झारखंड बोर्डर पर चंदन क्यारी मंडरा गांव स्थित है. रांची से 200 किमी दूर इस गांव के अधिकांश लोग मिट्टी से संबंधित वस्तुएं बनाते है. दिवाली के लिए छह महीने से तैयार की जाती है. जिसमें घरौंदों, दीपक, गुलक, गणेश और बौद्ध प्रतिमाओं समेत अन्य वस्तुएं शामिल है. मोरहाबादी में दुकानें सज चुकी हैं और खरीदारों की भीड़ बढ़ने लगी है. पिछले दो सालों से बोकारो जिले के मांडरा गांव के 11 कुम्हार परिवार मोरहाबादी पर टेराकोटा मिट्टी से तैयार घरौदा बेचने पहुंचे है. चंदन क्यारी बोकारो से आए नकुल कुंभकार, कमल कुंभकार और भागीरथ कुंभकार के परिवार छह महीने की मेहनत के बाद तैयार की है. इस बार बाजार में 2 से 3 हजार घरौंदे बिक्री के लिए लाए गए हैं. भागीरथ कुंभकार ने बताया कि बाजार में प्रतिस्पर्धा होने के कारण बिक्री और दाम में गिरावट आई है. पिछले साल एक घरौदा 500-600

रुपए प्रति घरौदा बेचे थे, लेकिन इस बार दुकान की संख्या बढ़ जाने के कारण करीब दो सौ रुपए गिरावट आई है. इस बार की किमत, छोटा घरौंदा 250, मीडियम 350 और बड़ा 500 रुपये में मिल रहा है. इससे पहले धनबाद, बोकारो और जमशेदपुर में भी दुकान लगा चुके है. मांग और कीमत पर दो साल में दुकान स्थान बदलते है. नकुल कुंभकार बताते हैं कि, हम लोग हर साल दीपावली से दस दिन पहले दुकान सजाते हैं. पिछले साल अच्छी बिक्री हुई थी, लेकिन इस बार दुकानों की संख्या बढ़ने से दामों में गिरावट आई है. कुम्हार परिवारों ने बताया कि वे 200 किलोमीटर दूर बोकारो से करीब 5 घंटे की यात्रा कर 8 हजार रुपये किराया देकर रांची पहुंचे हैं.

रांची में छठ महापर्व की तैयारियां तेज, मंत्री सुदिव्य कुमार के निर्देश पर नगर निगम ने चलाया सफाई अभियान

रांची, संवाददाता।

राज्य सरकार के निर्देश और विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार के मार्गदर्शन में रांची नगर निगम ने छठ महापर्व को लेकर विशेष सफाई और तैयारी अभियान शुरू किया है. निगम की टीम शहर के प्रमुख घाटों और तालाबों की साफ-सफाई, मरम्मत और सौंदर्यीकरण के कार्यों में जुटी है. मंगलवार को नगर आयुक्त सह प्रशासक सुशांत गौरव ने खुद कई तालाबों का निरीक्षण किया. उन्होंने टुनकी टोली तालाब और डोरंडा टोली तालाब का जायजा लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. निरीक्षण के दौरान प्रशासक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि तालाबों की सफाई कार्य तुरंत पूर्ण किया जाए और जल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए ब्लीचिंग पाउडर और फिटकरी का छिड़काव शुरू किया जाए. उन्होंने तालाबों के आसपास की झाड़ियों की कटाई, पथों की मरम्मत, दीवार पेंटिंग और बाउंड्री निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया. प्रशासक ने आगे कहा कि घाटों के चारों ओर बांस-बल्लियों से बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जाए

ताकि भीड़ नियंत्रित रहे. इसके साथ ही रौशनी, पेयजल और अस्थायी चेंजिंग रूम जैसी सुविधाएं भी समय रहते उपलब्ध कराई जाए.

स्वास्थ्य व्यवस्था की समीक्षा

निरीक्षण के दौरान तिरिल तालाब परिसर में स्थित अर्बन हेल्थ सेंटर का भी निरीक्षण किया गया. प्रशासक ने वहां उपलब्ध दवाओं और चिकित्सा सेवाओं की जानकारी ली. उन्होंने डॉक्टरों को निर्देश दिया कि छठ पर्व के दौरान पर्याप्त मात्रा में आवश्यक दवाइयां उपलब्ध रहे और किसी भी आपात स्थिति के लिए स्वास्थ्य कर्मी सतर्क रहें. प्रशासक ने संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि किसी भी तालाब तक जाने वाले मुख्य मार्गों पर अतिक्रमण नहीं होना चाहिए. श्रद्धालुओं को पैदल चलने में कोई परेशानी न हो, इसके लिए मार्गों की सफाई और समतलीकरण तत्काल किया जाए. उन्होंने अभियंत्रण शाखा को तालाबों के पास जमा मलबा हटाने, नालियों की सफाई और आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए.

वार्ड सुपरवाइजर को मिली जिम्मेदारी

सभी वार्ड सुपरवाइजर को अपने क्षेत्र में प्रतिदिन सफाई कार्य की निगरानी करने का निर्देश दिया गया है. प्रशासक ने कहा कि घाटों की स्वच्छता पर हर दिन रिपोर्ट दी जाए और लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदार कर्मियों पर कार्रवाई होगी. इस मौके पर उप प्रशासक रवींद्र कुमार, सहायक प्रशासक चंद्रशेखर कुमार, नगर प्रबंधक मुकेश कुमार, अभियंत्रण शाखा की टीम, जोनल सुपरवाइजर और संबंधित वार्ड कर्मी मौजूद थे.

175वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन

रांची, संवाददाता।

श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 175 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया साधु संत के तुम रखवारे असुर निकन्दन राम दुलारे के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। राजेश ढांढनीया पिंटू ने अखण्ड ज्योति एवं पूजन के सभी कार्य सम्पन्न करवाएं। सुनील मोदी ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। सुनील मोदी ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ

वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित जनों से करवाया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मुकेश मित्तल ने गिरिगोला सेवा एवम राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर मण्डल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल कोषाध्यक्ष मनोज खेतान उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया उपाध्यक्ष अशोक लड़िया निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया सुनील मोदी हर्ष कृष्णा कुमार आदि भक्त उपस्थित थे।

शुक्रवार को रम्भा एकादशी संकीर्तन

श्री श्याम मंदिर हरमू रोड में 17 अक्टूबर शुक्रवार को रात्रि 9:30 बजे से कार्तिक कृष्ण पक्ष की रंभा एकादशी संकीर्तन का आयोजन किया गया है।

दीपावली पर होंगे कई कार्यक्रम

धनतेरस के शुभ अवसर पर श्याम मंदिर में 175 वा श्री श्याम भंडारे का आयोजन किया गया है। 20 अक्टूबर सोमवार को श्याम मंदिर में विराजमान सभी देवी देवताओं गुरुजनों को नवीन पोशाक पहनाया जाएगा दीपावली का विशेष महास्नान एवं तिलक श्रृंगार किया जाएगा। तिलक श्रृंगार के बाद विशेष फूलों का श्रृंगार रजत सिंहासन पर बैठे बाबा श्याम का दिव्य अद्भुत रंग बिरंगा श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर परिसर में रंग बिरंगी लाइट लगाई जाएगी एवं विशेष लड्डू का प्रसाद बाबा को भोग लगाया जाएगा । दीपावली के विशेष पूजा होने के कारण मंदिर के पट प्रातः 11:00 बजे से संध्या 5:30 बजे तक भक्तों के दर्शनों के लिए बंद रहेंगे। 5:30 बजे के उपरांत दर्शन सुलभ हो पाएंगे एवं दीप प्रज्जवलन का कार्यक्रम संध्या 6:00 बजे से प्रारंभ होगा। दीपावली पर्व के शुभ अवसर पर सभी श्याम भक्त बाबा की चौखट पर बैठकर बाबा के सम्मुख अपने परिवार की खुशियों की मंगल कामना की अर्जी दीप जलाकर लगा सकते हैं।

रांची में बाइक चोर गिरोह के 15 युवक हुए गिरफ्तार

चोरी की 22 मोटरसाइकिलें बरामद

संवाददाता । रांची

रांची : रांची पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले संगठित गिरोह का खुलासा किया है। शहर के नामकुम थाना क्षेत्र से गिरोह के 15 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से चोरी की 22 मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। गिरोह का नेटवर्क रांची के साथसाथ ा झारखंड के अन्य जिलों में भी फैला हुआ था। 13 अक्टूबर की शाम वरीय अधिकारियों को सूचना मिली कि रांचीझटाटा मुख्य मार्ग पर बंद पड़े एक होटल के पास गिरोह के सदस्य चोरी की मोटरसाइकिलों की खरीद बिक्री के लिए जुटे हैं। इसपर कार्रवाई के लिए रांची के एसएसपी के निर्देश पर रूरल एसपी और रांची के डीएसपी-1 के नेतृत्व में छापेमारी टीम गठित की गई। टीम के पहुंचते ही कुछ आरोपी मोटरसाइकिल लेकर भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर सभी को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों रूपेश कुमार सिंह उर्फ सोनू सिंह, प्रेम कुमार सईस, विनोद कुमार महतो, रोनित कुमार, आयुष महतो, करण कुमार महतो, जयदेव महतो, करण गोस्वामी, विनोद महतो, मनोज उरांव, सत्यम्महतो, बादल सिंह मुंडा, कमलेश कुमार महतो, क्लिंटन कच्छप उर्फ चुस्की, और रोहित सईस शामिल हैं। ये सभी रांची शहर और आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के रहने हैं। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे लंबे समय से बाइक चोरी कर गिरोह के जरिए सस्ते दामों पर बेचते थे। चोरी के बाद वाहनों के नंबर प्लेट बदल दिया जाता था और उन्हें अलग- अलग जिलों में बेचा जाता था। गिरोह में करीब 20 सदस्य सक्रिय थे जो अलग-अलग टीम बनाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस ने बताया कि गिरोह के सदस्य महंगी मोटरसाइकिलों बुलेट, अपाचे, पल्सर, यामाहा और केटीएम को निशाना बनाते थे। अब तक की जांच में 19 मामलों का उद्भेदन हुआ है, जिनमें नामकुम, सुखदेवनगर, चुटिया, टाटीसिलवे, रातु, बरियातु और अनगड़ा थाना क्षेत्रों के मामले शामिल हैं। छापेमारी के दौरान गिरोह के पास से चार मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह पिछले कुछ महीनों में 40 से 50 मोटरसाइकिलों की चोरी कर चुका है। गिरफ्तार अपराधियों में से चार के आपराधिक इतिहास की पुष्टि हुई है। एसएसपी ने बताया कि गिरोह के अन्य फरार सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान जारी है।

ब्रीफ न्यूज

ऑड्रे हाउस में प्रदर्शनी देखने उमड़ा स्कूली बच्चों का हुजूम

संवाददाता । रांची

रांची आज ऑड्रे हाउस में राज्य में पहली बार आयोजित राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का पाँचवा दिन थो आज भी कला प्रेमियों और कला के विद्यार्थियों का तांता दिन भर लगा रहो एक ओर जहां विभिन्न कला विधाओं के कलाकारों ने देश भर से आई कलाकृतियों को सराहा, वहीं दूसरी ओर 100 से अधिक स्कूली बच्चों में रंग-बिरंगी कृतियों को लेकर उत्सुकता देखने को मिलो फोकाटोपीडिया फाउंडेशन की हमेशा से यही पहल रही है कि आने वाली पीढ़ी को कला के प्रति जागरूक बनाऐ आज आए स्कूल के बअच्छों का उत्साह दर्शनीय और प्रशंसनीय रहोछह दिवसीय चलने वाली राष्ट्रीय प्रदर्शनी का समापन 15 अक्टूबर 25 को दोपहर 3:30 बजे होगो समापन समारोह के मुख्य अतिथि राज्य के डीजीपी, श्री अनुराग गुप्ता जी होंगे उनके हाथों उन सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट दिया जाएगा, जिन्होंने फाउंडेशन द्वारा आयोजित सोहराई और पेइटकर चित्रकला की दो दिवसीय वर्कशॉप में भाग लिया थो।

राँचीः आगामी त्योहारों के मद्देनजर राँची की ट्रैफिक व्यवस्था का जायजा लेने ट्रैफिक एसपी कई क्षेत्रों मे निकले चर्च रोड कपड़ा मंडी पहुँच वहाँ के दुकानदारों से बातें की और सभी को दुकान के बाहर अतिक्रमण नही करने को कहा गया जिससे यातायात बाधित न हो अगर कोई अतिक्रमण करता है तो उसपर कार्यवाई की जायेगी दुकानदारों ने भी वादा किया है वो सड़क पर सामान नही रखेंगे मौके पर ट्रैफिक डीएसपी और थाना प्रभारी रहे मौजूद

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के सेल में छापेमारी के दौरान मिला मोबाइल चार्जर, जेल प्रशासन पर हुई कार्रवाई

संवाददाता । रांची

रांची : मनी लांड्रिंग के केस में रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद ग्रामीण विकास विभाग के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के अपर डिविजन सेल से मोबाइल का चार्जर बरामद हुआ था।न्यायिक समिति की टीम की छापेमारी में मोबाइल की बरामदगी तो नहीं हो सकी थी, लेकिन चार्जर की बरामदगी ही जेल के पदाधिकारियों व कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई का आधार बना।न्यायिक जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर आईजी जेल सुदर्शन प्रसाद मंडल ने होटवार जेल से जुड़े सभी संबंधितों पर कार्रवाई की है। इस मामले में जिनके विरुद्ध कार्रवाई हो चुकी है, उनमें मुख्य उच्च कक्षपाल अवधेश कुमार सिंह व क्लर्क प्रमिला कुमारी निलंबित हुए हैं।अनुबंध पर बहाल पूर्व सैनिक मिटकू उरांव व विश्वनाथ उरांव की सेवा समाप्त हुई। इसके अलावा होटवार केंद्रीय कारा के अधीक्षक सुदर्शन मुर्मू व सहायक जेलर देवनाथ राम से स्पष्टीकरण मांगा गया है।होटवार जेल में रिश्वतखोरी, कैदियों से दुर्व्यवहार, अनियमितता की शिकायत पर ही कोर्ट के आदेश पर न्यायिक समिति की टीम ने जेल।

भुंगरू एक्वा लाइन जल संचयन का शुरूवातः रांची जिले में जल संरक्षण की नई पहल

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, रांची श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने इसका शुभारम्भ किया

संवाददाता । रांची

यह रांची जिले के भुंगरू क्षेत्र में वर्षा जल संचयन, भूजल स्तर पुनर्भरण और ग्रामीण समुदायों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने पर केंद्रित है ₹जल जीवन का आधार है। भुंगरू एक्वा लाइन परियोजना न केवल जल संचयन को बढ़ावा देगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हमारा प्रशासन जल संकट से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है₹ :- उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, रांची श्री मंजूनाथ भजन्त्री यह परियोजना झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में जल आत्मनिर्भरता की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हैरांची जिले में जल संरक्षण और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने आज भुंगरू एक्वा लाइन जल संचयन का शुभारम्भ किया। यह परियोजना रांची जिले के भुंगरू क्षेत्र में वर्षा जल संचयन, भूजल स्तर पुनर्भरण और ग्रामीण समुदायों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने पर केंद्रित है, जो जलवायु परिवर्तन के चुनौतियों से निपटने में सहायक सिद्ध होगी।जिसमें जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, जल संसाधन विभाग के विशेषज्ञ, ग्राम प्रधान, स्थानीय निवासी और पर्यावरण कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।उपायुक्त ने कहा, ₹जल जीवन का आधार है। भुंगरू एक्वा लाइन परियोजना न केवल जल संचयन को बढ़ावा देगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हमारा प्रशासन जल संकट से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है, और यह परियोजना उसी दिशा में एक मील का पत्थर है।उपायुक्त ने कहा जल संरक्षण और ग्रामीण विकास पर विशेष जोर दे रहे हैं, उन्होंने विशेष रूप से कहा, की हमें न केवल औपनिवेशिक शोषण से मुक्त होना है, बल्कि नशा, कुप्रथाओं और पर्यावरण विनाश जैसे 'नए अंग्रेजों' से भी लड़ना है। भुंगरू एक्वा लाइन परियोजना इसी लड़ाई का हिस्सा है।₹

उपायुक्त ने परियोजना के सफल कार्यान्वयन के लिए जिला जल एवं स्वच्छता मिशन, पीएचईडी और स्थानीय एनजीओ को बधाई दी। उन्होंने निर्देश दिए कि परियोजना के प्रभाव का मूल्यांकन त्रैमासिक आधार पर किया जाए और आवश्यकतानुसार विस्तार किया जाए।कार्यक्रम में उपस्थित जल संसाधन विभाग के अधिकारी ने कहा, ₹यह परियोजना झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में जल आत्मनिर्भरता की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। हम आगामी वर्षों में 10 और इसी तरह की परियोजनाओं को लागू करने की योजना बना रहे है।

राज्य के नवनियुक्त मुख्य सचिव अविनाश कुमार झारखंड सरकार का अभिनंदन एवं स्वागत किया : महासंघ

संवाददाता । रांची

रांचीः झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल जहीर के नेतृत्व में झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ का एक शिष्टमंडल राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार से प्रोजेक्ट बिल्डिंग स्थित उनके कार्यालय कक्ष में मिलकर राज्य के समस्त राज्यकर्मियों (कर्मचारियों) की ओर से उनको पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन और स्वागत किया गया। इस मौके पर महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल जहीर ने कहा कि झारखंड राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार झारखंड सरकार के बनने से समस्त राज्यकर्मियों (कर्मचारियों) में उत्साह और खुशी है। राज्य के नवनियुक्त मुख्य सचिव अविनाश कुमार का स्वागत करने वालों में झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल जहीर, राज्य सचिव रामसेवक महतो, उपाध्यक्ष राजेश्वर चौधरी एवं जिला अध्यक्ष अखिलेश कुमार शामिल थे।

बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा में मनाया गया दीपोत्सव

संवाददाता । रांची

रांची, 14 अक्टूबर, 2025: बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान मेसरा का विशाल परिसर दीपोत्सव 25 के दौरान रोशनी, संगीत और जीवंत ऊर्जा से जगमगा उठा। लियो क्लब द्वारा आईसी एरिना में शाम को आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत छात्र मामलों के डीन डॉ. भास्कर कर्ण, छात्र मामलों के एसोसिएट डीन डॉ. दिलीप कुमार उपाध्याय, डॉ. योगेंद्र अग्रवाल और डॉ. अमित सरन द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।ध्वनि म्यूजिक क्लब की एक शानदार प्रस्तुति के साथ शाम की शुरूआत हुई, जिसके भावपूर्ण संगीत और लयबद्ध ताल ने पूरे परिसर को आनंद, ऊर्जा और भावनाओं से भर दिया। मुसाफिर बैंड के मनमोहक प्रदर्शन ने इस उत्साह को और बढ़ाया, जिसके शक्तिशाली गायन और गतिशील मंचीय उपस्थिति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।दीपोत्सव 25 के समापन के करीब पहुँचते ही, हतम द्वारा प्रस्तुत ईडीएम नाइट ने परिसर को असीम ऊर्जा और उल्लासपूर्ण वातावरण से भर दिया। चकाचौंध भरी रोशनी और मनमोहक ध्वनि के साथ, इस प्रदर्शन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, तथा सभी को आगामी कार्यक्रमों के लिए उत्सुकता से भर दिया।

झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ ने 9 अक्टूबर को हुई आंतरिक नियुक्ति परीक्षा में भारी अनियमितताओं का किया पदार्फाश

संवाददाता । रांची

रांची,झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय ने झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड एवं इसकी अनुषंगी कंपनियों – खइश्ठछ, खवरठछ, खववठछ – के अंतर्गत आंतरिक नियुक्ति विज्ञापन संख्या 01/2024, 03/2024, 04/2024, 05/2024 में भारी पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि दिनांक 9 अक्टूबर 2025 को आयोजित परीक्षा पूरी तरह से अपारदर्शी, संदिग्ध और पक्षपातपूर्ण रही।अजय राय ने कहा कि निगम की इस आंतरिक परीक्षा में ऐसे कई अभ्यर्थियों को पात्र घोषित कर दिया गया जो विज्ञापन में दी गई अर्हता के मापदंडों पर कदापि खरे नहीं उतरते। विशेष रूप से टअठअत्रूफ(त्र&अ) पद पर 11 अभ्यर्थियों ने नौकरी करते हुए ही रेगुलर मोड से टइअ की डिग्री प्राप्त की है, जो नियमों का खुला उल्लंघन है। नौकरी के दौरान शिक्षा प्राप्त करने के लिए शैक्षणिक अवकाश प्रमाणपत्र आवश्यक है, जो इनमें से किसी ने प्रस्तुत नहीं किया।इसी प्रकार जूनियर मैनेजर (टेक्निकल) पद पर कई योग्य अभ्यर्थियों को केवल प्रतिशत के आधार पर वंचित कर दिया गया, जबकि राज्य सरकार और खढरउ की वैकेंसीयों में केवल डिप्लोमा या डिग्री ही पात्रता का मानक होती है – प्रतिशत नहीं।संघ ने यह भी उजागर किया कि दूरस्थ शिक्षा और अन्य विश्वविद्यालयों) से डिग्री प्राप्त अभ्यर्थियों के साथ दोहरी नीति अपनाई गई – कुछ को वैध मानकर परीक्षा में बैठाया गया, जबकि कई अन्य को मनमाने ढंग से अयोग्य ठहरा दिया गया। यह विभागीय भेदभाव और पारदर्शिता की विफलता का स्पष्ट उदाहरण है।अजय राय ने बताया कि संघ ने इस पूरी प्रक्रिया की जानकारी सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत मांगी थी, परंतु 6 माह बीत जाने के बावजूद विभाग ने कोई जवाब नहीं दिया। इससे यह स्पष्ट होता है कि विभाग जानबूझकर अनियमितताओं को छिपाने की कोशिश कर रहा है।संघ ने कहा कि वह नियुक्तियों का विरोध नहीं करता, परंतु यह मांग करता है कि 9 अक्टूबर की परीक्षा की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों पर कार्रवाई की जाए।केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि यह मामला सिर्फ भर्ती परीक्षा का नहीं, बल्कि पूरे निगम की विश्वसनीयता का है। अगर पारदर्शिता और न्याय कायम नहीं रहा, तो कर्मचारी और जनता दोनों का भरोसा व्यवस्था से उठ जाएगा।संघ ने चेतावनी दी है कि यदि निगम प्रबंधन ने इस गंभीर मुद्दे पर तुरंत संज्ञान नहीं लिया, तो झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को मजबूर होगा।

व्यक्तित्व के विकास में एन एस एस की प्रमुख भूमिका डॉ राजकुमार शर्मा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने वालों को निश्चित सफलता मिलती है_ डॉ ब्रजेश

संवाददाता । रांची

राँची, 14 अक्टूबर 2025 डोरंडा महाविद्यालय, राँची की राष्ट्रीय सेवा योजना के तीनों इकाईयों के संयुक्त तत्वावधान में आज महाविद्यालय के सर्वपल्ली राधाकृष्णन सभागार में प्राचार्य डॉ राजकुमार शर्मा की अध्यक्षता में एक दिवसीय एन एस एस ओरियंटेशन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। आज के समारोह में डोरंडा महाविद्यालय का छात्र सह एन एस एस का वरिष्ठ स्वयंसेवक दिवाकर आनंद को राष्ट्रीय सेवा योजना के राष्ट्रीय पुरस्कार भारत के महामहिम राष्ट्रपति महोदया द्वारा सम्मानित होने के उपरांत उसे अंग वस्त्र, पौधा और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ एन एस एस के लक्ष्य गीत के उपरांत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया जाएगा।इस अवसर पर प्राचार्य डॉ राजकुमार शर्मा ने कहा कि युवाओं के व्यक्तित्व विकास में एन एस एस की प्रमुख भूमिका है एवं इसके माध्यम से युवाओं के अंदर सामाजिक दायित्व का भाव विकसित होता है। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय का मान सम्मान दिवाकर आनंद ने बढ़ाया है एवं साथ ही साथ इनसे प्राप्त अनुभव का लाभ अन्य एन एस एस के स्वयंसेवकों को भी मिलेगा।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आर यू के एन एस एस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ ब्रजेश कुमार ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्ट कट नही होता बल्कि सकारात्मक पहल से सफलता अपने आप मिलती है। उन्होंने कहा कि एन एस एस से जुड़ने से स्वयंसेवको का सर्वांगीण विकास के साथ ही साथ टाइम मैनेजमेंट एवं अनुशासन की भावना अपने आप आ जाती है।संपूर्ण कार्यक्रम डोरंडा महाविद्यालय, राँची के एन एस एस के तीनों इकाईयों के कार्यक्रम पदाधिकारी क्रमशः डॉ कंचन मुंडा, डॉ एमलिन केरकेट्टा एवं डॉ अलका दिव्या तिग्गा के देख रेख में सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम का सफल संचालन एन एस एस के टीम लीडर्स क्रमशः प्रियांशी एवं प्रेरणा ने किया। तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ कंचन मुंडा ने किया।कार्यक्रम के दौरान दिवाकर आनंद ने अपनी इस प्रमुख सफलता को विस्तार से बताया। कार्यक्रम में अर्थ शास्त्र विभाग की तरफ से भी दिवाकर आनंद को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम को डोरंडा महाविद्यालय के प्राध्यापक क्रमशः डॉ शिल्पी सिंह, डॉ निवेदिता, डॉ पुष्पा बिन्हा, डॉ सुप्रिया, डॉ शालिनी, डॉ अरविंद कुमार ने भी सम्बोधित किया।कार्यक्रम में जनजातीय लोक नृत्य, लोक गीत भी प्रस्तुत किया गया। एन एस एस का स्वयंसेवक अविनाश और विधि ने कविता का पाठन किया गया।कार्यक्रम को सफल बनाने में एन एस एस के टीम लीडर्स क्रमशः संकल्प, जमील, कंचन, आयुष्मान, वर्षा, रौशन आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा।

धनतेरस संपत्ति, स्वास्थ्य, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा को जीवन में आमंत्रित करने का है प्रतीकः संजय सर्राफ

संवाददाता । रांची

रांचीःविश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग एवं श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि हर साल धनतेरस का पर्व कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को आता है। और दीपावली के पांच दिवसीय उत्सव की शुरूआत करता है। धनतेरस को ₹धनत्रयोदशी₹ भी कहा जाता है।इस वर्ष त्रयोदशी तिथि 18 अक्टूबर दिन शनिवार को दोपहर 12 बजकर 18 मिनट से प्रारंभ हो रहा है जो 19 अक्टूबर रविवार को दोपहर 1 बजकर 51 मिनट तक रहेगी। धनतेरस का पर्व 18 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन को स्वास्थ्य, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। यह पर्व विशेष रूप से धन (संपत्ति) और आरोग्य (स्वास्थ्य) की प्राप्ति के लिए मनाया जाता है। इस दिन धन के देवता कुबेर, स्वास्थ्य के देवता धन्वंतरि और मां लक्ष्मी की पूजा का विशेष महत्व है। मान्यता के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे।

इसलिए यह दिन आयुर्वेद और आरोग्य के प्रतीक धन्वंतरि जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। एक अन्य कथा के अनुसार, राजा ह्यम के पुत्र की अल्पायु भविष्यवाणी को उसकी पत्नी की चतुराई और दीपों की रौशनी ने बदल दिया था। इसलिए इस दिन दीपदान एवं यमराज के लिए दीपक जलाने की परंपरा भी है। धनतेरस के दिन लोग नए बर्तन, धातु (सोना-चांदी), जेवरात, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएँ, वाहन, आदि खरीदते हैं। यह विश्वास है कि इस दिन खरीदी गई वस्तुएं घर में समृद्धि और शुभता लाती हैं। साथ ही, व्यापारी वर्ग इस दिन को नए खाता-बही की शुरूआत के रूप में भी मनाता है। इस दिन धन्वंतरि जी की पूजा के साथ-साथ घर के मुख्य द्वार पर रंगोली, दीप और तोरण से सजावट की जाती है। संध्या के समय यमराज के नाम एक दीपक घर के बाहर दक्षिण दिशा में जलाना विशेष फलदायक माना गया है। इसे यमदीपदान कहते हैं।आज के दौर में धनतेरस केवल धार्मिक ही नहीं,

'घाटशिला विधानसभा उपचुनाव की अधिसूचना जारी', जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने की प्रेसवार्ता

कहा अभ्यर्थी सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक कर सकेंगे नामांकन

जमशेदपुर, संवाददाता

45-घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर सोमवार 13 अक्टूबर को गजट प्रकाशन कर स्थानीय स्तर पर अधिसूचना जारी कर दिया गया है। इस अवसर पर समाहरणालय सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता में जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी द्वारा नामांकन एवं पूरी निर्वाचन प्रक्रिया के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रेस प्रतिनिधियों से साझा की गई।

वार्ता में उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी/प्रत्याशी अनुमंडल कार्यालय घाटशिला से सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक नामांकन प्रपत्र का क्रय कर सकते हैं। घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के लिए अनुमंडल पदाधिकारी घाटशिला सुनील चंद्र निवार्ची पदाधिकारी हैं। नामांकन की प्रक्रिया सोमवार 13 अक्टूबर से प्रारंभ हो गई है और जिसकी अंतिम तिथि 21 अक्टूबर निर्धारित है। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि 6 अक्टूबर को उपचुनाव की घोषणा के साथ साथ ही जिले में आदर्श आचार संहिता के अलावा सभी तरह के एसओपी का अनुपालन किया जा रहा है। सुगम, स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं भयमुक्त वातावरण में निर्वाचन प्रक्रिया के सफल संपादन के लिए सभी प्रशासनिक तैयारियों को पूर्ण कर लिया गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं की सुविधा के लिए ईवीएम पर लगने वाले मत पत्र में बदलाव किए है। जिसके तहत अब ईवीएम पर उम्मीदवारों के रंगीन फोटो के साथ-साथ उनके नाम और क्रम संख्या बड़े अक्षरों में अंकित होंगे। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग के गाइडलाइन के अनुरूप कार्य किया जा रहा है। स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाताओं को शिक्षित एवं प्रेरित करते हुए

मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। साथ ही सभी अंतर्राज्यीय एवं अंतरजिला चेकनाकों की निगरानी सख्ती से की जा रही है। ताकि अवैध मादक पदार्थ, संदिग्ध पैसों का परिवहन, शराब, उपहार, असामाजिक तत्वों पर कड़ाई से निगरानी एवं कार्रवाई की जा सके। आगे उन्होंने बताया कि सभी मतदान केन्द्रों पर एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी सुनिश्चित किया जा रहा है। उपचुनाव में भी होम वोटिंग की सुविधा रहेगी। वैसे दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाता जो मतदान के लिए मतदान केंद्र जाना चाहते हैं, उनके आवागमन के लिए वाहन, व्हीलचेयर, रैंप, वॉलंटियर की व्यवस्था रहेगी। सोशल मीडिया समेत अन्य मीडिया माध्यमों पर भी कड़ी निगरानी रखते हुए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों पर विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

कदमा में डोर-टू-डोर घूमे भाजपा-जदयू कार्यकर्ता, लोगों से पूछी उनकी समस्याएं, समाधान का दिया आश्वासन

जमशेदपुर, संवाददाता

पश्चिमी विधायक सरयू राय के निर्देश पर सोमवार भाजपा और जनता दल (यूनाइटेड) के कार्यकताओं-पदाधिकारियों ने कदमा क्षेत्र के उलियान स्थित विभिन्न इलाकों का दौरा कर स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानीं। इस दौरान भाजपा-जदयू के कार्यकताओं ने स्थानीय निवासियों से मिलकर न सिर्फ उनकी समस्याएं सुनीं। बल्कि उन्हें एक रजिस्टर में नोट भी किया। साथ ही जो समस्या जिस विभाग से जुड़ी थीं, उनके अधिकारियों से बात करना भी तय किया। जिसके बाद समस्या के समाधान का प्रयास भी प्रारंभ कर दिया गया है। इस डोर-टू-डोर कैंपेन में सबसे ज्यादा समस्या साफ-सफाई को लेकर सामने आई। स्थानीय लोगों की शिकायत थी कि उनके इलाके में साफ-सपाई की स्थिति काफी खराब है और लोगों ने गंदगी के ढेर भी दिखाए। स्थानीय लोगों ने स्ट्रीट लाइट की समस्या के बारे में भी खुल कर बात कही। उन लोगों का कहना था कि अनेक स्थानों पर अब भी अंधेरा है। इन स्थानों पर स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की गई। स्थानीय लोगों ने पुरानी स्ट्रीट लाइटों को बदल कर नई स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग भी रखी। जिसपर उन्हें आश्वस्त भी किया गया। भाजपा और जदयू के साथियों ने आपस में विचार-विमर्श किया कि समस्या के समाधान के लिए विभिन्न क्षेत्रों में बूथ स्तर पर कमेटी बनाई जाए। वहीं कमेटी ही अपने-अपने क्षेत्रों में समस्या का समाधान करने का प्रयास करेगी। दोनों पार्टियों के लोगों ने कदमा क्षेत्र के नीम तल्ला पथ, मधुसूदन पथ, बनिया पाड़ा क्षेत्र, उलियान हरि मंदिर लाइन, धोबी लाइन, उलियान मन रोड, उलियान टैंक रोड, नर्मदा पथ, नजरुल पथ, बंधु पथ आदि का भ्रमण कर लोगों की समस्याएं गंभीरता से सुनकर नोट भी किया। मौके पर राकेश सिंह, नीरज सिंह, राजेश सिंह, टीटू दास, भीम सिंह, संजीव आचार्या, राणा प्रताप सिंह, धरन सिंह, केपी सिंह, उमेश ठाकुर, अजीत सिंह, दीपल विस्वास, रंजन भगत, राजन नायक, संजीत सिंह, रविशंकर सिंह, रंजीत आइच, महादेव बसाख, रमेश राय, सुभाष सिंह, संजीत सिंह, संदीप कुमार, विश्वजीत सिंह, रामजतन प्रसाद, अजीम सिंह, लाली दीक्षित, सुनील कुमार, राहुल कुमार, आनंद कुमार, रिंकू सिंह, प्रेम प्रसन्न कुमार, जितेंद्र सिंह, आनंद राव, सुनीस पांडेय, अखिलेश शर्मा, ललन राय, दीपक दुबे, बिजेंद्र कुमार समेत अन्य भी मौजूद थे।

किसी भी सरकारी योजनाओं का लाभ का प्रलोभन के नाम पर मोबाइल ओटीपी शेयर न करें : बरही बीडीओ

बरही, संवाददाता

बरही बीडीओ जयपाल महतो ने प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायतों के ग्रामीण ,सरकारी योजना से लाभ पाने वाले लाभुक एवं आमजनों से पत्र के माध्यम से सूचित करते हुए कहा कि विभिन्न पंचायतों से मईया सम्मान, पेंशन, मातृत्व योजना एवं अन्य योजनाओं के तहत मोबाइल पर ओटीपी मांग कर साइबर ठगी का मामला प्रकाश में आया है। उन्होंने कहा कि प्रखण्ड स्तर से किसी भी प्रकार की योजनाओं यथा मईयाँ सम्मान योजना, पेंशन योजना, मातृत्व योजना एवं अन्य योजना की स्वीकृति अथवा अन्य किसी कार्य के लिए किसी भी प्रखण्ड कर्मी द्वारा मोबाइल ओ०टी०पी० की मांग नहीं की जाती है तथा किसी नये एप्लीकेशन को गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से इंस्टॉल करने के लिए नहीं कहा जाता है। यदि इस प्रकार की कोई सूचना अथवा एप्लीकेशन इंस्टॉल करने के संबंध में बोला जा रहा है तो ये पूर्ण रूप से ठगी का मामला है। किसी भी हाल में उनके झांसा में न आकर इंस्टॉल करें न ओटीपी शेयर करें अन्यथा आप ठगी का शिकार हो सकते हैं जिसकी पूरी जिम्मेदारी आप खुद होगें।

अवैध खनन और शराब पर कड़ा रुख, राजस्व वसूली में तेजी के निर्देश, जनहित में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : उपायुक्त ऋतुराज

कोडरमा, संवाददाता

विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में जिले के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे आमजन के हित में समर्पित भाव से कार्य करें। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने स्तर पर नियमित रूप से जनता दरबार का आयोजन करें। उपायुक्त ने सख्त निर्देश दिया कि सभी पदाधिकारी एवं कर्मी कार्यालय में समय पर उपस्थित रहें तथा अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ करें। उन्होंने कहा कि सरकार के दिशा-निदेशों का अक्षरशः पालन करते हुए योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी विभागों के पदाधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने विभागीय कार्यों में तेजी लाएं। राजस्व संग्रह के संदर्भ में उपायुक्त ने कहा कि विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप शत-प्रतिशत राजस्व की वसूली सुनिश्चित की जाए। जिला खनन पदाधिकारी को निर्देशित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि जिले में अवैध रूप से खनिज के खनन, भंडारण तथा परिवहन पर सख्ती से निगरानी रखी जाए और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। उपायुक्त ने कहा कि सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निष्ठा से निर्वहन करें। सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ योग्य लाभुकों तक पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने योजनाओं के सफल संचालन पर विशेष बल दिया। कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि वन पट्टा प्रदान करने के लिए एफ.आर. एवं सी.एफ.आर. रिपोर्ट यथाशीघ्र उपलब्ध कराएं। राजस्व विभाग से संबंधित निर्देश में उपायुक्त ने कहा कि अंचलवार म्यूटेशन एवं सुओ मोटू म्यूटेशन से संबंधित लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन किया जाए। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने बैठक में कहा कि जिले में अवैध रूप से शराब की बिक्री एवं भंडारण करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। शराब माफियाओं को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे अवैध रूप से नशीले पदार्थों की बिक्री में संलिप्त व्यक्तियों पर कड़ा शिकंजा कसें। इस अवसर पर अपर समाहर्ता पूनम कुजूर, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

अवैध अफीम/पोस्ता एवं गांजा की खेती रोकथाम हेतु पांकी प्रखंड में चलाया गया जागरूकता अभियान

पलामू, संवाददाता

पांकी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम - केकरगढ़ एवं मतनाग में अवैध अफीम/पोस्ता एवं गांजा की खेती के रोकथाम हेतु एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। सोमवार को इस अभियान में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी पांकी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, केकरगढ़ पंचायत के मुखिया एवं वार्ड सदस्य, वन विभाग की टीम, तथा पांकी थाना के पदाधिकारी एवं पुलिस जवान उपस्थित रहे। कार्यक्रम में केकरगढ़ पंचायत के अंतर्गत आने वाले केकरगढ़ एवं मतनाग गांव के महिला एवं पुरुष, युवक एवं युवतियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। अभियान के दौरान ग्रामीणों को अफीम/पोस्ता एवं गांजा की खेती के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही, अवैध खेती में संलिप्त पाए जाने पर मिलने वाले कानूनी दंड के प्रावधानों से भी अवगत कराया गया। ग्रामीणों को यह भी समझाया गया कि वे अफीम, पोस्ता एवं गांजा की खेती छोड़कर वैकल्पिक फसलों जैसे – चावल, गेहूं, चना, सरसों, मसूर, ज्वार, सोयाबीन, मूंगफली, अरंडी, बाजरा एवं कटहल की खेती करें, जिससे उन्हें आर्थिक लाभ के साथ सुरक्षित आजीविका भी मिल सके। कार्यक्रम के अंत में सभी ग्रामीणों को अवैध अफीम/पोस्ता एवं गांजा की खेती नहीं करने की शपथ दिलाई गई। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में नशा उत्पन्न करने वाली फसलों की खेती पर अंकुश लगाना तथा किसानों को वैकल्पिक कृषि के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है।

बरही डीएवी के बच्चों ने लोक सेलिब्रेशन ऑफ फोक एंड ट्रेडीशन कार्यक्रम में लहराया परचम

बरही, संवाददाता

बरही डीएवी के बच्चों ने रांची में लोक 2025 सेलिब्रेशन ऑफ फोक एंड ट्रेडीशन का आयोजन हुआ।यह कार्यक्रम 10 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक रांची के आड्रे हाउस में आयोजित किया गया` जिसमें भारत के 11 राज्य के साथ साथ नेपाल के प्रतिभागी शामिल हुए।इस कार्यक्रम में बरही के डीएवी स्कूल के कला शिक्षक ललन यादव के नेतृत्व में छात्रों ने भी भाग लिया।यह कार्यक्रम फोक ऑटोपीडिया फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित की गई थी जो झारखंड के पर्यटन विभाग और आर्ट और कल्चर विभाग के अंतर्गत कार्य कर रही थी। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के पेंटिंग प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें सोहराय पेंटिंग, जारोपेटिया पेंटिंग, मिथिला पेंटिंग ,भोजपुरी पेंटिंग ,पिछवाई पेंटिंग जैसे भारत के विभिन्न राज्यों में आयोजित होने वाले विभिन्न प्रकार के कलाओं की सुंदर प्रदर्शनी लगाई गई थी। इस कार्यक्रम में डीएवी पब्लिक स्कूल बरही के कला शिक्षक ललन यादव के नेतृत्व में यहां की छात्र-छात्राओं ने सोहराय कला में अपना बेहतर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मिताली,कशिश कुमारी ,दिलकश कायनात, तनु कुमारी ,आरोही, सोनाक्षी ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ आशुतोष कुमार ने कहा कि यह दिन डीएवी पब्लिक स्कूल के लिए बड़े ही गौरव का क्षण है क्योंकि ललन यादव के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने अपनी उम्दा कला का बेहतर प्रदर्शन किया। विद्यालय के कला शिक्षक ललन यादव ने अपनी कला के माध्यम से विद्यालय की छात्र-छात्राओं के बीच कला को एक नया जीवंत रूप प्रदान किया है। बच्चे उनके सिखाए कला के द्वारा अपने मनोभावों को प्रस्तुत करने में सदैव सक्षम हो पाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक अपने शिक्षा से आने वाले दिनों के लिए नौनिहालों का निर्माण करते हैं। जो आगे चलकर अपने और अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने-अपने विभागों में बेहतर प्रदर्शन कर पाने में सक्षम हो पाते हैं। इसीलिए शिक्षक सिर्फ बच्चे का निर्माण नहीं करता बल्कि वह देश का भी निर्माण करता है।

डीजीपी ने चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ दीपावली एवं छठ पर्व को लेकर की बैठक

बोकारो, संवाददाता

झारखंड पुलिस के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और प्रदेश के सभी चैंबर के पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक की। बैठक का उद्देश्य दीपावली और छठ पूजा के दौरान प्रदेश की विधि व्यवस्था, साइबर क्राइम, ट्रैफिक जाम और अन्य समस्याओं पर चर्चा करना था। बैठक में यह सुझाव दिया गया कि चास थाना परिसर को स्थानांतरित किया जाए, क्योंकि वर्तमान में यह चास बाजार में स्थित है, जहां हमेशा भारी ट्रैफिक जाम रहता है। इससे न केवल पुलिस कार्य में बाधा आती है, बल्कि आम जनता को भी परेशानी होती है। वीडियो कॉन्फ्रेंस में एसडीपीओ सदर चास प्रवीण कुमार सिंह, सिटी डीएसपी आलोक रंजन सहित चैंबर अध्यक्ष मनोज चौधरी, महामंत्री राजकुमार जायसवाल, मुकेश अग्रवाल, विनय कुमार सिंह आदि पदाधिकारी शामिल हुए। डीजीपी ने सभी चैंबर के पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान नागरिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही ट्रैफिक जाम कम करने और साइबर अपराध पर निगरानी बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। यह बैठक प्रदेश के सुरक्षित और व्यवस्थित त्योहार समारोह सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

बोकारो में मां-बेटे को 15 महीने तक बंधक बनाकर रखा गया, पुलिस ने कराया मुक्त

बोकारो, संवाददाता

सेक्टर 6 थाना क्षेत्र के क्वार्टर नंबर 2517 में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां मां और बेटे को करीब 15 महीने तक बंधक बनाकर रखा गया था। पुलिस ने सूचना मिलने पर दोनों को मुक्त कराया। यह घटना संतोष कुमार महतो और उनकी मां सीता देवी की है, जो चास के बंसीडीह निवासी हैं। थाना प्रभारी संगीता कुमारी ने बताया कि उन्हें मामले की सूचना टेलीफोन से मिली थी। तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस मौके पर पहुंची और मां-बेटे को बंद कमरे से मुक्त कराया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि संतोष कुमार की पत्नी के साथ कुछ पारिवारिक विवाद चल रहा था, जिसमें कानूनी प्रक्रिया के दौरान अशोक सिंह नामक व्यक्ति से आर्थिक लेनदेन हुआ था। बताया गया कि संतोष कुमार ने वह पैसा खर्च कर दिया था, जिसके बाद अशोक सिंह ने धमकी देकर कहा था कि प्रॉपर्टी बेचकर पैसा लौटाओ। इसी विवाद के चलते अशोक सिंह ने दोनों को क्वार्टर में बंधक बनाकर रखा। संतोष कुमार ने बताया कि उन्हें और उनकी मां को कभी-कभी चावल-दाल या थोड़ा बहुत खाना दिया जाता था। वे कई बार बालकनी से मदद की गुहार लगाते थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी अशोक सिंह सेक्टर 3 के निवासी हैं और हाल ही में किसी अन्य मामले में उन्हें चिराचास थाना क्षेत्र से जेल भेजा गया है। संतोष कुमार उक्ब्ध के मरीज हैं और कभी-कभी उनका व्यवहार असामान्य हो जाता है। फिलहाल पुलिस ने दोनों को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया है। थाना प्रभारी ने कहा कि आवेदन मिलने पर आगे की जांच और कार्रवाई की जाएगी। यह मामला न केवल मानवता को झकझोर देने वाला है बल्कि पुलिस सतर्कता की एक बड़ी परीक्षा भी बन गया है।

देशभर में विस्तार की दिशा में बढ़ा 'अन्नपूर्णा घी'

हजारीबाग। पिछली तीन से अधिक पीढ़ियों से, अन्नपूर्णा घी सिर्फ. रसोई का जरूरी हिस्सा नहीं रहा है, बल्कि यह शुद्धता, पोषण और परंपरा का प्रतीक बना हुआ है। रोजमर्रा के भोजन से लेकर त्योहारों के अवसर तक, इसकी गाढ़ी खुशबू, दानेदार बनावट और असली स्वाद ने समय की कसौटी पर खरा उतरते हुए इसे पूरे भारत में घर-घर का भरोसेमंद नाम बना दिया है। यह विरासत केवल डेयरी उत्पादों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवारों में पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाई जाने वाली परंपरा है, जो अपनी स्थायी गुणवत्ता से पीढ़ियों को जोड़ती है। 70 वर्षों से अधिक की घी बनाने की परंपरा और पूर्वोत्तर भारत के सबसे मजबूत तथा सर्वाधिक बिकने वाले ब्रांड होने के नाते, अन्नपूर्णा समूह को विश्वास है कि यह श्रेणी उनके विकास का प्रमुख आधार बनेगी। कंपनी अब अपने मौजूदा बाजार यानी पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में अपनी पकड़ और मजबूत करने के साथ-साथ रणनीतिक रूप से उत्तर भारत में कदम रख रही है और धीरे-धीरे पूरे भारत में विस्तार की दिशा में अग्रसर है।इस विस्तार यात्रा के तहत, अन्नपूर्णा ने उत्तर भारत के बाजार में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने शहनाज गिल जो देश की सबसे लोकप्रिय हस्तियों में से एक हैं, को अन्नपूर्णा काऊ घी का ब्रांड एंबेसडर बनाया है। इसे सुपरफूड के रूप में प्रस्तुत करते हुए, ब्रांड ने शुद्धता और विश्वास का अपना वादा उस क्षेत्र में और सुदृढ़ किया है, जहाँ भोजन, संस्कृति और परंपरा का विशेष महत्व है।

धनबाद पुलिस ने प्रिंस खान के 12 गुर्गों को किया गिरफतार — व्यापारियों को डरने की जरूरत नहीं पुलिस सुरक्षा देने में सक्षम : एसएसपी

धनबाद, संवाददाता

धनबाद। पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली। एसएसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस की विशेष टीम ने प्रिन्स खान गिरोह के 12 अपराधकर्मियों को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गिरफ्तार किया है। इस सन्दर्भ में प्रेस वार्ता के दौरान एसएसपी ने मीडिया को बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि प्रिन्स गिरोह के कुछ अपराधकर्मी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के फिराक में है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस की विशेष टीम ने विभिन्न थाना क्षेत्रों मे छापेमारी करते हुए गिरोह के कुल 12 सदस्यों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों मे 4 शूटर, 1 साजिशकर्ता, 3 वित्तीय प्रबंधक, 4 साइबर संचालक समेत कुल 12 अपराधकर्मियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों का सम्बन्ध जमशेदपुर के भानु मांझी गिरोह से भी है। फिलहाल पुलिस की टीम भानु मांझी के साथ गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी में जुटी है।एसएसपी ने व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी सूरत में डरने की जरूरत नही है। पुलिस उन्हें सुरक्षा देने मे सक्षम है। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि अगर कोई भी कारोबारी किसी भी तरीके से इन अपराधियों को आर्थिक लाभ देंगे तो फिर वैसे कारोबारियों के विरुद्ध भी देशद्रोह की सुसंगत धाराओं के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एस एस पी ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि उन्हें अपराध या अपराधियों से सावधान रहने की जरूरत है। पैसों के लालच में अगर कोई भी युवा अपराध के तरफ कदम बढ़ाएगा तो फिर पुलिस और कानून उसके खिलाफ सख्ती से पेश आएगा।

धनबाद जिले में भगौड़ा अपराधी प्रिंस खान एवं उसके गुर्गे सैफी उर्फ मेजर के द्वारा व्यवसायियों को लगातार फोन कर धमकी दिया जा रहा था। इन संगठित अपराधिक गिरोहों के आर्थिक श्रोतो का पता लगाने, शूटरों एवं समर्थकों के नेटवर्क का समापन करने, हथियार खरीद-बिक्री चैनलों को ध्वस्त करने के लिए धनबाद पुलिस निरंतर एवं नियमित रुप से अभियान चला रही है एवं इस क्रम में अपेक्षित सफलता भी मिली है। इसी क्रम में - 12-13/10/25 की रात्रि को धनबाद पुलिस को यह सूचना मिली कि उक्त गिरोह के सदस्य पुनः घटना कारित करने के लिये हरवे हथियार के साथ धनबाद आये हुए है, पुलिस द्वारा तत्काल कार्रवाई कर इन अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी की गई तथा इस संबंध में राजगंज थाना कांड सं0-87/25 दि-13.10.25 धारा-111(4) /317(5) /61(2) बी.एन.एस. एवं 25(1-बी) ए/26(2)/35 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि दिनांक-09.09.25 को भी राजगंज थाना क्षेत्र के राजगंज स्थित एक पेट्रोल पम्प पर उक्त गिरोह के सदस्यों के द्वारा फायरिंग की घटना कारित की गई थी, जिस संबंध में राजगंज थाना कांड सं0-82/25 दि0-10.09.25 दर्ज किया गया था। पूछताछ के क्रम में अपराधकर्मियों द्वारा राजगंज स्थित पेट्रोल पम्प में फायरिंग करने की घटना में भी अपनी संलिपत्ता स्वीकार की गई तथा घटना में प्रयुक्त किया गया हथियार भी बरामद करवाया गया है। धनबाद पुलिस की टीम ने आज इस क्रम में कुल 12 (बारह) अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी की है, जिनमें इनके शुटर, समर्थक एवं वित्तीय प्रबंधन करने वाले अपराधी शामिल है। कांड में गिरफ्तार किये गये अपराधकर्मियों के अपराध स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर बैंकमोड़ थाना क्षेत्र से गिरोह के सदस्यों द्वारा छुपाकर रखा गया हथियार, बम एवं अन्य विष्फोटक सामग्री भी बरामद किया गया है।

कॅरियर में मददगार होंगे यह पॉइंट्स

आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर है, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते है। मान लीजिये कि आप दसवी मे है, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते है और जान सकते है कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा ?

यह एक जांचा परखा तथ्य है कि अगर किसी व्यक्ति ने अपने कॅरियर के शुरुआती दौर में ही सही फैसले लेकर उचित कॅरियर का चुनाव कर लिया, तो उसकी आगे की राह काफी आसान हो जाती है। कहते हैं दुनिया में हर व्यक्ति सफर करता है, किंतु मंजिल पर पहुंचते बहुत कम लोग हैं। आप कह सकते हैं कि सही मंजिल पर कैसे पहुंचा जाए, तो इसमें यही बात समझने योग्य है कि सही मंजिल पर पहुंचने के लिए मंजिल का चुनाव, उसकी पहचान जरूरी है।

कॅरियर रुपी मंजिल का चुनाव कैसे करें ?

क्या आप दसवी में हैं ? या फिर आप 12वीं में अथवा ग्रेजुएशन कर चुके हैं ? आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर है, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवी में है, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा ? खासकर दसवी के बाद आपको साइंस या आर्ट्स में से कोई एक स्ट्रीम चुननी होती है। इसी तरह से अगर आप 12वीं में हैं तो आप साइंस में भी मैथ्स या बायो लेकर चलना होता है अथवा आर्ट्स या कॉमर्स स्ट्रीम को लेकर पढ़ाई करना होता है। वस्तुत: यहां से कॅरियर एक दिशा ले लेता है कि आप किसी प्रोफेशनल कोर्स में जाना चाहते हैं या फिर एनडीए अथवा दूसरे कोर्स की तैयारी करना चाहते हैं। ग्रेजुएशन में तो आपकी समझ पूरी तरह से खुल चुकी होती है और आपको पूरी तरह से पता होता कि हकीकत में करना क्या है। बस कई लक्ष्यों के बीच में खुद को कंफ्यूज ना करें, क्योंकि कन्फ्यूजन आपको आपकी मंजिल से दूर कर देगा। ध्यान रखना चाहिए कि भेड़ चाल से बचना कैसे है और अपने लक्ष्य को पूरी तरह से अपने मन मस्तिष्क के अनुसार चुनना चाहिए। जब आप मंजिल को ठीक से पहचान लेते हैं तब आपका काम काफी आसान हो जाता है।

जुट जाएँ मंजिल तक पहुंचने में

जब एक बार मंजिल की पहचान हो जाती है, फिर आप तब तक ना रुकें, जब तक मंजिल पर पहुंच ना जाएं। ध्यान रखें, डोंक्टर अब्दुल कलाम कहते हैं कि बैठे रहने वालों को वही मिलता है जो कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। अगर अपनी मंजिल को आपने पहचान लिया है तो आपको तेजी से और मजबूत कदमों से उस ओर बढ़ने की आवश्यकता होती है। इसके लिए न केवल ट्रेडिशनल कोर्सेज करें, बल्कि ऑनलाइन की दुनिया से अपने आपको लगातार अपडेट करें। केवल इतना ही पर्याप्त नहीं है कि आपने किसी यूनिवर्सिटी के डिग्री कोर्स में प्रवेश ले लिया है, बल्कि अपनी स्किल को निखारने के लिए आपको ऑनलाइन एजुकेशन, कोर्सेज के माध्यम से तमाम स्किल विकसित करनी होगी। इसके लिए कई फ्री तो कई पेड कोर्सेज उपलब्ध है, जिसे आप अपनी रुचि के अनुसार चुन सकते हैं। सबसे इंपोर्टेंट है खुद को लगातार अपग्रेड करना चाहिए। हालांकि रेगुलर पढ़ाई की महत्ता से इनकार नहीं किया जा सकता और इसके लिए आपको बेहतर से बेहतर संस्थान का चुनाव करना चाहिए और उसके प्लेसमेंट रिकॉर्ड को भी अपनी नजर में रखना चाहिए।

इनोवेशन को अहमियत दें

जापान के बारे में हम आप बचपन से सुनते आए हैं कि वहां बच्चे पढ़ाई के दिनों से ही प्रायोगिक चीजों में रूचि लेने लगते हैं और दसवीं तक आते आते तो घड़ी, दूसरी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस इत्यादि विकसित करने लगते हैं। भारत में अभी इस तरह का माहौल पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ है, किंतु एक सच यह भी है कि भारत में ही कई सारे छोटे बच्चे कोडिंग के माध्यम से तमाम प्रोग्राम लिखते है, तो कई अपनी क्रिएटिव थॉट से वीडियो एडिटिंग, फोटोग्राफी, राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। ऐसे कई यूट्यूब चैनल आप देखते ही होंगे, जिसमें छोटे-छोटे बच्चों ने कितना कमाल किया है। तो आप भी अपने स्तर पर कुछ इनोवेटिव कर सकते हैं। इसकी अपोर्चुनिटी ढूंढें और हां इसका इंतजार ना करें कि अब अमुक पढ़ाई करने के बाद आपको नौकरी मिलेगी तो आप अपने कॅरियर को सेट करेंगे। इसकी बजाय पढ़ाई के कोर्सेज के दौरान ही आप खुद को स्टेबल करने की कोशिश करें। आप एक एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट के साथ काम करेंगे, तो भविष्य में आपके लिए यह काफी अच्छा रहेगा। आप जॉब करें या फिर अपना बिजनेस करें, एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट से आप खुद को सफल इंसान बनाने की दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं।

भटकाव से बचें

आज के समय में तमाम एक्सपर्ट और रिसर्च इस बात के प्रति जागरूक करते हैं कि ऑनलाइन दुनिया में आपका समय बहुत खराब होता है। छोटे-छोटे बच्चे यूट्यूब और दूसरी ऑनलाइन साइट्स पर, गेम्स पर अपने जीवन का कीमती समय नष्ट करते हैं। यह धीरे-धीरे उनकी आदत बन जाती है और जो इंटरनेट अच्छी जानकारियों का स्रोत हो सकता है, उसे वह समय नुकसान करने का माध्यम बना लेते हैं। ना केवल बच्चे, बल्कि युवा भी इस पर अपना अच्छा खासा समय बर्बाद करते हैं, तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज के समय में समय बर्बाद करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन भी इंटरनेट ही बन गया है। इसके लिए आप अतिरिक्त सावधानी बरतेंगे तो आपका कॅरियर सही दिशा में अवश्य ही आगे बढ़ेगा। पहले समय पास करने का काम नालायक दोस्त किया करते थे, लेकिन कइयों की लाइफ में अब यह स्थान इंटरनेट ने ले लिया है। हालांकि, कई लोग इंटरनेट को 'सच्चा दोस्त' बनाकर अपनी जिन्दगी में बड़े बड़े मुकाम इसी की सहायता से प्राप्त कर रहे हैं, इसीलिए इस के सकारात्मक पक्ष पर फोकस करें और भटकाव से बचने के लिए इंटरनेट पर पर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

रिव्यू और इम्प्रूवमेंट करना जरूरी है

अपनी यात्रा और अपनी अब तक की जिंदगी का रिव्यू अवश्य करें। अब तक आपने क्या किया है। अब तक कौन से अच्छे कार्य किए हैं, कौन सी छोटी गलतियां की हैं, तो कौन सी बड़ी मिस्टेक्स की हैं, इसका विचार करें। जितना अधिक आप खुद की एनालिसिस करेंगे, सार्थक दिशा में बढ़ने की संभावना भी उतनी ही अधिक बढ़ेगी। सच कहा जाए तो रिव्यू करना किसी परीक्षा की तरह होता है, जो एक परीक्षार्थी को बतलाता है कि उसका जीवन किस रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। जैसे आज की दुनिया में किसी प्रोडक्ट का रिव्यू किया जाता है, वैसे ही खुद का रिव्यू करने से ना चूकिए। कॅरियर चुज करने में, प्रोफेशनल लाइफ में, पर्सनल लाइफ में, सोशल रिलेशंस में, फैमिली रिलेशंस में आप किस ढंग से चलते हैं, इस पर सार्थक मन से अवश्य विचार करें और जो भी आपकी उलझन होती है उन उलझनों को खुद सुलझाने की कोशिश करें। अगर किसी मोड़ पर आपको लगता है कि कॅरियर चुनने में कोई गलती हुई है तो रिव्यू से वह पकड़ में आ जाएगी। पुराने गलत निर्णय को झेलने की बजाय, ठोस आधार होने पर, अपने निर्णय में समय रहते तब्दीली लाई जा सकती है।

ब्लॉकचेन डेवलपर कैसे बनें, जानिये इसके प्रकार भूमिकाएं और कौशल

ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है।

ब्लॉकचेन क्या होता है ?

ब्लॉकचेन एक विकेन्द्रीकृत डिजिटल लेजर होता है जो दुनिया भर के हजारों कंप्यूटरों पर लेनदेन को सेव करता है। ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है। ब्लॉकचेन के परिणामस्वरूप हजारों नई नौकरी की स्थिति और मोबाइल भुगतान समाधान से लेकर स्वास्थ्य देखभाल अनुप्रयोगों तक के नए स्टार्टअप का विकास हुआ है। वास्तव में ब्लॉकचेन आईटी दुनिया के वर्तमान परिदृश्य में शीर्ष उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन में से एक है। ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का वैश्विक बाजार वर्ष 2025 तक लगभग 20 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। सैमसंग, आईबीएम, कैपजेमिनी जैसे विभिन्न आईटी जायंट हैं जो ब्लॉकचेन पेशेवरों के लिए शानदार कैरियर के अवसर प्रदान कर रही हैं और आप एक सार्थक और सफल कॅरियर बनाने के लिए ब्लॉकचेन डेवलपर बनने पर विचार कर सकते हैं।

ब्लॉकचेन डेवलपर कौन होता है ?

ब्लॉकचेन डेवलपर्स वे तकनीकी पेशेवर होते हैं जो ब्लॉकचेन तकनीक पर काम करते हैं और संबंधित कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं, जैसे कि ब्लॉकचेन प्रोटोकॉल को डिजाइन करना, स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट बनाना आदि। एक ब्लॉकचेन डेवलपर के पास ब्लॉकचेन के साथ-साथ ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर और प्रोटोकॉल के आधार पर स्मार्ट अनुबंधों को विकसित और अनुकूलित करने के लिए ज्ञान और कौशल का एक सेट होता है। वे 3डी मॉडलिंग, 3डी डिजाइन, 3डी सामग्री विकास को भी डील करते हैं जैसे कि गेम डेवलपमेंट में होता है। ब्लॉकचेन डेवलपर्स को मुख्य रूप से दो प्रकारों में बांटा जा सकता है - ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर और कोर ब्लॉकचेन डेवलपर।

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स कोर डेवलपर द्वारा योजना के अनुसार डिजाइन का विकास और कार्यान्वयन करते हैं, जैसे -

- वे डीएपी विकसित करते हैं।
- वे कोर डेवलपर्स द्वारा डिजाइन के अनुसार स्मार्ट अनुबंध लागू करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि डीएपी योजना के अनुसार चले।
- अन्य सेवाओं और ऐप्स के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण पर रिसर्च और देखभाल।

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स आर्किटेक्चर के विकास और अनुकूलन के लिए जिम्मेदार होते हैं। डेवलपर ब्लॉकचेन समाधान का समर्थन करने वाले प्रोटोकॉल को डिजाइन, विकसित और अनुकूलित करता है। एक अच्छा उदाहरण कर्संसस प्रोटोकॉल है जो परिभाषित करता है कि ब्लॉकचेन और संसाधनों का उपयोग करने वाले सदस्य कैसे इन संसाधनों को साझा करने और उपयोग करने पर सहमत होते हैं।

- कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स ब्लॉकचेन की कार्यक्षमता और विशेषताओं को लागू करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि वे इच्छित कार्य करें।
- वे नेटवर्क की सुरक्षा को डिजाइन और कार्यान्वित करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि नेटवर्क चालू है।
- वे अन्य सेवाओं के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण की योजना, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं।
- वे एक ब्लॉकचेन नेटवर्क की सुविधाओं और कार्यक्षमता का विस्तार करने की योजना बनाते हैं।

आवश्यक तकनीकी कौशल

सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपके पास कंप्यूटर साइंस / इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी क्षेत्र में एकेडेमिक बैकग्राउंड चाहिए। आप किसी विशेष स्ट्रीम में स्नातक या मास्टर डिग्री हासिल करने का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि ब्लॉकचेन डेवलपर बनने के लिए किसी विशिष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि का होना अनिवार्य नहीं है, लेकिन यह आपको बुनियादी बातों को समझने में मदद करेगा और ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी को प्रभावी ढंग से सीखने के लिए आपकी फाउंडेशन रखेगा। डिग्री प्रोग्राम्स के अलावा आप विशेष तकनीक में अधिक अनुभव प्राप्त करने के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैं। ब्लॉकचेन प्रोफेशनल बनने का कॅरियर इतना आसान नहीं होता है, इसके लिए आपको बहुत डेडिकेशन, कड़ी मेहनत और कंसिस्टेंसी की आवश्यकता होती है। लेकिन आज ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के तेजी से विकास को देखते हुए ब्लॉकचेन डेवलपर्स के कॅरियर का दायरा बहुत ही शानदार और उज्ज्वल होता जा रहा है।

प्रमुख स्किल्स

ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर को समझना

यह समझना सुनिश्चित करें कि ब्लॉकचेन क्या है, जैसे कि उन्नत ब्लॉकचेन सुरक्षा, ब्लॉकचेन एप्लिकेशन, ब्लॉकचेन एकीकरण और ब्लॉकचेन के फायदे और सीमाएं और साथ ही इनकी चुनौतियां। ब्लॉकचेन डेवलपर्स को ब्लॉकचेन सर्वसम्मति, हैश फंक्शन और वितरित लेजर तकनीक को समझने की आवश्यकता होती है। व्हाइट पेपर ब्लॉकचेन की वास्तुकला और कार्यप्रणाली को परिभाषित करता है। उन्हें विभिन्न ब्लॉकचेन और उनके कामकाज को समझने की जरूरत होती है जिनमें एथेरियम, बिटकॉइन, नियो और हाइपरलेगर सबसे महत्वपूर्ण हैं।

डेटा स्ट्रक्चर और डेटाबेस

एक डेवलपर को ब्लॉकचेन नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार उचित रूप से कॉन्फिगर करना चाहिए और इसलिए टारगेट नेटवर्क के लिए विभिन्न और इस प्रकार सर्वश्रेष्ठ डेटाबेस और डेटा संरचनाओं को समझना चाहिए।

स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट

एक डेवलपर को स्मार्ट अनुबंधों के प्रकार और उन्हें विकसित करने के तरीके को समझना चाहिए।

विकेंद्रीकरण को समझना

जैसा कि ब्लॉकचेन और विकेंद्रीकृत अनुप्रयोगों में लागू होता है। इन डीएपी को विभिन्न प्रोटोकॉल और प्रक्रियाओं का उपयोग करके विभिन्न ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म पर बनाया जा सकता है।

क्रिप्टोग्राफी को समझना

क्रिप्टोग्राफी और डिजिटल लेजर ब्लॉकचेन के कामकाज का आधार होते हैं। डेवलपर को यह समझना चाहिए कि क्रिप्टोग्राफी क्या होती है, क्रिप्टोग्राफी में लागू होने वाले एल्गोरिदम और कौन से एल्गोरिदम किस प्रकार के ब्लॉकचेन नेटवर्क के लिए सबसे अच्छा काम करते हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि ये एल्गोरिदम कैसे विकसित किए जाते हैं।

क्रिप्टोनॉमिक्स को समझना

यह समझना जरूरी है कि क्रिप्टोकरेंसी में ब्लॉकचेन पर कैसे कोडित किया जाता है। ब्लॉकचेन डेवलपर प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम गेम थ्योरी, मॉडलिंग क्रिप्टोनॉमिक्स के लिए गणितीय ढांचे और मॉडलिंग में शामिल मुश्किलों को सिखा सकते हैं। उन्हें यह भी समझना चाहिए कि क्रिप्टोनॉमिक्स और संबंधित मौद्रिक नीतियों को प्रभावित करने वाले फैक्टर्स कौन कौन से हैं।

कंप्यूटर कोडिंग

कंप्यूटर प्रोग्रामिंग किसी भी उन्नत और प्रभावी विकेन्द्रीकृत ऐप या डीएपी के विकास के लिए आवश्यक होता है, हालांकि कुछ मामलों में आप इस कौशल के बिना शुरुआती डीएपी विकसित करने में सक्षम हो सकते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपर्स प्रोग्रामिंग लैंग्वेज या कोडिंग सीखकर इसे शुरू करते हैं और फिर ब्लॉकचेन विकास में विशेषज्ञता के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपमेंट के लिए मेनस्ट्रीम की प्रोग्रामिंग या कोडिंग भाषाओं की आवश्यकता होती है, लेकिन कुछ ब्लॉकचेन जैसे एरेम को एक विशिष्ट कोडिंग भाषा में ज्ञान की आवश्यकता होती है जिस पर वे कुछ भी डेवेलप करने के लिए आधारित होते हैं।

कैसे बनें वॉयस ओवरआर्टिस्ट

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है।

क्या आपकी आवाज मधुर और प्रभावशाली है ? क्या आपको अपनी आवाज से प्यार है ? यदि हाँ, तो आप नि:सन्देह वॉयस-ओवर फील्ड में अपना कॅरियर आजमा सकते हैं और वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट होकर कुछ बड़ा पैसा कमाने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। तो आइये इसके बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करते हैं।

वॉयस-ओवर क्या है ?

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है। वॉयस-ओवर प्राय: किसी मौजूदा संवाद के अलावा जोड़ा जाता है। यह पेशेवर ऑडियो के एक भाग के रूप में आवाज प्रदान करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। यह गेमिंग, वीडियो, कार्टून, विज्ञापनों आदि के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तकनीकी रूप से कहा जाए तो वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट की मुख्य जिम्मेदारी लिखित शब्द को ऑडियो या वॉइस में बदलना है। इसके लिए बोलने और संवाद की कला प्रमुख है।

वॉयस-ओवर आर्टिस्ट कौन होते हैं ?

हम पूरे दिन आवाजें सुनते हैं, चाहे वह मेट्रो रेल घोषणाएं हो, विज्ञापन अभियान हो या रेडियो सुन रहे हो या फिर फोन पर हेल्पलाइन पर कॉल करते समय हो। लेकिन क्या आपने नोटिस किया है कि ये शांत और सुरीली आवाज किसकी है ? ये वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड फिल्मों, वृत्तचित्रों और टेलीविजन शो के लिए आवाज प्रदान करते हैं और टेलीविजन और रेडियो विज्ञापनों में वॉयस-ओवर करते हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड पात्रों के लिए आवाजें प्रदान करते हैं, जिनमें फीचर फिल्में, टेलीविजन कार्यक्रम, एनिमेटेड लघु फिल्में और वीडियो गेम शामिल हैं। ये ऐसे लोग हैं जो अपने दैनिक जीवन में एक बदलाव लाने के लिए अपनी मेहनत और प्रयास इन आवाजों को दर्ज करने के लिए करते हैं। जिस डिजिटल समय में हम रहते हैं, उसमें वॉयस-ओवर कलाकारों का महत्व और प्रभुत्व बढ़ रहा है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि आजकल वॉइस-ओवर-कलाकार के रूप में कॅरियर को युवाओं के लिए एक शानदार विकल्प माना जाता है। सामान्यतया, वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए अच्छी आवाज ही एकमात्र पात्रता मानदंड होता है। हालांकि, यह बहुत आसान लग सकता है, लेकिन जब यह वास्तव में एक वीडियो या एक चरित्र के लिए वॉइस-ओवर करने की बात आती है, तो कई चीजें हैं जो सामने आती हैं। लेकिन, मुख्य रूप से एक अच्छी आवाज और विभिन्न प्रकार के वॉयस मॉड्यूलेशन पर नियंत्रण वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए प्राथमिक आवश्यकताएं होती हैं। साथ ही साथ आपको भाषा और व्याकरण का अच्छा ज्ञान होना चाहिए और उच्चारण पर उचित नियंत्रण। इसके लिए आप कुछ अभिनय पाठ्यक्रम का चुनाव कर सकते हैं, जहाँ से आपको एक अभिनय की डिग्री प्राप्त हो सके, क्योंकि वॉइस-ओवर काम का एक बड़ा हिस्सा अनिवार्य रूप से अभिनय कार्य ही है।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट बनने के लिए टॉप कॉलेज और पाठ्यक्रम

नए जमाने के कॅरियर विकल्प के रूप में, जो अब भी धीरे-धीरे बढ़ रहा है, कोई स्थापित कॉलेज तो नहीं हैं जो वॉइस-ओवर-कलाकारों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में कई निजी संस्थानों ने वॉइस-कोचिंग पाठ्यक्रम पेश करना शुरू कर दिया है, जो छात्रों को मूल बातें सीखने में मदद करते हैं। उनमें से कुछ हैं:

- इंडियन वॉयस ओवर, मुंबई
- फिलमिट अकादमी, मुंबई
- वॉयस बाजार, मुंबई

इसके अलावा, कई स्थापित वॉयस-ओवर-कलाकारों ने भी इसके लिए अपने स्वयं के ट्रेनिंग क्लासेज शुरू किए हैं। आप गूगल सर्च के द्वारा अपने इलाके में ऐसे संस्थानों की पहचान कर सकते हैं।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट के लिए सबसे लोकप्रिय कॅरियर

विकास क्षमता और विभिन्न पहलुओं को देखते हुए, आजकल हम देख रहे हैं कि मनोरंजन, विज्ञापन, कॉर्पोरेट, ई-लर्निंग, एनीमेशन, प्रशिक्षण, विपणन, शिक्षा, रेडियो और अन्य कार्यक्षेत्रों में आत्मविश्वास से भरी और समृद्ध आवाजों के साथ वॉयस-ओवर कलाकारों की मांग बढ़ रही है। इसके अलावा, उन्नत प्रौद्योगिकी ने वीडियोगेम, ऐप, जीपीएस, टेक्स्ट टू स्पीच, इंटरनेट जैसे कई क्षेत्रों में इनकी मांग को और अधिक बढ़ा दिया है। अपेक्षाकृत अज्ञात कॅरियर विकल्प होने के बावजूद, वॉयस-ओवर-कलाकारों को दी जाने वाली भूमिकाएं और जिम्मेदारियां भिन्न भिन्न हैं। यह वीडियो के लिए बुनियादी वॉइस-ओवर गतिविधियों से शुरू होता है या रेडियो जिंगल्स के लिए आपकी आवाज की पेशकश करता है। एक बार सफल और स्थापित होने के बाद आप फिल्मों और टीवी शो या कार्टून शो के लिए डबिंग जैसे उच्च मूल्य वाले प्रोजेक्ट भी ले सकते हैं। एक पेशेवर कॅरियर विकल्प होने के नाते वॉयस-ओवर कलाकार बाजार में एक सम्मानजनक पारिश्रमिक प्राप्त करते हैं। अपेक्षाकृत नया डोमेन और एक छोटा उद्योग होने के नाते, गुणवत्ता वाले वॉयस-ओवर-कलाकारों की मांग बहुत अच्छी है और इसलिए भुगतान भी काफी अच्छा है।

न्यूज ब्रीफ

राहुल गांधी चंडीगढ़ में आईपीएस वाई पूरन कुमार के परिवार से मिले

चंडीगढ़ (एजेंसी) : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को चंडीगढ़ पहुंचे और आत्महत्या करने वाले हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के परिजनों से मिले। पत्नी अमनीत पी कुमार व उनकी बेटियों के साथ मुलाकात के दौरान राहुल गांधी ने हरियाणा सरकार को इस मामले में कड़ी कार्रवाई करने का संदेश दिया। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी एडीजीपी वाई पूरन कुमार ने बीते 7 अक्टूबर को खुदकुशी कर ली। उनके पास से मिले सुसाइड नोट में हरियाणा सरकार के वरिष्ठ आईपीएस और पीसीएस अधिकारियों के नाम थे। इन सभी पर पूरन कुमार ने उत्पीड़न और उनके करियर को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगाए थे। आईपीएस वाई पूरन कुमार ने अपने सुसाइड नोट में डीजीपी शत्रुजीत कपूर का नाम लिखा था, जिसके बाद बीती रात उन्हें छुट्टी पर भेज दिया गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को चंडीगढ़ पहुंचे और वाई पूरन कुमार की आईएएस पत्नी अमनीत पी कुमार व उनकी बेटियों से मुलाकात की। उनके साथ हरियाणा के नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, सांसद कुमारी सैलजा, वरुण चौधरी, दीपेंद्र सिंह हुड्डा समेत कई नेता मौजूद थे।

हमारे आंतरिक मामलों में दखल ना दे अफगानिस्तान: पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी) : पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के तालिबान शासन से अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर के मामलों पर टिप्पणी करने से बचने का अनुरोध करते हुए साफ किया है कि उसे अपने आंतरिक मामलों में बाहरी सलाह की आवश्यकता नहीं है। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने एक बयान में यह बात कही। हमने तालिबान शासन के एक प्रवक्ता द्वारा पाकिस्तान के आंतरिक मामलों के बारे में हाल में दिए गए बयानों पर ध्यान दिया है। बयान में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय राजनयिक मानदंडों के अनुसार अन्य देशों के मामलों में हस्तक्षेप न करने के सिद्धांत का पालन किया जाना चाहिए।

संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक 30 से जबलपुर में

नई दिल्ली (एजेंसी) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक इस वर्ष संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर मध्य प्रदेश के जबलपुर में आयोजित की गयी है। यह बैठक दीपावली के बाद 30-31 अक्टूबर तथा 1 नवम्बर (युगाब्द 5127, विक्रमी संवत 2082, कार्तिक शुक्ल अष्टमी, नवमी एवं दशमी) को संपन्न होगी। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सभी सह सरकार्यवाह, अखिल भारतीय कार्य विभाग प्रमुख और कार्यकारिणी सदस्य शामिल होंगे।

बीजापुर में नक्सलियों के विस्फोटक बनाने का सामान और 5 आईईडी बरामद

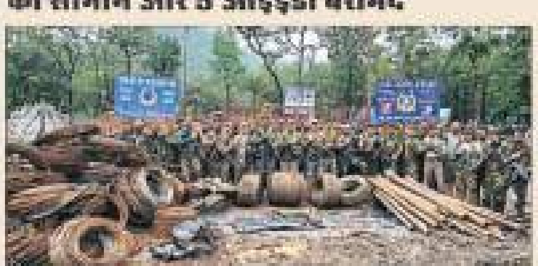

बीजापुर (एजेंसी) : छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों के जवानों ने मंगलवार को नक्सलियों के छिपाकर रखी गई बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है। इतना ही नहीं सर्चिंग के दौरान नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए लगाए गए 5 प्रेशर आईईडी भी बरामद किए गए। बीजापुर के एसपी जितेंद्र यादव ने इसकी पुष्टि की है। एसपी ने बताया कि सुरक्षाबलों की सतर्कता और सूझ-बूझ से नक्सलियों की एक बड़ी साजिश को समय रहते विफल कर दिया। बरामद सामग्री से साफ जाहिर होता है कि नक्सली सुरक्षाबलों को गंभीर क्षति पहुंचाने की योजना बना रहे थे। हालांकि, सुरक्षाबलों की त्वरित कार्रवाई ने उनके नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया। अभी इलाके में लगातार सख्त सर्चिंग की कार्रवाई जारी है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई ताड़पाला बेस कैम्प से कोबरा 206, केरिपु 229, 153 एवं 196 की संयुक्त टीम द्वारा अभियान के दौरान नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखी गई। विस्फोटक सामग्री और बीजीएल बनाने की सामग्री बरामद की गई।

संयुक्त राष्ट्र में सैन्य योगदान देने वाले 32 देशों के वरिष्ठ अधिकारियों के सम्मेलन में राजनाथ सिंह बोले

कुछ देश अंतरराष्ट्रीय नियमों का कर रहे उल्लंघन

▸ रक्षा मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय नियम आधारित व्यवस्था बनाए रखने में भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया

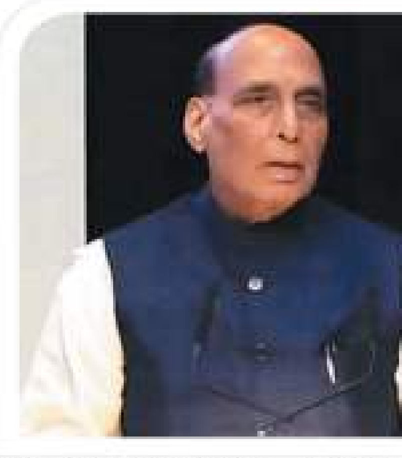

एजेंसी

नई दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदानकर्ता देशों (यूएनटीसीसी) के प्रमुखों के सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय नियम आधारित व्यवस्था को बनाए रखने में भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि कुछ देश अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करके उन्हें कमजोर कर रहे हैं। कुछ देश अपने नियम बनाकर अगली सदी पर हावी होना चाहते हैं। अपनी स्वतंत्रता के आरंभ से ही भारत अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के अपने मिशन में संयुक्त राष्ट्र के साथ दृढ़ता से खड़ा रहा है। संयुक्त राष्ट्र में सैन्य योगदान देने वाले 32 देशों के वरिष्ठ अधिकारियों का सम्मेलन नई दिल्ली के मानेकशा सेंटर में शुरू हुआ है, जो 16 अक्टूबर तक चलेगा। पहली बार भारतीय सेना की मेजबानी में हो रहे इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सैनिक भेजने वाले देशों के प्रतिनिधिमंडल हिस्सा लेने आये हैं। इनमें अल्जीरिया, आर्मेनिया, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भूटान, ब्राजील, बुरुंडी, कंबोडिया, मिस्र, इथियोपिया, फिजी, फ्रांस, घाना, इटली, कजाखिस्तान, केन्या, किर्गिस्तान, मेडागास्कर, मलेशिया, मंगोलिया, मोरक्को, नेपाल, नाइजीरिया, पोलैंड, रवांडा, श्रीलंका, सेनेगल, तंजानिया, थाईलैंड, युगांडा, उरुग्वे और वियतनाम के प्रमुख भागीदारी कर रहे हैं।

राजनाथ सिंह के संबोधन की 3 अहम बातें

- दशकों से, लगभग 2,90,000 भारतीय जवानों ने 50 से ज्यादा संयुक्त राष्ट्र (यूएन) शांति अभियानों में सेवा दी है और अपनी साहस और करुणा के लिए वैश्विक सम्मान हासिल किया है।
- कांगो और कोरिया से लेकर दक्षिण सूडान और लेबनान तक, हमारे सैनिक, पुलिस और मेडिकल पेशेवर, कमजोर लोगों की रक्षा और समाज के पुनर्निर्माण के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं।
- इस कड़ी में भारत के जवान बलिदान देने से भी पीछे नहीं रहे। देश के 180 से अधिक जवानों ने संयुक्त राष्ट्र के बैनर तले अपने प्राणों की आहुति दी है। हमारा योगदान बलिदान के बिना नहीं रहा है।

मंगोलिया को ऑयल रिफाइनरी प्रोजेक्ट के लिए 1.7 अरब डॉलर की ऋण सहायता देगा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना के बीच मंगलवार को यहां के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता हुई। भारत मंगोलिया को तेल रिफाइनरी परियोजना के लिए 1.7 अरब डॉलर का ऋण देगा। यह भारत की विश्व में सबसे बड़ी विकास सहयोग परियोजना है। दोनों नेताओं ने वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत अब मंगोलिया के नागरिकों को निःशुल्क ई-वीजा सुविधा देगा। इसके अलावा हर वर्ष मंगोलिया के युवा सांस्कृतिक राजदूत बन प्रायोजित यात्रा पर भारत यात्रा करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य में सांस्कृतिक एकजुटता और बौद्ध विरासत का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सदियों से दोनों देश बौद्ध धर्म के सूत्र में बंधे हैं, जिसकी वजह से हमें आध्यात्मिक बंधु भी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय ने मंगोलिया में बौद्ध धर्म के लिए अहम भूमिका निभाई है। दोनों नेताओं ने तय किया कि नालंदा और 'गंदन मनिस्टेरी' को साथ जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि हम 'गंदन मनिस्टेरी' में एक संस्कृत शिक्षक भी भेजेंगे, ताकि वहां के बौद्ध ग्रंथों का गहराई से अध्ययन किया जा सके और प्राचीन ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाया जा सके। हमारा रक्षा और सुरक्षा सहयोग भी लगातार मजबूत हो रहा है। प्रधानमंत्री ने हर्ष व्यक्त किया कि अगले वर्ष भगवान बुद्ध के दो महान शिष्यों– सारिपुत्र और मौद्गल्या-यन के पवित्र अवशेष को भारत से मंगोलिया भेजा जाएगा। मंगोलिया के राष्ट्रपति उखना ने आज सुबह राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति उखना ने राष्ट्रपति की मां के सम्मान में हैदराबाद हाउस में संयुक्त रूप से एक पौधा लगाया।

भारत में 3 कफ सिरप के खिलाफ डब्ल्यूएचओ की चेतावनी

एजेंसी

नई दिल्ली : विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सोमवार को भारत में तीन मिलावटी कफ सिरप को लेकर चेतावनी जारी की। इनमें श्रीसन फार्मास्युटिकल की कोल्ड्रिफ, रेडनेक्स फार्मास्यूटिकल्स की रेस्पिफ्रेश टीआर और शेप फार्मा की रीलाइफ की खेप शामिल हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, डब्ल्यूएचओ ने कहा कि तीनों सिरप गंभीर जोखिम पैदा कर सकते हैं। ये जान के लिए खतरा पैदा करने वाली बीमारी का कारण भी बन सकते हैं। डब्ल्यूएचओ ने दुनियाभर के देशों से कहा है कि अगर उनके यहां ये दवाएं मिल रही हैं तो हमें इसकी जानकारी दें। कोल्ड्रिफ वही सिरप है, जिससे मध्य प्रदेश में सितंबर से अब तक 5 साल से कम उम्र के 25 बच्चों की मौत हुई है। सिरप में डायएथिलीन ग्लाइकॉल (DEG) की मात्रा तय सीमा से लगभग 500 गुना ज्यादा थी, जिससे बच्चों की जान गई। डब्ल्यूएचओ ने 9 अक्टूबर को भारत से पूछा था कि क्या कोल्ड्रिफ कफ सिरप विदेशों में भी निर्यात किया गया था। भारत में दवाओं की निगरानी करने वाली अथॉरिटी, सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (CDSCO) ने कहा था कि कोई भी मिलावटी दवा बाहर नहीं भेजी गई। न ही अवैध निर्यात का कोई सबूत मिला है।

लोकायुक्त ने कर्नाटक में 12 भ्रष्ट अधिकारियों के घरों पर छापा मारा

एजेंसी

बेंगलुरु : लोकायुक्त ने बेंगलुरु सहित कर्नाटक राज्य में 12 सरकारी अधिकारियों के ठिकानों पर छापे मारे हैं। इन सभी पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। यह छापे बेंगलुरु, हासन, कलबुर्गी, चित्रदुर्ग, उडुपी, दावणगेरे, हावेरी और बागलकोट जिलों में एक साथ मारे गए। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, लोकायुक्त कार्यालय के अधिकारियों ने बेंगलुरु में मंजूनाथ जो चिकित्सा अधिकारी मल्लसंद्रा हेरिज अस्पताल, वी सुमंगल निदेशक कर्नाटक उच्च शिक्षा बोर्ड, एनके गंगामारी गौड़ा सर्वेक्षक विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी बीएमआरसीएल, ज्योति मैरी प्रथम श्रेणी सहायक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग हासन, जगदीश नायक सहायक कार्यकारी अभियंता कर्नाटक ग्रामीण अवसंरचना विकास निर्बमित दावणगेरे, बीएस धाक्षिणी जूनियर इंजीनियर कर्नाटक खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम दावणगेरे, हावेरी जिले के रानेबेन्नूर तालुक के राजस्व अधिकारी अशोक, हावेरी जिले के सावनूर तालुक पंचायत के प्रभारी कार्यकारी अधिकारी बसवेश और बागलकोट अलमट्टी राइट बैंक नहर जूनियर इंजीनियर चेतन के ठिकानों पर यह कार्रवाई की है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने की भाजपा कार्यकर्ता सत्यम की हत्या

▸ 6 दिनों में ये तीसरी हत्या, नक्सलियों ने इससे पहले 2 ग्रामीणों की भी हत्या की थी

एजेंसी

बीजापुर : छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के उसूर ब्लॉक के मुंजाल कांकेर निवासी भाजपा कार्यकर्ता सत्यम पुनेम की नक्सलियों ने बीती रात घर से निकाल कर कुछ दूरी पर रस्सी से गला घोंट कर हत्या कर दी। नक्सलियों ने शव के पास पर्चा भी छोड़ा है। पुलिस अधीक्षक बीजापुर जितेंद्र यादव ने इसकी पुष्टि की है। नक्सलियों ने इसमें सत्यम पुनेम पर पुलिस मुखबिरी के शक और गांव में रहकर नक्सल गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने के आरोप भी लगाए हैं। मद्देड़ एरिया कमेटी ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली है। पर्चे के अनुसार नक्सलियों ने भाजपा कार्यकर्ता को कई बार चेतावनी देने के बाद भी सुधार न होने पर मौत की सजा देने की बात कही है। शव मिलने की सूचना पर इलमिडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहली घटना 9 अक्टूबर की है, जब पामेड़ थाना क्षेत्र के उड़तामल्ला गांव में नक्सलियों ने ग्रामीण कुमार पोडियम की हत्या कर दी थी। कुछ सशस्त्र नक्सली गांव में पहुंचे और ग्रामीण को घर से बाहर बुलाकर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक पर पुलिस की मुखबिरी का शक था। इसके घटना के दो दिन बाद, 11 अक्टूबर की रात उसूर थाना क्षेत्र के कमलापुर गांव में नक्सलियों ने एक और ग्रामीण गुड्डू सोड़ी की हत्या कर दी थी।

वित मंत्री सीतारमण आज से कर्नाटक दौरे पर

बेंगलुरु : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बुधवार से अपने दो दिवसीय दौरे पर राज्य के कल्याण क्षेत्र का दौरा करेंगी। वे यहां कृषि मूल्य संवर्धन इकाइयों, प्रशिक्षण केंद्रों और सामान्य सुविधा केंद्रों का दौरा करेंगी केंद्रीय मंत्री सीतारमण की सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि से कल्याण कर्नाटक के सात जिलों में से प्रत्येक में एक कृषि मूल्य संवर्धन इकाई स्थापित की गई है। केंद्रीय मंत्री सीतारमण बुधवार और गुरुवार को किसानों को आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से स्थापित कृषि मूल्य संवर्धन इकाइयों, प्रशिक्षण केंद्रों और सामान्य सुविधा केंद्रों का दौरा करेंगी। इस दौरे के दौरान विजयनगर, बेल्लारी, कोप्पल और रायचूर जिलों में इकाइयों का उद्घाटन किया जाएगा।

कनाडा से लौटा हथियार तस्कर पकड़ा गया

चंडीगढ़ : पंजाब पुलिस ने कनाडा व पाकिस्तान से जुड़े हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार करके उसके पास से छह पिस्तौल व कारतूस बरामद बरामद किये हैं। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने एक अवैध हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने अमृतसर के थाना तरसिक्का के डेयरीवाल निवासी अमरबीर सिंह उर्फ अमर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 6 पिस्तौल, 11 मैगजीन, 30 बोर के 91 जिंदा कारतूस और 9 मिमी के 20 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

एइएसएल और सेना के बीच एमओयू शिक्षा में मिलेगा विशेष लाभ

एजेंसी

जोधपुर : देश की अग्रणी परीक्षा तैयारी संस्था आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एइएसएल) ने भारतीय सेना के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस समझौते का उद्देश्य सेना के सेवारत, सेवानिवृत्त, वीरता पुरस्कार विजेता, विकलांग कर्मियों तथा शहीद जवानों के परिवारों को शैक्षणिक सहयोग और कल्याणकारी लाभ प्रदान करना है। इस संबंध में आयोजित एक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल मेजर जनरल रानूसिंह राठौर (सेवानिवृत्त) ने शिक्षा के माध्यम से सेना समुदाय को सशक्त बनाने में इस साझेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। भारतीय सेना की ओर से सहायक एडजुटेंट जनरल, सेरेमोनियल एंड वेलफेयर 3 एवं 4, तथा एइएसएल की ओर से दिल्ली- एनसीआर के मुख्य शैक्षणिक एवं व्यवसाय प्रमुख डॉ. यशपाल ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए।

एमओयू के तहत एइएसएल देशभर में अपने सभी केंद्रों पर सेना से जुड़े विद्यार्थियों को विशेष रियायतें और छात्रवृत्तियां उपलब्ध कराएगा।

चुनाव आयोग ने सोशल मीडिया और डिजिटल प्रचार के लिए जारी किए निर्देश

■ बिना एमसीएमसी की मंजूरी के कोई भी राजनैतिक विज्ञापन सोशल मीडिया या इंटरनेट पर नहीं होगा प्रकाशित

एजेंसी

नई दिल्ली : बिहार विधानसभा चुनाव और अन्य राज्यों में उपचुनाव से पहले चुनाव आयोग ने सोशल मीडिया और डिजिटल प्रचार के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं।

अब सभी राजनीतिक विज्ञापनों के लिए मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (एमसीएमसी) से पूर्व-प्रमाणन, उम्मीदवारों को नामांकन के समय अपने सोशल मीडिया खातों की जानकारी और राजनीतिक दलों को चुनाव के 75 दिनों के भीतर डिजिटल प्रचार पर हुए खर्च का विवरण आयोग को देना अनिवार्य कर दिया गया है। आयोग ने निर्देश दिया कि बिना एमसीएमसी की मंजूरी के कोई भी राजनीतिक विज्ञापन सोशल मीडिया या इंटरनेट पर प्रकाशित नहीं होगा।

इसके लिए जिला और राज्य स्तर पर मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (एमसीएमसी) का गठन किया गया है, जो सोशल मीडिया सहित सभी इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर प्रसारित होने वाले विज्ञापनों की जांच करेगी और पेड न्यूज के संदिग्ध मामलों पर आवश्यक कार्रवाई करेगी। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 77(1) और उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के तहत चुनाव प्रचार खर्च की जानकारी देना अनिवार्य किया गया है। इस खर्च में इंटरनेट कंपनियों और वेबसाइटों को किए गए भुगतान, प्रचार सामग्री के निर्माण, सोशल मीडिया खातों के संचालन से जुड़े व्यय और अन्य डिजिटल प्रचार संबंधी खर्च शामिल होंगे।

भारत को वैश्विक मंच पर सशक्त बनाता है पर्यटन: शेखावत

एजेंसी

उदयपुर : केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि पर्यटन एक ऐसा क्षेत्र है, जो न केवल रोजगार और अर्थव्यवस्था को बढ़ाता है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक छवि को विश्व मंच पर सशक्त बनाता है। लेकसिटी उदयपुर में मंगलवार से प्रारंभ हुए दो दिवसीय नेशनल टूरिज्म कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में शेखावत ने कहा कि यह सत्र केवल एक सम्मेलन भर नहीं है, बल्कि विचारों के आदान-प्रदान का एक अद्भुत अवसर है।

आज विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधि और प्रतिभागी यह दिखा रहे हैं कि वे किस तरह नए और नवाचारी विचारों पर काम कर रहे हैं। यह समझना भी रोचक है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में पर्यटन स्थलों के विकास को लेकर जो सोच विकसित हो रही है, वह कितनी विविध और रचनात्मक है।

अपने उद्बोधन में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि देश के अनेक राज्यों में कई ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जहां समान प्रकार के अनुभव और थीम देखने को मिलते हैं।

मेक्सिको में बरसात से तबाही, 64 नागरिकों की मौत

▸ बाढ़ और भूस्खलन के कारण संघीय राजमार्गों में 132 जगह रुकावट आई

65 लोग अब भी लापता

एजेंसी

मेक्सिको सिटी : मेक्सिको में बरसात से भारी तबाही हुई है। संघीय सरकार ने सोमवार सुबह इस विभीषिका का विवरण जारी किया। विवरण के अनुसार बाढ़ और भूस्खलन के दौरान 64 नागरिकों की मौत हो गई। 65 लोग अब भी लापता हैं।

मौतों की संख्या में वृद्धि होने की आशंका है। अमेरिकी महाद्वीप के देश मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम की सुबह की प्रेस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा प्रमुख लॉरा वेलाजक्वेज ने कहा कि यह मौतें अत्यधिक भारी बारिश वाले चार राज्यों में हुईं। मेक्सिको न्यूज डेली की रिपोर्ट के अनुसार, लॉरा वेलाजक्वेज ने कहा कि वेराक्रूज सबसे अधिक प्रभावित राज्य है। यहां 29 लोगों की मौत हो गई और 18 लोग लापता हैं। हिडाल्गो में 21 लोगों की मौत हो गई है और 43 लोग लापता हैं। इसके अलावा पुएब्ला में 13 नागरिकों की मौत हुई है और चार लोग लापता हैं। क्वेरेटारो में भूस्खलन में एक व्यक्ति और एक छह वर्षीय लड़के की जान चली गई। वेलाजक्वेज ने कहा कि चार राज्यों में 6 से 9 अक्टूबर के बीच भारी बारिश हुई। मूसलाधार बारिश के कारण कई राज्यों में नदियां उफान पर आ गईं और भूस्खलन हुआ।

स्पेसएक्स के मेगा स्टारशिप रॉकेट का परीक्षण सफल

दुनिया के आधे हिस्से का चक्कर लगाया

एजेंसी

वाशिंगटन : दुनिया के सबसे धनी व्यक्तियों में शुमार एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने सोमवार को अपने विशाल स्टारशिप रॉकेटों में से एक और को परीक्षण उड़ान पर प्रक्षेपित किया। स्पेसएक्स का यह परीक्षण सफल रहा। स्टारशिप रॉकेट ने पिछली बार की तरह इस दफा भी दुनिया के आधे हिस्से का सफलतापूर्वक चक्कर लगाया। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार अब तक का सबसे विशाल और सबसे शक्तिशाली रॉकेट टेक्सास के दक्षिणी सिरे से आकाश में गर्जना के साथ उड़ा। बूस्टर रॉकेट अलग हो गया और योजना के अनुसार मेक्सिको की खाड़ी में नियंत्रित रूप से प्रवेश किया। अंतरिक्ष यान हिंद महासागर में उतरने से पहले अंतरिक्ष में उड़ता रहा। इस अवसर पर स्पेसएक्स के डैन हूट ने अपने साथियों के साथ घोषणा की, 'स्टारशिप की पृथ्वी पर सफल वापसी। स्वागत है।' उन्होंने कहा कि स्टारशिप की 11वीं परीक्षण उड़ान सफल रही।

दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप का 11वां टेस्ट

मिशन का उद्देश्य: जरूरी एक्सपेरिमेंट कर डेटा जुटाना

- फ्लाइट एक्सपेरिमेंट्स से नेक्स्ट-जनरेशन बूस्टर के लिए जरूरी जानकारी इकट्ठा की गई। व्हीकल के संवेदनशील हिस्सों को टेस्ट करने के लिए वहां से कुछ टाइल्स हटा दी गई थीं।
- बूस्टर के लैंडिंग बर्न के दौरान एक खास इंजन कॉन्फिगरेशन का प्रदर्शन किया गया। लैंडिंग के अंतिम चरण में तीन सेंटर इंजनों में से एक को जानबूझकर बंद किया गया, ताकि यह जांचा जा सके कि मिडिल रिंग का बैकअप इंजन लैंडिंग को पूरा कर सकता है या नहीं।
- मिशन में आठ डमी सैटेलाइट अंतरिक्ष में छोड़ी गईं। अंतरिक्ष में एक रैप्टर इंजन को दोबारा चालू करने का टेस्ट भी किया गया, जो कामयाब रहा।

आरबीआई ने ऑफलाइन डिजिटल रुपया लांच किया

ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी लोग बिना इंटरनेट के डिजिटल भुगतान कर सकेंगे

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 के दौरान ऑफलाइन डिजिटल रुपया की शुरुआत की है। इस नई सुविधा से देश के ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी लोग बिना इंटरनेट के डिजिटल भुगतान कर सकेंगे। यह फीचर उपयोगकर्ताओं को डिजिटल नकद जैसा अनुभव देता है, जिससे डिजिटल भुगतान का दायरा और पहुंच दोनों बढ़ेंगी। डिजिटल रुपया भारतीय मुद्रा का डिजिटल रूप है जिसे सीधे आरबीआई जारी करता है। यह एक सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी है जो असली रुपये की तरह ही मान्य है। इसे बैंक द्वारा उपलब्ध कराए गए सुरक्षित डिजिटल वॉलेट में रखा जाता है। उपयोगकर्ता e₹ वॉलेट से यूपीआई क्यूआर कोड स्कैन कर भुगतान कर सकते हैं और लेनदेन के लिए बैंक खाता जरूरी नहीं है। फिलहाल 15 बैंक जैसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन बैंक, फेडरल बैंक, पीएनबी, यस बैंक, कर्नाटक बैंक, केनरा बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और इंडसइंड बैंक अपने ग्राहकों को डिजिटल रुपया वॉलेट की सुविधा दे रहे हैं। ये ऐप्स गूगल प्ले स्टोर और एप्पल स्टोर पर उपलब्ध हैं। वॉलेट में न तो कोई शुल्क है, न न्यूनतम बैलेंस की आवश्यकता, और मोबाइल खो जाने की स्थिति में इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता है।

इस डिजिटल रुपये की सबसे बड़ी खासियत इसका ऑफलाइन फीचर है। यह फीचर विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लिए तैयार किया गया है जहां नेटवर्क या इंटरनेट की कमी है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि डिजिटल रुपया भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा।

उन्होंने बताया कि आधार, यूपीआई और डिजी लॉकर जैसे डिजिटल ढांचे ने पहले ही वित्तीय समावेशन को गति दी है, और अब डिजिटल रुपया उस प्रणाली को और सशक्त बनाएगा।

एलजी के शेयर की एनएसई पर 1710 रुपए पर लिस्टिंग

पलक झपकते निवेशकों को मिला 50 फीसदी रिटर्न

नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में दक्षिण कोरिया की दिग्गज कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयर्स की धमाकेदार लिस्टिंग हुई है। एनएसई पर 1710.1 रुपये प्रति शेयर पर लिस्टिंग हुई है और बीएसई पर 1715.1 रुपये प्रति शेयर पर एलजी के शेयर्स लिस्ट हुए है। आईपीओ का सब्सक्रिप्शन 7 से 9 अक्टूबर तक खुला था और अलॉटमेंट 10 अक्टूबर को हुआ और मंगलवार को एलजी इलेक्ट्रानिक्स के शेयर बीएसई और एनएसई दोनों एक्सचेंजों पर लिस्ट हुए हैं। इस आईपीओ ने रिकार्ड तोड़ दिया. कुल सब्सक्रिप्शन की रकम लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपये रही, जो बाजाज हाउसिंग फाइनेंस के पिछले रिकॉर्ड 3.2 लाख करोड़ रुपये को आसानी से पीछे छोड़ चुकी है। कुल शेयरों की पेशकश के मुकाबले सब्सक्रिप्शन 54 गुना रहा है। इसमें संस्थागत निवेशकों ने सबसे आगे रहते हुए 166 गुना से ज्यादा बोली लगाई। गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) की सब्सक्रिप्शन 22 गुना, रिटेल निवेशकों की 3.5 गुना और कर्मचारियों की 7.6 गुना रहा। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) था, जिसमें 10.18 करोड़ से ज्यादा शेयर बेचे गए. साउथ कोरियाई पैरेंट कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंक ने अपनी हिस्सेदारी कम की. शेयर की कीमत बैंड 1,080 से 1,140 रुपये प्रति शेयर तय की गई थी।

अब किराया नहीं बढ़ेगा, एलायंस एयर की फेयर से फुर्सत स्कीम शुरू

पायलट प्रोजेक्ट 13 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक चुनिंदा रूट्स पर लागू

नई दिल्ली

देश की रीजनल एयरलाइन एलायंस एयर ने यात्रियों को राहत देने के लिए एक नई और अनोखी पहल की शुरुआत की है, जिसका नाम है 'फेयर से फुर्सत'। इस योजना के तहत अब यात्रियों को टिकट की बुकिंग कब की जा रही है, इसका किराए पर कोई असर नहीं होगा। चाहे यात्री महीनों पहले टिकट लें या उड़ान से एक दिन पहले, किराया एक समान रहेगा। इस पहल की घोषणा केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने की।

उन्होंने बताया कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'उड़े देश का आम नागरिक' विजन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य आम और मध्यमवर्गीय लोगों को हवाई यात्रा के लिए प्रेरित करना है। यह योजना 13 अक्टूबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कुछ चुनिंदा मार्गों पर लागू की गई है। परिणामों के आधार पर इसे आगे बढ़ाने पर निर्णय लिया जाएगा।

एलायंस एयर के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार यह स्कीम यात्रियों के बीच भरोसा बढ़ाने और विशेष रूप से टियर-2 व टियर-3 शहरों से यात्रा करने वालों को राहत देने के लिए लाई गई है। वहीं, एयरलाइन के अधिकारी ने कहा कि वर्तमान में एविएशन सेक्टर डायनामिक प्राइसिंग पर चलता है, जिससे अंतिम समय में टिकट महंगे हो जाते हैं।

त्योहारों और छुट्टियों के दौरान जब किराए आसमान छूते हैं, 'फेयर से फुर्सत' स्कीम यात्रियों को एक निश्चित किराए पर टिकट उपलब्ध कराएगी, जिससे वे बिना तनाव के अपनी यात्रा की योजना बना सकेंगी।

दिवाली पर मौका! एक्सिस सिक्योरिटीज ने बताए शेयर्स

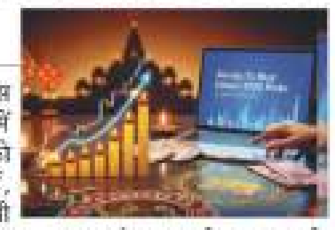

नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में इस साल, यानी संवत 2081 में ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कमजोर कमाई, अमेरिकी नीतियों, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और रुपये की कीमत में कमी जैसे कारणों से बाजार पर दबाव रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सिस सिक्योरिटीज का मानना है कि संवत 2082 में भारतीय अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन करेगी। अगले वित्त वर्ष (2026) में अर्थव्यवस्था और मजबूत होगी और 2027 में और बेहतर नतीजे देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में दीवाली 2025 निवेश के लिए अच्छा मौका हो सकता है।

दिवाली 2025 के लिए लंबे समय के निवेश करने के लिए आप कुछ खास स्टॉक्स चुन सकते हैं। एक्सिस सिक्योरिटीज ने कुछ ऐसे शेयरों की सलाह दी है, जिनमें कोटक महिंद्रा बैंक, फेडरल बैंक, जेएसडब्ल्यू एनर्जी और चैलेट होटल्स जैसे नाम शामिल हैं। ये शेयर लंबे समय तक अच्छा रिटर्न दे सकते हैं।एक्सिस सिक्योरिटीज ने कुछ कंपनियों के शेयरों की सलाह दी है। पहला है रेनबो चिल्ड्रन मेडिकेयर। इस कंपनी का टारगेट प्राइस 1,625 रुपये है, जिसमें 23 प्रतिशत की बढ़त की संभावना है। यह कंपनी बच्चों और मातृत्व देखभाल में विशेषज्ञता रखती है।

इसके अस्पतालों में अच्छी बुकिंग और नए अस्पतालों से आय बढ़ रही है। कंपनी का मॉडल स्केलेबल है और कम पूंजी में विस्तार कर रही है, जिससे भविष्य में अच्छी कमाई की उम्मीद है।

दूसरा है डोम्स इंडस्ट्रीज, जिसका टारगेट प्राइस 3,110 रुपये है। यह कंपनी पेन, बैग, खिलौने और डायपर जैसे नए प्रोडक्ट्स में विस्तार कर रही है। कोटक महिंद्रा बैंक का टारगेट 2,500 रुपये है। यह बैंक जमा और कर्जों में संतुलन बनाए रखने पर ध्यान दे रहा है। फेडरल बैंक का टारगेट 240 रुपये है। यह बैंक मध्यम आय वाले सेगमेंट में तेजी से बढ़ रहा है और अगले कुछ सालों में 16 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी का टारगेट 625 रुपये है। यह कंपनी ऊर्जा भंडारण और 30 गीगावाट बिजली उत्पादन की दिशा में बढ़ रही है।

अफगान विदेश मंत्री ने भारतीय उद्योग को किया आमंत्रित

फिक्की के साथ बैठक में अफगान मंत्री ने बताया निवेश के लिए अनुकूल माहौल

नई दिल्ली

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और उनके साथ आए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक अहम बैठक का आयोजन किया। बैठक का उद्देश्य भारत-अफगानिस्तान के आर्थिक संबंधों को मजबूती देना था।

अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी ने कहा कि अफगानिस्तान में अब शांति और स्थिरता स्थापित हो चुकी है, जिससे व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बना है। उन्होंने बताया कि भारत और अफगानिस्तान का द्विपक्षीय व्यापार पहले ही 1 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है।

साथ ही, भारतीय कंपनियों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, विमानन, बैंकिंग और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। मुत्ताकी ने भारतीय उद्योगपतियों को आश्वासन दिया कि अफगान सरकार भारतीय निवेशकों को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने फिक्की और अफगान चैंबर ऑफ कॉमर्स की साझेदारी को भी अहम बताया। बैठक में भारतीय उद्योग जगत ने वीजा संबंधी समस्याओं को गंभीर चिंता का विषय बताया और व्यापारियों की सुगम आवाजाही की मांग की। इसके अलावा, माल की आवाजाही और लॉजिस्टिक्स में आ रही बाधाओं को दूर करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

केईसी और मैक्स अस्पताल जैसी भारतीय कंपनियों ने अफगानिस्तान में फिर से संचालन शुरू कर दिया है। वहीं एमिटी विश्वविद्यालय अफगान छात्रों को सहयोग देने और एक साझा परिसर स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है। यह बैठक दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को नई दिशा देने का संकेत है।

गूगल विशाखापत्तनम में एआई केंद्र स्थापित करेगी

15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना

नई दिल्ली इंटरनेट सर्च इंजन कंपनी गूगल अगले पांच वर्ष में विशाखापत्तनम में एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केंद्र स्थापित करने के लिए 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक कार्यक्रम में गूगल क्लाउड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह नया एआई केंद्र एआई बुनियादी ढांचे, नई डेटा सेंटर क्षमता, बड़े ऊर्जा स्रोतों एवं विस्तारित ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क को एकीकृत करेगा। उन्होंने कहा कि हम विशाखापत्तनम में एआई केंद्र स्थापित करने के लिए अगले पांच वर्षों में 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना बना रहे हैं।

अब रूसी तकनीक से दौड़ेगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

2026 तक पटरी पर आने की तैयारी

नई दिल्ली भारतीय रेलवे की सेमी-हाईस्पीड ट्रेन वंदे भारत अब नई तकनीक के साथ स्लीपर वर्जन में दौड़ने के लिए तैयार हो रही है। इस बार इसमें रूस की एडवांस तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे यात्रियों को अधिक सुविधा और सुरक्षा मिलेगी। रेलवे मंत्रालय को इसका फाइनल डिजाइन सौंपा जा चुका है और यह प्रोजेक्ट अब मंजूरी के अंतिम चरण में है। रूसी कंपनी ट्रांसमाशहोल्डिंग और भारतीय रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के संयुक्त उद्यम काइनेट रेलवे सॉल्यूशंस को 120 वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेट तैयार करने का ठेका दिया गया है। ये सभी ट्रेनें महाराष्ट्र के लातूर में मेक इन इंडिया के तहत बनाई जाएंगी। नई स्लीपर वंदे भारत में 16 कोच होंगे और यात्रियों के लिए चार टॉयलेट्स की सुविधा दी जाएगी। हालांकि, पैंट्री कार को शामिल नहीं किया गया है, जबकि रेलवे चाहता था कि लंबी दूरी की यात्रा के लिए यह सुविधा भी हो। यह ट्रेन खासतौर पर रात की यात्रा के लिए डिजाइन की गई है। इसी बीच बीईएमएल द्वारा आईसीएफ चेन्नई में बनी पहली 10-कोच वाली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन शकूरबस्ती डिपो में खड़ी है और नवंबर तक ट्रायल शुरू होने की उम्मीद है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ तो 2026 तक ये ट्रेनें भारतीय ट्रैक पर दौड़ने लगेंगी।

चीन ने दक्षिण कोरियाई हनव्हा ओशन की अमेरिकी अनुषंगी कंपनियों पर लगाई रोक

अमेरिका द्वारा जहाज निर्माण में चीन की भूमिका की जांच के जवाब में उठाया गया कदम

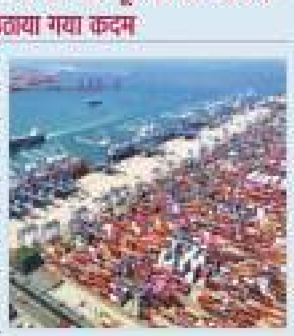

हांगकांग चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने दक्षिण कोरियाई जहाज निर्माता हनव्हा ओशन की पांच अमेरिकी अनुषंगी कंपनियों के साथ चीनी कंपनियों के व्यापारिक लेन-देन पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह निर्णय अमेरिका द्वारा जहाज निर्माण उद्योग में चीन की भूमिका की जांच के जवाब में लिया गया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने अप्रैल 2024 में धारा 301 के तहत एक व्यापार जांच शुरू की थी, जिसमें कहा गया कि चीन की जहाज निर्माण क्षमताएं अमेरिकी कंपनियों के लिए अनुचित प्रतिस्पर्धा उत्पन्न कर रही हैं। इसके जवाब में चीन ने हनव्हा ओशन की जिन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं, उनमें हनव्हा शिपिंग एलएलसी, हनव्हा फिली शिपयार्ड इंक और अन्य चार कंपनियां शामिल हैं। गौरतलब है कि हनव्हा ने 2024 के अंत में 100 मिलियन डॉलर में अमेरिकी फिली शिपयार्ड का अधिग्रहण किया था और अगस्त में उसने अमेरिका में 5 अरब डॉलर के निवेश की योजना घोषित की थी। जहाज निर्माण क्षेत्र अब अमेरिका-चीन व्यापारिक टकराव का नया केंद्र बनता जा रहा है, जहां दोनों देश नई शुल्क नीतियों के जरिए एक-दूसरे को जवाब दे रहे हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 297 , निफ्टी 81 अंक नीचे आया

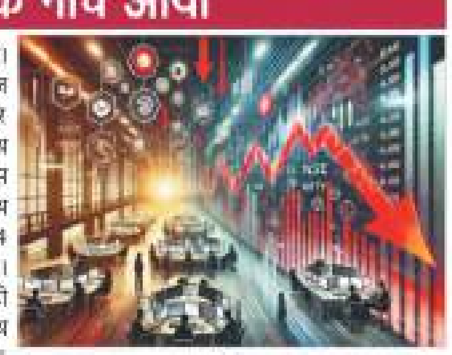

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के साथ ही पीएसयू बैंक और सरकारी कंपनियों के शेयरों के नीचे आने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 297.07 अंक नीचे आकर 82,029.98 और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 81.85 अंक टूटकर 25,145.50 पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस भी बाजार नीचे आया था। आज इसेक्टोरल आधार पर निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 1.52 फीसदी के साथ ही सबसे बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके बाद निफ्टी पीएसई इंडेक्स 0.91 फीसदी निफ्टी रियल्टी 0.94 फीसदी , निफ्टी एफएमसीजी 0.48 फीसदी , निफ्टी फार्मा 0.75 फीसदी और निफ्टी आईटी 0.33 फीसदी की गिरावट रही। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 437.95 अंक या 0.75 फीसदी टूटकर 58,324.40 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 161.60 अंक या 0.89 फीसदी नीचे आकर 17,940.15 पर रहा।

निफ्टी के शेयरों में मैक्सहेल्थ, टेक महिंद्रा, विप्रो, अपोलो हॉस्पिटल, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज ऑटो, एचयूएल, श्रीराम फाइनेंस, पावर ग्रिड और ओएनजीसी सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि डॉ.रेड्डी, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, बीईएल, ट्रेंट, हिंडालको, टीसीएस, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर नुकसान में रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स मजबूती के साथ 82,404.54 अंक पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी बढ़त के साथ 25,277.55 अंक पर खुला। खुलते ही यह 25,310.35 अंक तक चढ़कर 63.45 अंक की बढ़त लेकर 25,293 अंक पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निवेशकों की नजर अमेरिका के फेडरल रिजर्व चेयरमैन जेरोम पॉवेल के भाषण पर है। एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.01 फीसदी चढ़ा, जबकि जापान का निक्केई 225 1.34 फीसदी गिरा और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.25 फीसदी नीचे बंद हुआ। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए। सेमीकंडक्टर शेयरों, खासकर ब्रॉडकॉम में तेजी से बाजार को सहारा मिला।

एसएंडपी 500 में 1.56 फीसदी की बढ़त रही। नैस्डेक इंडेक्स 2.21 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.29 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

जम्मू-कश्मीर में निवेशकों की संख्या में 10 गुना बढ़ोतरी

मुंबई पिछले 10 वर्षों में जम्मू-कश्मीर ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर निवेशक आधार में 10 गुना वृद्धि दर्ज की है। 2015 में जहां यह संख्या 65,000 थी, वहीं 2025 में यह बढ़कर 6.51 लाख हो गई है। यह वृद्धि देश की औसत वृद्धि (6.2 गुना) से कहीं अधिक है। एनएसई के एक अधिकारी ने इसे औपचारिक वित्तीय प्रणाली में बढ़ते विश्वास और युवाओं की सक्रिय भागीदारी का परिणाम बताया। एनएसई के अनुसार, महिला निवेशकों की भागीदारी जम्मू-कश्मीर में 25 फीसदी है, जो राष्ट्रीय औसत 16.3 फीसदी से अधिक है। 2025-26 तक निवेशक संख्या 7.1 लाख तक पहुंचने का अनुमान है। बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी, वित्तीय साक्षरता और डिजिटलीकरण इस बदलाव के प्रमुख कारक हैं। एनएसई ने निवेशकों को दीर्घकालिक, ज्ञान-आधारित निवेश की सलाह दी है न कि सट्टेबाजी की।

भगोड़े विजय माल्या का बैंकों पर हमलाः संपत्तियां बिक चुकीं, फिर भी मांग जारी

यूके कोर्ट से केस वापस लेने के बाद बोले माल्या - भारत में ही निपटाना चाहता हूं मामला

नई दिल्ली भगोड़े आर्थिक अपराधी विजय माल्या ने एक बार फिर भारतीय बैंकों पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उन्होंने दावा किया कि उनकी संपत्तियों को बेचकर बैंकों ने 14,100 करोड़ रुपये की वसूली कर ली है, जो कि कर्ज की मूल रकम से कहीं अधिक है। बावजूद इसके, बैंक अब भी उनसे पैसों की मांग कर रहे हैं। माल्या ने कहा कि डेट रिकवरी ट्रिब्यूनल ने केवल 6,203 करोड़ रुपये की वसूली का आदेश दिया था, लेकिन बैंकों ने उससे दुगुनी रकम वसूल ली है। उन्होंने भारतीय वित्त मंत्रालय के बयान का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि अब तक बैंकों को 14,100 करोड़ रुपये की वापसी मिल चुकी है। माल्या ने आरोप लगाया कि बैंकों ने अब तक वसूली की पारदर्शी रिपोर्ट तक नहीं दी है। इसी के साथ, माल्या ने ब्रिटेन की अदालत में अपने दिवालिया आदेश को रद्द कराने वाली याचिका भी वापस ले ली है। इसका मतलब है कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व में बैंकों का समूह अब यूके में उनकी संपत्तियों की जब्ती की कार्रवाई बिना किसी रुकावट के जारी रख सकता है। माल्या ने यह भी स्पष्ट किया कि वे अब ब्रिटेन में कोई कानूनी लड़ाई नहीं लड़ेंगे और इस मामले को भारत में ही सुलझाने का प्रस्ताव दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरे पास एक अच्छा प्रस्ताव है, जिसे सिर्फ भारत में ही हल किया जा सकता है।

ईपीएफओ के नए नियम से निकासी आसान, लेकिन पैसे तक पहुंच हुई सीमित

आंशिक निकासी संभव, लेकिन पूरी निकासी और पेंशन निकालने में अब लंबा इंतजार करना होगा

नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने 7 करोड़ से ज्यादा खाताधारकों को बड़ी राहत देते हुए पीएफ निकासी के नियमों में अहम बदलाव किए हैं।

अब नौकरीपेशा लोग बीमारी, पढ़ाई, शादी या घर खरीदने जैसे जरूरी कारणों से सिर्फ 12 महीने की सेवा के बाद आंशिक निकासी कर सकेंगे। पहले अलग-अलग कारणों के लिए अलग-अलग सेवा अवधि तय थी। हालांकि, कुछ फैसले चिंता बढ़ाने वाले भी हैं।

ईपीएफओ ने यह तय किया है कि आपके पीएफ खाते का 25 फीसदी हिस्सा अब हमेशा संगठन के पास रहेगा। यह रकम आपकी अपनी जमा पूंजी में से होगी, जिसे अब आप पूरी तरह से कभी नहीं निकाल सकेंगे।

संगठन का कहना है कि इससे रिटायरमेंट के लिए बचत सुरक्षित रहेगी और आपको 8.25 फीसदी का ब्याज मिलता रहेगा।

इसके अलावा बेरोजगारी की स्थिति में भी अब पूरी पीएफ राशि निकालने के लिए 12 महीने का इंतजार करना होगा, जबकि पहले यह अवधि केवल दो महीने थी।

वहीं, पेंशन निकासी के नियमों को भी सख्त कर दिया गया है, अब इसके लिए 36 महीने की सेवा आवश्यक होगी।

ईपीएफओ ने डिजिटल सेवाओं को बेहतर करने के प्रयास में पेपरलेस क्लेम प्रोसेस शुरू किया है और विश्वास योजना के तहत देरी से पीएफ जमा करने पर मुकदमेबाजी कम करने का वादा किया है।

साथ ही, पेंशनधारकों को घर बैठे डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की सुविधा भी दी गई है।

मिजोरम व्यापारी संगठन ने सरकार से व्यापार एक्सपो बंद करने का किया आग्रह

फर्स्ट इंटरनेशनल स्टार एक्सपो में 36 प्रतिभागी बिना परमिट, विदेशी भागीदारी भी नहीं

आइजोल मिजोरम मर्चेंट एसोसिएशन (एमआईएमए) ने आइजोल के लामुअल में चल रहे **फर्स्ट इंटरनेशनल स्टार एक्सपो** को बंद करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि इस व्यापार मेले में शामिल 36 प्रतिभागी बिना आवश्यक इनर लाइन परमिट (आईएलपी) के पाए गए। मिजोरम जैसे संरक्षित राज्य में गैर-आदिवासी लोगों के लिए आईएलपी अनिवार्य है। एमआईएमए ने आयोजकों पर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 89 का उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि एक्सपो का नाम इंटरनेशनल है, जबकि इसमें कोई भी विदेशी भागीदारी नहीं है, जो कि भ्रामक विज्ञापन की श्रेणी में आता है। इसके साथ ही, एक्सपो में एक खाद्य विक्रेता के पास एफएसएसएआई लाइसेंस नहीं पाया गया, जो खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है। एमआईएमए और मिजो छात्र संस्था एमजेडपी द्वारा चलाए गए अभियान में पकड़े गए आईएलपी उल्लंघनकर्ताओं को पुलिस के हवाले कर दिया गया। अब संगठन ने प्रशासन से एक्सपो को तुरंत बंद करने की मांग की है।

करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणास्रोत है डॉ. कलाम का जीवन दर्शन

श्वेता गोयल

तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में 15 अक्तूबर 1931 को जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया।

'मिसाइलमैन' के नाम से विख्यात डा. एपीजे अब्दुल कलाम (अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) भारतीय इतिहास में एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति रहे हैं, जो वैज्ञानिक थे। सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी जैसे विलक्षण गुणों की मिसाल डा. कलाम देश के महान वैज्ञानिक होने के साथ-साथ एक अद्भुत इंसान और एक प्रेरणादायक नेता भी थे, जिन्होंने अपने इन्हीं गुणों की बदौलत समस्त देशवासियों का दिल जीत लिया था क्योंकि मौजूदा राजनीतिक परिवेश में ऐसे गुणों वाले व्यक्ति का मिलना दुर्लभ है। यही कारण है कि करोड़ों लोग आज भी उन्हें अपना प्रेरणास्रोत मानते हुए उनकी कही बातों का अनुसरण करते हैं। डा. कलाम की सबसे बड़ी विशेषता यही थी कि उन्होंने जिस भी व्यक्ति के साथ काम किया, उसी का दिल जीत लिया। देश की युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए वह कहते थे कि भारत के युवा वर्ग में हिम्मत होनी चाहिए कि वह कुछ अलग सोच सके, हिम्मत हो कि वह कुछ खोज सके, ऐसे नए रास्तों पर चलने की हिम्मत हो, जो असंभव हो, उसे खोज सके और मुसीबतों को जीतकर सफलता हासिल कर सके। वह कहते थे कि आसमान की ओर देखें, हम अकेले नहीं हैं, पूरा ब्रह्माण्ड हमारा मित्र है और जो सपना देखते हुए मेहनत कर रहे हैं, उन्हें बेहतरीन फल देने का प्रयास कर रहा है। सपना सच हो, इसके लिए जरूरी है कि आप सपना देखें।

तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में 15 अक्तूबर 1931 को जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया। अपने जीवनकाल में उन्होंने 'विंग्स ऑफ फायर', 'इग्नाइटेड माइंड', 'इंडिया 2020: ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' इत्यादि 30 से भी ज्यादा पुस्तकें लिखी। 1999 से 2001 के बीच वे भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार रहे तथा 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे तो उनके साथ सामान के रूप में केवल दो सूटकेस थे, जिनमें से एक में उनके कपड़े तथा दूसरे में उनकी प्रिय पुस्तकें थी। आज जहां नेतागण छुट्टियों पर घूमने जाने के लिए बेताब रहते हैं और संसद की कार्यवाहियों से भी गैरहाजिर रहते हैं, वहीं डा. कलाम ने राष्ट्रपति रहते अपने पूरे राजनीतिक जीवन में केवल दो छुट्टियां ली थी, एक अपने पिता के देहांत पर और दूसरी अपनी मां की मृत्यु के अवसर पर।

कलाम साहब ने देश के सर्वोच्च पद पर रहते हुए अपने कार्यकाल में सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी की जो मिसाल पेश की, वह आज और कहीं देखने को नहीं मिलती। ऐसा ही एक वाकया स्मरण आता है, जब एक बार उनका कुल 52 सदस्यों भरा-पूरा परिवार उनसे मिलने दिल्ली आया। स्टेशन से सभी को राष्ट्रपति भवन लाया गया, जहां सभी आठ दिनों तक ठहरे। उन पर खर्च हुई एक-एक पाई कलाम साहब ने अपनी जेब से खर्च की। बताया जाता है कि उन्होंने अपने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि उनके इन अतिथियों के लिए राष्ट्रपति भवन की कारें इस्तेमाल नहीं की जाएंगी और उनके खाने-पीने के सारे खर्च का विवरण भी अलग से रखा गया। आठ दिन बाद सभी के दिल्ली से वापस चले जाने पर कलाम साहब ने अपने निजी बैंक खाते से 3.52 लाख रुपये का चेक काटकर राष्ट्रपति कार्यालय को भेज दिया। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उन्होंने कभी किसी का कोई उपहार अपने पास नहीं रखा। दरअसल उनका कहना था कि उनके पिता ने उन्हें यही शिक्षा दी है कि कभी किसी का कोई उपहार स्वीकार मत करो। किसी ने एक बार उन्हें दो पैन उपहारस्वरूप दिए थे लेकिन वे भी उन्होंने राष्ट्रपति पद से विदाई के समय लौटा दिए थे।

भारत के बच्चों के भविष्य को लेकर वे चिंतित स्वर में कहते थे कि देश में प्रतिवर्ष दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं, उन सभी बच्चों का क्या भविष्य होगा और जीवन में उनका क्या लक्ष्य होगा? क्या हमें उनके भविष्य के लिए कुछ कदम उठाने चाहिए या हमें उन्हें उनके नसीब के सहारे छोड़ अभिजात्य वर्ग के फायदे के लिए ही काम करना चाहिए? डा. कलाम का मानना था कि यदि भारत को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मस्तिष्क वालों का देश बनाना है तो इसमें समाज के तीन लोग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, पिता, माता और गुरु। भारत के भविष्य को लेकर उनके पास एक विजन था, जिस पर 'इंडिया 2020: ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई थी। दरअसल 'टैक्नोलॉजी इन्फार्मेशन, फोरकास्टिंग एंड एसेसमेंट काउंसिल' नामक एक सरकारी संगठन देश की प्रगति से जुड़ा विजन डॉक्यूमेंट तैयार करता है और 1996 में कलाम साहब इसके अध्यक्ष थे। उन्हीं की अध्यक्षता में 1996-97 में 'विजन 2020' डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। उस रिपोर्ट में सरकार को कुछ सुझाव देते हुए बताया गया था कि 2020 तक भारत को क्या कुछ हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कलाम साहब ने सरकार को सलाह दी थी कि देश के विकास के लिए तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में सरकार को क्या करना चाहिए और आम नागरिक को इसमें क्या भूमिका निभानी चाहिए। उनका मानना था कि भारत 2020 तक युवाओं के योगदान की बदौलत एक विकसित देश बन जाएगा लेकिन वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर उनके इस विजन को पूरा होने में अभी बहुत लंबा समय लग सकता है।

कलाम साहब कहा करते थे कि दुनिया हमें तभी याद रखेगी, जब हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और विकसित भारत देंगे, जो आर्थिक सम्पन्नता और सांस्कृतिक विरासत से मिला हो। उनका कहना था कि जो लोग अपने दिल से कार्य नहीं करते, वे जिंदगी में भले ही कुछ भी हासिल कर लें लेकिन वह खोखला होता है, जो उनके दिल में कड़वाहट भरता है। कलाम साहब के अनुसार जिंदगी कठिन है और आप तभी जीत सकते हैं, जब आप मनुष्य होने के अपने जन्मसिद्ध अधिकार के प्रति सजग हों। किसी व्यक्ति के जीवन में कठिनाई नहीं होगी तो उसे सफलता की खुशी का अहसास ही नहीं होगा। 27 जुलाई 2015 को वह महान् शिलांग में विभूति भारतीय प्रबंधन संस्थान एक कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए अचानक दिल का दौरा पड़ने पर सदा के लिए चिरनिद्रा में लीन हो गई।

संपादकीय

पाक-तालिबान जंगी टकराव

पाकिस्तान और अफगान-तालिबान के बीच जंगी टकराव के हालात बन गए हैं। शनिवार गहरी रात में तालिबान लड़ाकों ने पाक चौकियों पर हमले किए। उनका दावा है कि 58 पाक फौजी मार दिए गए और 25 चौकियों पर तालिबान ने कब्जा जमा लिया। भारी संख्या में हथियार, गोला-बारूद भी लड़ाकों के हाथ लगे हैं। पाकिस्तान का दावा है कि उसके 23 फौजी मारे गए हैं, जबकि पलटवार में ड्रोन हमले किए गए। पाकिस्तान करीब 200 अफगान लड़ाकों को मारने और 19 चौकियां कब्जाने का दावा कर रहा है। पाकिस्तान ने 9 अक्तूबर को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर मिसाइल हमला किया था। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का मुखिया मुफ्ती नूर वली उसके निशाने पर था, लेकिन वह बच गया। टीटीपी के हाआत्मघाती फिदायीनह्न ने पाकिस्तान में हमला कर कई लाशें बिछा दी थीं। यह संगठन बलूचिस्तान, खैबर में भी पाक फौजियों को हलाक करता रहा है। उनके पलटवार में पाक ने काबुल पर हमला किया था। वैसे पाक और अफगान सेनाओं का कोई मुकाबला नहीं है, क्योंकि अफगानिस्तान के पास वायुसेना या जल की ताकत पनडुब्बियां सरीखे आधुनिक हथियार नहीं हैं। जो अत्याधुनिक राइफलें, मशीन गन, रॉकेट लॉन्चर, गोला-बारूद, टैंक आदि अमरीकी सेनाएं छोड़ गई थीं, बस तालिबान लड़ाकों की ताकत वही है। तालिबान के पास करीब 40, 000 प्रशिक्षित हाआत्मघाती फिदायीनह्न की ऐसी ताकत है, जो कहीं भी आकर मौत का विस्फोट कर सकते हैं। तालिबानी हुकूमत के विदेश मंत्री आमिर मुत्ताकी भारत के प्रवास पर हैं। उन्होंने मिसाइल हमले को अफगान संप्रभुता पर हमला करार दिया था, लिहाजा 11 अक्तूबर की गहरी रात वाला हमला तालिबान का पलटबदला माना जा सकता है। यह जंगी टकराव और तनाव दो मुस्लिम देशों के दरमियान पसरा है। पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच जो हानाटो जैसाह्न समझौता हुआ था, वह भी बेनकाब हो गया और खोखला साबित हुआ। सऊदी अरब पाकिस्तान के समर्थन में जंग में नहीं कूदा। अलबत्ता कतर की तरह अमन-चैन और संवाद का ही बयान दिया। भारत के संदर्भ में यह जंगी टकराव कई मायने रखता है। तालिबानी विदेश मंत्री आमिर खान ने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भारत की संप्रभुता और एकता-अखंडता का समर्थन किया। भारत-अफगान विदेश मंत्रियों का जो साझा घोषणा-पत्र सार्वजनिक किया गया है, उसमें दोनों देश एक-दूसरे की संप्रभुता, एकता-अखंडता का समर्थन कर रहे हैं। जाहिर है कि पाकिस्तान की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। दरअसल भारत सरकार ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अफगानिस्तान भेजकर उनकी संसद का निर्माण कराया। योजना आयोग की तर्ज पर एक खास दफ्तर बनाया गया है।

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करो। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मों को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वंद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वंद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वंद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वंद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक है। और अनन्त काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अर्जुन को उपदेश देते हैं कि अर्जुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए, जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर वह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो।

शहबाज शरीफ ने चापलूसी के सारे रिकॉर्ड तोड़कर पाकिस्तान के मस्तक पर चमचे का ताज सजा दिया है

नीरज कुमार दुबे

शर्म-अल-शेख में आयोजित गाजा शांति सम्मेलन का मंच सिर्फ पश्चिम एशिया की राजनीति का नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया के भविष्य के संकेतों का भी साक्षी बना। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब सार्वजनिक रूप से कहा कि 'भारत और पाकिस्तान बहुत अच्छे से साथ रहेंगे' और साथ ही भारत को 'महान देश' बताते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की अप्रत्यक्ष प्रशंसा की, तो यह केवल कूटनीतिक शिष्टाचार नहीं था। यह बयान दरअसल उस रणनीतिक संदेश का प्रतीक है, जिसके जरिए ट्रंप एक साथ दोनों एशियाई देशों के साथ अपने रिश्तों को संतुलित रखना चाहते हैं– लेकिन प्राथमिकता के पलड़े भारत की ओर झुके दिखते हैं।

ट्रंप के इस वक्तव्य के पीछे दो परतें साफ दिखती हैं। पहली यह है कि वह यह जताना चाहते हैं कि उनकी मध्यस्थता के बिना भारत-पाक युद्ध छिड़ जाता, जो अमेरिकी 'विश्व उद्धारक' की छवि को पुनः स्थापित करने की कोशिश है। दूसरी, मोदी के लिए इस्तेमाल किया गया "my very good friend" जैसा संबोधन न सिर्फ व्यक्तिगत निकटता दर्शाता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि अमेरिका की दक्षिण एशिया नीति अब पाकिस्तान की 'रणनीतिक उपयोगिता' से कहीं आगे निकल चुकी है।

भारत के दृष्टिकोण से देखें तो यह वह क्षण था जब कूटनीति की मेज पर 'संवाद के साथ संप्रभुता' का भारतीय मॉडल विजयी होता दिखा। भारत ने न तो अमेरिकी मध्यस्थता को स्वीकार किया, न ही पाकिस्तान की शांति-अभिनय की भाषा में शामिल हुआ। विदेश मंत्रालय ने इस पूरे प्रसंग को संयमित शब्दों में संभालते हुए ट्रंप की भूमिका की सराहना तो की, पर स्पष्ट किया कि भारत शांति के लिए 'प्रत्यक्ष बातचीत' में विश्वास रखता है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी ट्रंप के प्रयासों की 'ईमानदारी' को रेखांकित करते हुए, गाजा में बंधकों की रिहाई पर मानवता की जीत पर जोर दिया, न कि किसी नेता की।

इसके बरअक्स पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का रवैया चौंकाने वाला और कुछ हद तक लज्जाजनक रहा। ट्रंप की प्रशंसा में उन्होंने जिस तरह चापलूसी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए, वह पाकिस्तान की कूटनीतिक निर्भरता का प्रतीक बन गया। 'मैं इस महान राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करता हूं,' से लेकर 'अगर यह सज्जन न होते तो भारत-पाकिस्तान युद्ध में कोई जीवित न बचता' तक, हर वाक्य आत्मसमर्पण जैसा लगा। यह सिर्फ अमेरिकी कृपा पाने की कोशिश नहीं थी, बल्कि अपने घरेलू असंतोष और सैन्य दबावों के बीच शरीफ द्वारा सुरक्षा-राजनीति की लगाम वॉशिंगटन के हाथों में सौंपने जैसा कृत्य था।

यह वही पाकिस्तान है जिसने वर्षों तक अमेरिका से 'समानता' की मांग की, पर अब एक नेता के व्यक्तिगत 'धन्यवाद' में अपनी संप्रभुता का स्वर खो बैठा। शहबाज शरीफ का यह रवैया दो बातों को उजागर करता है। पहला यह कि पाकिस्तान की विदेश नीति आज आत्मनिर्भरता से कोसों दूर है और दूसरा यह कि शहबाज अपनी नाकामी को अमेरिकी प्रशंसा से ढंकने की कोशिश कर रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर, ट्रंप की मुस्कराहट वाली तस्वीर भी बहुत कुछ कहती है। ट्रंप ने जिस सहजता से कहा "He is going to help make that happen, right?" वह एक राजनीतिक व्यंग्य था। यह संकेत था कि अमेरिका अब दक्षिण एशिया में 'मध्यस्थ' नहीं बल्कि 'निर्देशक' की भूमिका निभाना चाहता है और शहबाज शरीफ ने उसी वाक्य को अपने 'कृतज्ञता के ग्रंथ' में बदल डाला।

हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप की 'शांति की राजनीति' में भारत की भूमिका गरिमा के साथ सीमित रही। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह का सम्मेलन में उपस्थित होना और भारत का आधिकारिक वक्तव्य, दोनों ने यह संदेश दिया कि भारत किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर 'दूसरों के सहारे' नहीं बल्कि 'अपने सिद्धांतों' पर खड़ा रहेगा।

इस पूरी घटना का सार यही है कि जहाँ ट्रंप अपनी चुनावी छवि के लिए वैश्विक शांति-स्थापक का वस्त्र पहन रहे हैं, वहीं शहबाज शरीफ अपने कूटनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए उस वस्त्र के किनारे झाड़ रहे हैं। मोदी की शांत-नपी-तुली प्रतिक्रिया और शहबाज शरीफ की अतिशय प्रशंसा का यह विरोधाभास न केवल दोन नेताओं के व्यक्तित्व का अंतर बताता है, बल्कि दक्षिण एशिया के शक्ति-संतुलन का भी प्रतीक है।

शर्म-अल-शेख का यह दृश्य इतिहास में शायद 'गाजा शांति सम्मेलन' के नाम से दर्ज होगा, पर भारत और पाकिस्तान के लिए यह एक और संकेत छोड़ गया कि जो नेतृत्व अपने राष्ट्रीय सम्मान को दूसरों की तारीफों में खो देता है, वह शांति नहीं, पराधीनता का मार्ग चुनता है। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नेताओं की

भाषा और बर्ताव ही यह तय करते हैं कि वे अपने देश का प्रतिनिधित्व किस गरिमा से कर रहे हैं।

बहरहाल, वैसे तो नरेंद्र मोदी और शहबाज शरीफ के बीच किसी तरह की तुलना नहीं की जा सकती, लेकिन दो पड़ोसी राष्ट्रों के नेतृत्व के बीच का अंतर इस मंच पर साफ दिखाई दिया। मोदी ने भारत के स्वाभिमान को दृढ़ता से बरकरार रखा और ट्रंप ने मोदी की प्रशंसा की, ना कि मोदी ने ट्रंप की प्रशंसा की। इसके उलट, शहबाज शरीफ ने अपने देश के स्वाभिमान की चिंता किए बिना सार्वजनिक मंच से ट्रंप की खुलेआम चापलूसी की। यह दृश्य दक्षिण एशिया की बदलती राजनीतिक मानसिकता और नेतृत्व की गुणवत्ता पर गहरी टिप्पणी छोड़ गया– जहाँ भारत का नेतृत्व आत्मगौरव और संतुलन का प्रतीक बनकर उभरा, वहीं पाकिस्तान का नेतृत्व आत्मविश्वासहीनता और निर्भरता की छवि में सिमट गया।

दिवाली और छठ पूजा के लिए घर जाने के लिए ट्रेन में बढ़ती भीड़ से यात्री परेशान

कांतिलाल मांडोत

गुजरात में सूरत उद्योग और डायमंड उद्योग में रोजगार के लिए उत्तर भारत के लोगो की संख्या करीब 15 लाख तक पहुंच गई है। दिपाली,छठ पूजा और बिहार चुनाव तीनो अवसर एक साथ आ जाने से सूरत सहित सूरत के उधना स्टेशन पर अप्रत्याशित भीड़ उमड़ रही है। दिवाली और छठ पूजा में गिनती के दिन बाकी है। उसी तरह मुम्बई से उदयपुर,भीलवाड़ा ,चित्तौड़गढ़ वाया अहमदाबाद से जाने वाली ट्रेन की कमी का खामियाजा सात लाख प्रवासी भोग रहे है। रोजगार ढूंढने आने वाले व्यापारी वर्ग,उद्योगपतियों और श्रमिको को घर जाने पर आवागमन की सुविधा नही मिलती है। सूरत शहर में कपड़ा,डायमंड उद्योग से जुड़े मजदूर वर्ग को दिवाली वैकेशन का इंतजार रहता है। सिल्क सिटी और डायमंड नगरी के नाम से प्रख्यात सूरत में लाखों प्रवासी श्रमिक हर साल त्योहारों में अपने वतन परिवारों के पास पहुंचते है। खासकर,बिहार चुनाव के मद्देनजर रवानगी लेने वालों की संख्या बहुत बढ़ गई है। स्टेशन पर जगह जगह पर अफरातफरी का माहौल है। ट्रेनों में सीट पाने के लिए धक्का-मुक्की की नौबत आ रही है। कई लोग शौचालय में बैठकर सफर कर रहे है। रेलवे स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण के लिए इन्तजाम किये गए है। स्टेशन पर हर कोने पर सीसीटीवी की निगरानी है। लेकिन आलम यह है कि हर बार की तरह यात्री इस बार भी बहुत परेशान हो रहे है। भीड़ वाले हिस्सो में सर्विलांस भी किये गए है। दिवाली अवकाश को लेकर उत्तर प्रदेश,बिहार, झारखंड और ओडिसा सहित राजस्थान रवाने होने वाले यात्रियों की उधना रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ देखने को मिली है। देश भर में 12 हजार स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला लिया है। जो 15 नवम्बर तक जारी रहेगी। स्पेशल ट्रेन का सफर फेस्टिवल तक सुविधा उपलब्ध की जा सकती है। लेकिन मुम्बई उदयपुर के लिए प्रतिदिन एक भी ट्रेन उपलब्ध नही है। उदयपुर के लिए साप्ताहिक तीन दिन ट्रेन चलती है। इसके लिए उद्योग जगत से जुड़े हुए उद्योगपतियों ने रेलवे मंत्री से भी गुहार लगाई है। लेकिन रेल सेवा उपलब्ध नही हुई। मेवाड़ प्रवासियों की संख्या 8 लाख है। मुम्बई और सूरत में कपड़ा उद्योग और डायमंड उद्योग से जुड़े व्यापारियों और श्रमिको को हररोज बतौर आवागमन करना पड़ता है। सूरत से मेवाड़ के लिए सीधी निजी बसों की सुविधा है। सरकार की एक भी बस सूरत से उदयपुर के लिए नही है। ऐसे हालात में प्रवासियों को बहुत तकलीफ का सामना करना पड़ता है। उतर भारत का भी यही आलम है। अहमदाबाद पटना स्पेशल ट्रेन 1 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक,सप्ताह में दो बार चलेगी। सूरत दरभंगा हर तीन दिन में एक ट्रेन की सुविधा दी जा रही है। बांद्रा टर्मिनल गोरखपुर स्पेशल छठ की पूर्व संध्या पर विशेष ट्रेन,वापसी की व्यवस्था सहित चलाई जा रही है। लेकिन इसके बावजूद सूरत से जाने वालों की संख्या इस बार लाखो है। तब सवाल उठता है कि बड़ी संख्या में यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है। विशेष ट्रेनों के बजाय नियमित अनरिजर्वड ट्रेनों की व्यवस्था की घोषणा की है। फिर भी यात्रियों की संख्या बहुत अधिक है कि अतिरिक्त ट्रेनें भी कम पड़ रही है। यात्रियों से अपील की जा रही है कि शांति बनाए रखे। टेक्सटाइल उद्योग और डायमंड उद्योग का प्रमुख केंद्र है। जहाँ बड़ी संख्या में उत्तरभारतीयों और राजस्थान सहित मेवाड़ उदयपुर के प्रवासी है। ये प्रवासी कपड़े की मिलो में काम करते है। जहां से अरबो रुपये का राजस्व रेलवे और केंद्र सरकार को जाता है। लेकिन परिवहन सेवा के लिए आज भी लाखों प्रवासी जूझ रहे है। सरकार सुनती नही है। कई बार उदयपुर के लिए मेवाड़ रेल चलाओ अभियान की मुहिम चला कर ज्ञापन प्रेषित किया जा चुका है। लेकिन इन प्रवासियों की मांग मंजूर नही की जा रही है। सूरत पर सरकार को आवागमन पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उदयपुर मेवाड़ के लिए मुम्बई और सूरत से वाया अहमदाबाद होकर गुजरने वाली एक भी प्रतिदिन चलने वाली ट्रेन की सुविधा नही है। प्रवासी यात्रियों की पीड़ा काश कोई अनुभव कर सकता तो निश्चित ही ट्रेन सुविधा उपलब्ध करा दी गई होती। उत्तरभारत के दिवाली,छठ और बिहार चुनाव के इस संगम को ध्यान में रखते हुए रेलवे मंत्रालय विशेष ट्रेन की सुविधा दिवाली के पूर्व उपलब्ध करानी होगी, तभी लोगो का आवागमन सुलभ हो सकता है। उधना में होल्डिंग एरिया में सैकड़ो श्रमिक एकत्र हुए हैं। जबकि लाइन लगाकर ट्रेन में बैठने के लिए जान पड़ता है। यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए स्थाई समाधान कराया जाए। क्योंकि छठ,पूजा और बिहार चुनाव में सुविधा उपलब्ध हो सकती है। लेकिन उदयपुर मेवाड़ के लिए कई बार ट्रेन उपलब्ध कराने की मांग स्वीकृत नही हुई है। सूरत से उदयपुर के लिए सप्ताह में तीन दिन यात्रियों को सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। यह नाकाफी है। सूरत से निजी बसों का संचालन है। ये मनमाफिक किराया वसूल कर रहे है। सीजन में डबल स्लीपर की रेट उदयपुर के लिए तीन हजार तक मुकर्रर की जाती है। लेकिन उसके बाद भी प्रवासियों को परेशान होना पड़ता है। प्रवासियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर ट्रेन सुविधाओं पर रेल मंत्रालय ध्यान आकृष्ट कर सुविधा उपलब्ध कराई जाए। देश मे 12 हजार स्पेशल ट्रेन शुरू की गई है। लेकिन सूरत में तो ऊंट के मुह में जीरा वाली कहावत ही चरितार्थ होती दिखाई दे रही है। उदयपुर, चित्तौड़गढ़ के बीच सूरत से दूरिया कम होने के कारण यात्रियों का आवागमन होता ही रहता है। जबकि उत्तर भारतीय तो सालभर में एक बार घर लौटते है। भीड़ की वजह से परिवार बच्चों के साथ यात्रा करने पर अधिक तकलीफ होती है। धक्का-मुक्की से परेशान बच्चे और मेरा के लिए पीड़ादायक है। सूरत में होल्डिंग एरिया में पैर रखने की जगह नही है। हालात काबू में करने के लिए रेलवे पुलिस ने मैनेजमेंट की व्यवस्था की है। चप्पे चप्पे पर पुलिसकर्मियों की तैनाती है। होल्डिंग एरिया में यात्रियों को कतारबद्ध तरीके से खड़े रहने और बैठने की व्यवस्था की गई है। अस्थाई सुविधा के लिए बिहार विकास परिषद और सामाजिक संगठनों ने रेलवे सुविधा देने के लिए अपील की गई है। उधर मेवाड़ रेल चलाओ अभियान के कार्यकर्ताओं ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से गुहार लगाई है। मेवाड़ रेल चलाओ अभियान के अध्यक्ष सुरेश लौढ़ा ने बताया कि उदयपुर के लिए हररोज दो ट्रेन की आवश्यकता है। जिसको प्रतिदिन मुम्बई से वाया अहमदाबाद होकर उदयपुर और मावली तक सेवा दी जानी चाहिए,जिससे समस्या का समाधान हो जाएगा। मुम्बई से 750 की दूरी है। जबकि उदयपुर सूरत की 450 किमी की दूरी है। यहां से हर रोज लोगो का आवागमन होता है। दरअसल, उत्तरभारत के लिएभी ट्रेन सुविधा उपलब्ध कराई जानीही चाहिए। लेकिन उनके लिए फेस्टिवल ट्रेन का बहुत महत्व है। क्योंकि उनको हररोज उत्तरभारतीयों को नही जाना होता है। ट्रेन में इस वक्त सवार होना किसी जंग से कम नही है। धक्का मुक्की कर ट्रेन में प्रवेश भी कर दिया तो अंदर जाकर खड़ा ही रहना पड़ता है। जिससे किसी अनहोनी को नजरअंदाज नही किया जा सकता है। दिवाली महापर्व और उसके बाद बिहार-उत्तर प्रदेश में छठ के त्योहार पर कंफर्म रेल टिकट की मारामारी के चलते प्रवासियों के लिए घर जाना मुश्किल हो रहा है। मध्यप्रदेश राजस्थान छत्तीसगढ़ और गुजरात से बिहार-उत्तर प्रदेश जाने तथा दक्षिण भारत से इन प्रदेशों में आने वाली प्रमुख ट्रेनों में नवंबर के दूसरे सप्ताह तक कंफर्म टिकट नहीं मिल रहा। सूरत में उद्योग से जुड़े श्रमिकों के लिए उत्तरप्रदेश, बिहार,छत्तीसगढ़, राजस्थान, एमपी आदि राज्यों के लिए ट्रेन सुविधाएं उपलब्ध कराए, जिससे श्रमिको को आवाजाही में परेशानी नही हो सके।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

आ रही है ऋतिक रोशन की नई वेब सीरीज, सबा आजाद भी आएंगी नजर

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन के फैंस के लिए खुशखबरी है। एक ओर जहां वह कृष 4 में डायरेक्शन की कमान संभालने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं जल्द ही ओटीटी पर भी डेब्यू करने वाले हैं। हालांकि, उनकी यह पारी एक्टर के तौर पर नहीं होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने एक नई ओरिजिनल ड्रामा सीरीज स्टॉर्म की घोषणा की है। इस प्रोजेक्ट के साथ ऋतिक रोशन और उनकी कंपनी फिल्मक्राफ्ट प्रोडक्शंस का हिस्सा ने हाथ मिलाया है। हालांकि, सीरीज का नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इसे तत्काल स्टॉर्म नाम दिया गया है। ऋतिक रोशन और ईशान रोशन इस सीरीज को प्रोड्यूस कर रहे हैं।

ऋतिक रोशन बोले- सीरीज की कहानी दिलचस्प और सच्चाई से भरी

बतौर प्रोड्यूसर, अपनी ओटीटी पारी के लिए ऋतिक रोशन ने कहा, 'स्टॉर्म, ने मुझे ओटीटी की दुनिया में बतौर प्रोड्यूसर अपनी शुरुआत करने का एक शानदार मौका दिया। जिस चीज ने मुझे इस सीरीज की तरफ खींचा, वह है अजीतपाल द्वारा बनाई गई दिलचस्प और सच्चाई से भरी दुनिया है। कहानी गहरी, दमदार और यादगार किरदारों से भरी हुई है। मैं इसको लेकर बहुत एक्साइटेड हूं।

दमदार महिला किरदारों की कहानी होगी स्टॉर्म

प्राइम वीडियो के वाइस प्रेसिडेंट, गौरव गांधी कहते हैं, प्राइम वीडियो में हमारा मकसद हमेशा अच्छे कलाकारों और क्रिएटिव लोगों को मौका देना है, चाहे वो कैमरे के आगे हों या पीछे। हम ऐसी कहानियां लाना चाहते हैं जो दुनिया भर के लोगों को पसंद आएं। ऋतिक रोशन भारतीय फिल्मों के सबसे टैलेंटेड स्टार्स में से एक हैं। उन्होंने आगे कहा, 'स्टॉर्म, सिर्फ एक सीरीज नहीं है, बल्कि एक नए और रोमांचक सफर की शुरुआत है, जिससे आगे और भी बेहतरीन प्रोजेक्ट्स आएंगे। यह दमदार महिला किरदारों की दिलचस्प कहानी है। हमें यकीन है कि दुनियाभर के दर्शकों को यह पसंद आएगी।

मेल एक्टर्स को लेकर कभी हेडलाइन नहीं बनी

अपनी लड़ाई चुपचाप लड़ती हूं

दीपिका पादुकोण जब से संदीप रेड्डी वंगा की फिल्म स्पिरिट से बाहर हुईं इंडस्ट्री में आठ घंटे की शिफ्ट टाइमिंग को लेकर अलग बहस छिड़ गई। कथित तौर पर दीपिका ने काम के घंटों में असहमति के चलते ही फिल्म छोड़ी थी। इंडस्ट्री में तमाम लोग दीपिका के सपोर्ट में आए, तो कुछ ने विपरीत टिप्पणी की। अब पहली बार खुद दीपिका पादुकोण ने इस मसले पर चुप्पी तोड़ी है।

यह मेरा तरीका नहीं

दीपिका पादुकोण ने हाल ही में बातचीत में इंडस्ट्री में जोर-शोर से चल रही इस बहस पर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा, मैंने ये कई लेवल्स पर किया है, मेरे लिए ये नई बात नहीं है। मुझे लगता है कि पेमेंट जैसी चीजों के मामले में भी मुझे जो कुछ भी मिला, उससे निपटना पड़ा। मुझे नहीं पता इसे क्या कहूं, लेकिन मैं हमेशा अपनी लड़ाई चुपचाप लड़ती हूं और किसी अजीब वजह से कभी-कभी ये सार्वजनिक हो जाती है। यह मेरा तरीका नहीं है। न ही मैं ऐसे पली-बढ़ी हूं। लेकिन हां, अपने लिए बोलना और अपनी लड़ाई चुपचाप व गरिमा के साथ करना ही मेरा तरीका है। दीपिका पादुकोण ने पुरुष कलाकारों का भी उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, एक महिला होने के नाते अगर यह दबावपूर्ण या कुछ और लगता है, तो ऐसा ही हो। मगर, इसमें कोई सीक्रेट नहीं कि कई सुपरस्टार्स, मेल सुपरस्टार्स इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में आठ घंटे काम करते आए हैं। वर्षों से वे ऐसा कर रहे हैं। इसकी कभी हेडलाइन नहीं बनी हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं नाम नहीं लेना चाहती, जिससे कि यह बड़ा मुद्दा बने। मगर, यह बात सब जानते हैं कि कई मेल एक्टर्स दिन में आठ घंटे काम करते हैं। कुछ सोमवार से शुक्रवार तक आठ घंटे काम करते हैं और वीकएंड में काम नहीं करते हैं।

दीपिका के फाउंडेशन को हुए 10 वर्ष

दीपिका पादुकोण वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे के मौके पर मध्य प्रदेश गई थीं। वहां उन्होंने अपने फाउंडेशन लिव लव लाफ के 10 साल पूरे होने को सेलिब्रेट किया। एक्ट्रेस का यह फाउंडेशन देशभर में मेंटल हेल्थ को लेकर जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभा रहा है। दीपिका के वर्क फ्रंट की बात करें तो दीपिका शाहरुख के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आएंगी।

स्पिरिट और कल्कि 2898 एडी से बाहर हुई दीपिका

दीपिका पादुकोण ने फिल्म स्पिरिट और कल्कि 2898 एडी में आठ घंटे की शिफ्ट टाइमिंग में काम करने की शर्त रखी थी। बिटिया के जन्म के बाद उन्होंने मेकर्स के सामने यह मांग रखी, जिसे अस्वीकार कर दिया गया और दीपिका ने दोनों फिल्में छोड़ दीं।

अब हालिया इंटरव्यू में दीपिका ने विस्तार से इस पर बात की है। उन्होंने वर्किंग टाइमिंग को लेकर नए सिरे से छिड़ी बहस पर रिएक्शन दिया। उन्होंने बहुत सलीके से कहा कि वे अपनी लड़ाइयां खुद लड़ती हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा इंडस्ट्री में हो रही उन बातों का भी जिक्र किया, जहां बराबरी, इंसाफ और सम्मान की चर्चा होती है।

चंडीगढ़ के व्यवसायी से शादी करेंगी तृषा कृष्णन!

तृषा कृष्णन उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जो अपनी निजी जिंदगी को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। अफवाहें उड़ रही थीं कि वो अभिनेता थलापति विजय के साथ रिश्ते में हैं। हालांकि अब एक खबर लोगों को हैरान कर रही है, जिसमें कहा जा रहा है कि वो एक व्यवसायी से शादी करने वाली हैं।

चंडीगढ़ के व्यवसायी से करने वाली हैं शादी!

रिपोर्ट के अनुसार, तृषा कृष्णन के माता-पिता चंडीगढ़ के एक व्यवसायी के साथ उनकी नई शादी के लिए राजी हो गए हैं। हालांकि अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन इस खबर से चर्चाओं का बाजार गरम हो गया है और कहा जा रहा है कि दोनों परिवार कथित तौर पर कई साल से एक-दूसरे को जानते हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने शादी के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने ईमानदारी से कहा कि अगर उन्हें सही व्यक्ति मिले तो वह शादी करने को तैयार हैं। हालांकि उन्हें लगता है कि अभी सही समय नहीं आया है। जहां तक उनके माता-पिता की बात है, तो उन्होंने अभी तक चुप्पी साध रखी है, उन्होंने अभी तक न तो इन अफवाहों की पुष्टि की है और न ही खंडन किया है।

तृषा कृष्णन का वर्कफ्रंट

तृषा कृष्णन जल्द ही फिल्म 'विश्वंभरा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में चिरंजीवी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म 'विश्वंभरा' की कहानी रहस्य, रोमांच से भरी है। तृषा और चिरंजीवी के अलावा फिल्म में आशिका रंगनाथ और कुणाल कपूर भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इस फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक एमएम कीरवानी ने तैयार किया है।

फिर मोहब्बत और परिवार के बीच फंसेंगे अजय देवगन, फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की रिलीज डेट आई सामने

अजय देवगन की अपकमिंग फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' जल्द ही रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी एक एज गैप वाले कपल की लव स्टोरी है। इस बार भी अजय देवगन और रकुल प्रीत लीड रोल में होंगे। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' से जुड़ी अपडेट शेयर की है। फिल्म कब रिलीज होगी, यह फैंस को बताया है। फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की रिलीज डेट 14 नवंबर 2025 है। फिल्म का एक मोशन पोस्टर भी शेयर किया गया है।

60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी की सफाई

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ दर्ज 60 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी के मामले में जांच तेज कर दी है। इसी कड़ी में पिछले सप्ताह शिल्पा शेट्टी का बयान दर्ज किया गया। जांच एजेंसी के अनुसार, शिल्पा शेट्टी ने अपने बयान में कहा कि उन्होंने बेस्ट डील टीवी से 4 करोड़ रुपए लिए, लेकिन यह रकम किसी निवेश या कारोबारी सौदे की नहीं थी, बल्कि उनकी सेलिब्रिटी फीस थी। शिल्पा शेट्टी ने जांचकर्ताओं से कहा कि मैं बेस्ट डील टीवी की डायरेक्टर जरूर थी, लेकिन जिन 4 करोड़ रुपए की बात हो रही है, वो मैंने कंपनी के प्रचार और विज्ञापन के लिए बतौर सेलिब्रिटी लिए थे। मैंने उस प्लेटफॉर्म पर एक विज्ञापन अभियान में हिस्सा लिया था, जिसके एवज में मुझे भुगतान किया गया। शिल्पा शेट्टी ने कंपनी से जनवरी 2016 में अपने डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, जिस कंपनी में वे डायरेक्टर थीं, उसी से पैसे लेने का मामला अब जांच के दायरे में है। यह सही है या गलत, यह अभी सब्जेक्ट टू इंटरप्रिटेशन है। अधिकारी ने आगे कहा कि जांच के दौरान कंपनी से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल में एक और अहम जानकारी सामने आई है। शुरुआती चरण में इस कंपनी में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार भी इक्विटी होल्डर रह चुके हैं। हालांकि, अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में अक्षय कुमार का कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं पाया गया है। अक्षय कुमार ने कभी भी कंपनी की किसी बोर्ड मीटिंग में हिस्सा नहीं लिया और न ही वे कंपनी के रोजमर्रा के कार्यों से जुड़े थे।

बता दें कि शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा पर व्यवसायी दीपक कोठारी ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। कोठारी का दावा है कि दंपति ने मिलकर उनका पैसा व्यवसाय में विस्तार करने के लिए कर्ज के तौर पर लिया था, लेकिन टैक्स को लेकर दोनों ने इसे निवेश के तौर पर दिखाने के लिए कहा। कोठारी ने शिकायत में यह भी कहा कि शिल्पा ने उनसे वादा किया था कि वह ब्याज की रकम भी टाइम पर लौटाएंगी, लेकिन पैसे वापस करने के समय शिल्पा ने कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया। एक्ट्रेस ने व्यवसाय में विस्तार के नाम पर पैसे लिए, लेकिन अपने निजी चीजों में खर्च कर दिए।

तुनिषा के जाने के बाद अब प्यार से डर लगता है

छोटे पर्दे पर पिछले 12-13 साल से एक्टिव रहे शीजान खान की जिंदगी में उस वक्त तूफान आ गया था, जब उन्हें तीन साल पहले को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड केस में जेल जाना पड़ा। हालांकि, जेल से बाइज्जत बरी होने के बाद शीजान ने अपनी दूसरी पारी शुरू की। जेल में 70 दिन बिताने के बाद जब शीजान वापस घर लौटे, तो यकीनन उनकी जिंदगी अब आसान नहीं थी। खास बातचीत में शीजान ने अपने करियर और निजी जिंदगी, दोनों पर खुलकर बात की है।

वह कहते हैं कि आज भी उन्हें कई बार नींद नहीं आती। तुनिषा के जाने के बाद दिल और दिमाग पर ऐसा असर पड़ा है कि अब प्यार से डर लगता है। शीजान अब टीवी पर गुम है किसी के प्यार में के बाद नए शो गंगा माई की बेटियां में सिद्धू के किरदार में चर्चा बटोर रहे हैं।

अपने नए शो के बारे में वह कहते हैं, हमारे इस शो में जेंडर डिस्क्रिमिनेशन का मुद्दा उठाया गया है। ये मैंने अपने आस-पास भी देखा है कि कैसे बेटे की चाहत में औरत पर लगातार बच्चे पैदा करने का दबाव डाला जाता है। ये कोई नहीं सोचता कि उस मां का क्या हाल होता होगा? बेटे के चक्कर में जो पूरी फौज इकट्ठा कर दी जाती है, यह सोच मुझे बहुत अखरती है।

बेटियां पराया धन होती हैं, इस बात से चिढ़ है शीजान को समाज में लड़की और लड़के के बीच किए जाने वाले भेदभाव पर कड़ा ऐतराज है। वह कहते हैं, मुझे सबसे ज्यादा बुरा तब लगता है, जब बेटियों को कहा जाता है, ये तो पराया धन हैं। मैंने खुद अपनी बहनों को कहा है कि ये तुम्हारा घर है। कल को शादी होने के बाद तुम्हें अपने घर में किसी भी तरह की कोई दिक्कत लगे, तो सीधे घर आ जाना। ये घर उसका ही है। मैं खुद महिलाओं के बीच पला-बढ़ा हूं। मेरी परवरिश मेरी मां और बहनों ने की है, तो मेरा फेमिनिन साइड मेरे मैस्कुलिन साइड से ज्यादा स्ट्रॉन्ग है। मैं अपने उस पहलू पर गर्व करता हूं। मेरा यही पक्ष मुझसे दूसरों से अलग भी बनाता है कि कम से कम मैं दूसरों का साइड समझने की कोशिश करता हूं।

जेल में रहने के दौरान मां और बहन बनीं सबसे बड़ा सहारा

अली बाबा- दास्तान-ए-काबुल से लोकप्रिय हुए शीजान खान, इसी शो में अपनी को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड, और जेल जाने के उस दौर को याद करते हुए कहते हैं, मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर तो वही था। मैं सोचता था कि खुद को संभालू कैसे? क्योंकि तूफान तो गुजर गया और बर्बाद करके गया, मगर उसके बाद का समय बहुत चैलेंजिंग था। मेरी सच्चाई और मेरा जज्बात खुदा जानता है और बहुत जल्द ये दुनिया भी जान जाएगी। उस मुश्किल समय में मेरा खुदा, मेरी मां और बहनें ही मेरा सबसे बड़ा सहारा थीं। ये ही लोग मेरे लिए लड़ी और मेरे साथ खड़ी रहीं। आज जब मैं दोबारा अपने पैरों पर खड़े होकर अपने करियर को रिवाइव कर पाया, तो सबसे ज्यादा गर्व इन्हीं लोगों को हुआ है।

मेरी मां की दुआ काम आई

अपनी दूसरी पारी के बारे में शीजान कहते हैं, हमारी इंडस्ट्री बहुत छोटी-सी है। मैं यहां 12-13 साल से काम कर रहा हूं, तो लोग मुझे बहुत अच्छे से जानते हैं। उनको मुझ पर भरोसा था, मेरे घर वालों को मुझ पर भरोसा था। मैं भी जानता था कि मैं टूट चुका हूं, मगर बिखरूंगा नहीं। मेरी मां की दुआ थी, जो मुझे जेल से आने के बाद दूसरा मौका मिला। लोगों को तो वो भी नहीं मिलता। मुझे जो भी काम मिला है, मैं करता चला गया।

कई बार नींद नहीं आती...

तुनिषा शर्मा की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के बाद क्या शीजान को प्यार -मोहब्बत जैसी बातों से विरक्ति हुई है? इस पर वह कहते हैं, देखिए प्यार से डर लगता है अब। कभी -कभी नींद नहीं आती। मगर जिंदगी में आगे बढ़ना पड़ता है। मुझे म्यूजिक पसंद है। गजलें और शायरी में बहुत रुचि है। कतील शिफाई, अहमद फराज, राहत इंदौरी साहब, बशीर बद्र, गुलजार जैसे तमाम शायरों को पढ़ता-सुनता हूं।

भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराकर 2-0 से क्लीन स्वीप किया

-प्लेयर ऑफ द मैच कुलदीप यादव

-प्लेयर ऑफ द सीरीज : रविन्द्र जडेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज को दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में सात विकेट से हराने के साथ ही 2-0 से सीरीज जीत ली है। भारतीय टीम ने पांचवे और अंतिम दिन पहले सत्र में ही तीन विकेट पर 121 रनों का लक्ष्य हासिल करने के साथ ही सीरीज अपने नाम की। भारतीय टीम को अंतिम दिन जीत के लिए 58 रन बनाने थे जो उसने तीन विकेट के नुकसान पर बना लिए। भारतीय टीम ने चौथे दिन के एक विकेट पर 63 रन से आगे खेलते हुए पांचवे दिन सुबह साई सुदर्शन 39 रन और शुभमन 13 के विकेट खो दिये। वहीं के एल राहुल ने नाबाद 58 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इससे पहले भारतीय टीम ने पहला टेस्ट पारी और 140 रन से जीता था।

दूसरे टेस्ट की जीत में स्पिनर कुलदीप यादव और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की अहम भूमिका रही। कुलदीप ने इस मैच की दोनो पारियों में कुल मिलाकर 8 विकेट लिए जबकि यशस्वी ने पहली पारी में 175 रन बनाकर भारतीय टीम को बढ़त दिलायी। भारतीय टीम ने पहली पारी में पांच विकेट पर 518 रन बनाये। वहीं वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी मे 248 रनों पर आउट हो गयी थी। इस प्रकार भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 270 रनों की बढ़त मिली थी। जिसके आधार पर उसने वेस्टइंडीज को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर किया। कैरेबियाई टीम ने फॉलोऑन खेलते हुए दूसरी पारी में जॉन कैम्पबेल के 115 और शाई होप के 103 रनों की सहायता से 390 रन बनाए। इसके बाद भारतीय टीम को जीत के लिए 121 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने जायसवाल (8) का विकेट शुरुआत में ही गंवा दिया। वहीं इसके बाद राहुल ने नाबाद 58 और साई सुदर्शन 39 ने टीम का स्कोर आगे बढ़ाया और उसे लक्ष्य की ओर अग्रसर किया। भारत की ओर से पहली पारी में यशस्वी के 175 रनों के अलावा कप्तान शुभमन गिल ने 129 और सुदर्शन ने 87 रनों की पारी खेली थी। भारतीय टीम ने इस प्रकार वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 वीं टेस्ट सीरीज जीती है। 2002 के बाद से ही कैरेबियाई टीम भारत के खिलाफ कोई टेस्ट मैच नहीं जीत पाई है।

स्वदेश पहुंचे विराट, ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए आज भारतीय टीम से जुड़ेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली चार महीने बाद इंग्लैंड से भारत लौटे हैं। विराट अब ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम से जुड़ेंगे। भारतीय टीम बुधवार को इस दौरे पर रवाना होगी। विराट आईपीएल 2025 के बाद ही अपने परिवार के साथ लंदन चले गये थे।

विराट ने इंग्लैंड दौरे के पहले ही टेस्ट प्रारूप से संन्यास ले लिया था। अब वह केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी में मिली जीत के बाद ये विराट की पहली सीरीज होगी , इसप्रकार वह सात माह के बाद खेलते नजर आयेंगे। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे क्योंकि क्रिकेट बोर्ड ने हाल ही में रोहित शर्मा को कप्तानी से हटा दिया था। विराट के अलावा रोहित शर्मा भी इसी सीरीज से वापसी करेंगे। वह भी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इस सीरीज में विराट और रोहित के प्रदर्शन के बाद ही तय होगा कि वह आगे खेलेंगे या नहीं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 19 अक्टूबर को पर्थ स्टेडियम में शुरु होगी। इसके बाद टीम 23 अक्टूबर को एडिलेड ओवल और 25 अक्टूबर को सिडनी क्रिकेट मैदान में खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज के बाद, 29 अक्टूबर से पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज भी खेली जाएगी। यह दौरा टीम इंडिया के लिए आगामी वर्ष की तैयारियों में अहम साबित होगा। भारतीय टीम ने अंतिम बार साल 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था, जहां उसे एकदिवसीय सीरीज में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

संजू सैमसन की केरल रणजी टीम में वापसी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। संजू सैमसन का नाम केरल की रणजी ट्रॉफी टीम में वापस आ गया है और इसके साथ ही उत्सुकता, उत्साह और शांत जिज्ञासा की लहर आ गई है। केरल 15 अक्टूबर से तिरुवनंतपुरम में अपने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के पहले मैच में महाराष्ट्र का सामना करने के लिए तैयार है, ऐसे में विकेटकीपर-बल्लेबाज की लाल गेंद क्रिकेट में वापसी एक तरह से घर वापसी और सामंजस्य दोनों का प्रतीक है।

संजू सैमसन को आखिरी बार प्रथम श्रेणी मैच खेले हुए लगभग एक साल हो गया है, उनका पिछला मैच कर्नाटक के खिलाफ था। पिछले एक साल में, उनका ध्यान मुख्य रूप से सफेद गेंद के प्रारूपों पर केंद्रित रहा है, जिसमें उन्होंने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स का नेतृत्व किया और भारत की टी20 अंतर्राष्ट्रीय टीम में भी शामिल रहे। अब, जब वह एक बार फिर केरल की सफेद जर्सी पहन रहे हैं, तो सैमसन के पास लाल गेंद क्रिकेट की मांग वाले कौशल और धैर्य को फिर से दिखाने का मौका है। केरल के चयनकर्ताओं ने कप्तानी मोहम्मद अज़हरुद्दीन को सौंप दी है, जबकि बाबा अपराजित को उप-कप्तान बनाया गया है। यह कदम टीम के निरंतरता पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है, जबकि सैमसन इस महीने के अंत में राष्ट्रीय टीम के लिए तैयारी कर रहे हैं।

आईसीसी रैंकिंग : स्मृति मंधाना की शीर्ष पर बढ़त मजबूत

दुबई (एजेंसी)। मौजूदा आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में कई शीर्ष प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों ने ताजा आईसीसी महिला वनडे खिलाड़ी रैंकिंग में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की है। विशाखापत्तनम में शानदार 80 रनों की पारी खेलकर फॉर्म में लौटी भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए हुए हैं और शीर्ष पर अपनी मजबूत बढ़त बनाए हुए हैं। हालांकि कई खिलाड़ियों ने मौजूदा टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के साथ अपनी स्थिति में सुधार किया है।

इनमें ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली भी शामिल है, जो भारत के खिलाफ रोमांचक मैच में 142 रनों की शानदार पारी खेलकर नौ स्थानों की लंबी छलांग लगाकर संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। 700 रेटिंग अंकों के साथ, हीली मंधाना, इंग्लैंड की कप्तान नैट शिवर-ब्रंट और बेथ मूनी से पीछे हैं और रैंकिंग में और ऊपर पहुंचने की कोशिश करेंगी। वह दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट के साथ चौथे स्थान पर हैं, जिन्होंने भी अपनी हालिया पारियों की बदौलत तीन स्थान की छलांग लगाई है, जिसमें भारत के खिलाफ मैच जिताऊ 70 रन भी शामिल हैं।

टूर्नामेंट में रन चार्ट में शीर्ष पर चल रही न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन भी दो स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गई। दक्षिण अफ्रीका की चेज विशेषज्ञ नादिन डी क्लर्क जिन्होंने विशाखापत्तनम में दो बार प्रोटियाज के सफल चेज प्रयासों का नेतृत्व किया है, बल्लेबाजी रैंकिंग में 26 स्थान की छलांग लगाकर 32वें स्थान पर आ गईं। आईसीसी महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में सोफी एक्लेस्टोन नंबर 1 स्थान पर बनी हुई हैं, उनके ठीक पीछे गार्डनर हैं। हालांकि, क्रिकेट विश्व कप के एक आकर्षक सप्ताह के बाद शीर्ष 10 में नए नाम शामिल हुए हैं।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड छह स्थान की छलांग लगाकर 8वें स्थान पर पहुंच गईं। नोनकुलुलेको म्लाबा बाएं हाथ की स्पिनर 8 विकेट लेकर टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज रही हैं। आईसीसी महिला वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में गार्डनर शीर्ष पर बनी हुई हैं और शीर्ष 10 में सिर्फ एक बदलाव आया है। दक्षिण अफ्रीका की क्लो ट्रायोन तीन स्थान ऊपर चढ़कर और अपना नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए इस सूची में शामिल हो गई हैं। आईसीसी मीडिया के एक बयान के अनुसार, ट्रायोन ने गेंदबाजों की रैंकिंग में भी उल्लेखनीय प्रगति की है और 18 स्थान ऊपर चढ़कर 30वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

भरत थम्मिनेनी दुनिया की 8,000 मीटर ऊंची नौ चोटियों पर चढ़ने वाले पहले भारतीय बने

कोलकाता । आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पर्वतारोही भरत थम्मिनेनी मंगलवार को छठे सबसे ऊंचे पर्वत 'माउंट चो ओयू' (8,188 मीटर) पर चढ़ाई करने के साथ दुनिया की 14 सबसे ऊंची चोटियों में से नौ पर फतह करने वाले पहले भारतीय बन गए। इस 36 वर्षीय पर्वतारोही के करीबी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इस उपलब्धि से पहले थम्मिनेनी ने मई 2017 में माउंट एवरेस्ट, सितंबर 2018 में माउंट मनास्लु, मई 2019 में माउंट ल्होत्से, मार्च 2022 में माउंट अन्नपूर्णा, अप्रैल 2022 में माउंट कंचनजंगा, मई 2023 में माउंट मकालू, अक्टूबर 2024 में माउंट शीशापंगमा और अप्रैल 2025 में माउंट धौलागिरी पर चढ़ाई की थी। ये सभी 8,000 मीटर से अधिक ऊंची चोटियां हैं। बची हुई पांच शीर्ष चोटियां माउंट के2, नंगा पर्वत, गशेरब्रुम 1 और 2 तथा ब्रॉड पीक पाकिस्तान में हैं और वर्तमान में भारतीय पर्वतारोहियों के लिए वर्जित हैं। थम्मिनेनी 30 सितंबर को चीन के चो ओयू बेस कैंप पहुंचे थे लेकिन खराब मौसम और भारी बर्फबारी के कारण उन्हें पहाड़ पर चढ़ने के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ा जिससे वह बेस कैंप में ही रुके रहे।

भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज के अनुभवों का लाभ एशेज में मिलेगा : मार्श

मुम्बई । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान मिशेल मार्श ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय और टी20 सीरीज उनकी टीम के लिए काफी फायदेमंद रहेगी। साथ ही कहा कि इसके अनुभवों का लाभ उन्हें इसके बाद होने वाली एशेज सीरीज में मिलेगा। भारतीय टीम अपने इस दौरे में तीन एकदिवसीय मैचों के अलावा पांच मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेगी। मार्श को इस सीरीज में नियमित कप्तान पैट कमिंस के चोटिल होने के कारण टी20 के साथ ही एकदिवसीय प्रारूप की भी कप्तानी दी गयी है। मार्श ने कहा, ''हमारे सभी खिलाड़ी एशेज के लिए तैयारी कर रहे हैं पर सभी को भारत जैसे शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ खेलना पसंद है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे बीच जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता है पर एक टीम के तौर पर हम उनके लिए बहुत सम्मान रखते हैं। मुझे लगता है कि एशेज सीरीज से पहले भारत का ये दौरा सही समय पर हुआ है। इसमें दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला होगा।'' इससे उनकी टीम को एशेज से पहले अपनी लय हासिल करने का भी अवसर मिलेगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से हो जाएगा रोहित और विराट के भविष्य का फैसला : शास्त्री

सिडनी । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा काफी महत्वपूर्ण रहेगा। शास्त्री का मानना है कि इस सीरीज से ही विराट और रोहित का भविष्य तय होगा। साथ ही कहा कि अगर ये दोनो अपने फार्म और फिटनेस में खरे उतरे तभी 2027 विश्व कप के लिए इनके नाम पर विचार हो सकता है। वहीं असफल रहने पर इनका बाहर होना तय है। शास्त्री ने सिडनी में एक कार्यक्रम के दौरान कहा वे दोनो ही जानते हैं कि ये सीरीज बेहद महत्वपूर्ण है। इसी लिए यहां आये हैं। उनका आगे बना रहना फिटनेस, भूख और फॉर्म पर निर्भर करेगा। सीरीज के अंत तक उन्हें स्वयं पता चल जाएगा कि वह अपने कैरियर में किस जगह पर है। इसके बाद आगे क्या करना है ये उन्हें ही तय करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि इस उम्र में अनुभव बहुत मायने रखता है पर वही खिलाड़ी खेल सकता है जिसके भीतर भूख बची हुई हो। साथ ही कहा कि 'जब बड़े मैच आते हैं, तो बड़े खिलाड़ी ही आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेते हैं। अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता, हमने इसे चैंपियंस ट्रॉफी में भी देखा है।' रोहित इस दौरे के लिए बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी फिटनेस और बल्लेबाजी पर काफी काम किया है जिसके अब वह काफी फिट नजर आते हैं जबकि विराट ने लंदन में इसकी तैयारी की। दोनों ही फिटनेस टेस्ट में भी सफल रहे हैं। ऐसे मे दोनों को ही 19 अक्टूबर से पर्थ में शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। इसी के साथ ही ये दोनो स्टार बल्लेबाज सात महीने के बाद मैदान पर वापसी करेंगे। दोनों ने ही टेस्ट और टी20 प्रारूप से पहले ही सन्यास ले लिया है और अब केवल एकदिवसीय खेल रहे हैं।

महिला विश्व कप क्रिकेट में आज होगा इंग्लैंड और पाकिस्तान का मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। महिला विश्वकप क्रिकेट में बुधवार को इंग्लैंड की टीम पाकिस्तान के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली जीत के बाद से ही इंग्लैंड की टीम के हौसले बुलंद हैं और वह सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ये मुकाबला भी जीतने उतरेगी। नेट सिवर-ब्रंट की कप्तानी में टीम भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसी बड़ी टीमों के खिलाफ खेलने से पहले अपनी लय को बनाये रखना चाहेगी। ब्रंट ने अब तक बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया है। सकती है। इंग्लैंड की श्रीलंका के खिलाफ 89 रन की जीत में कप्तान ने 117 रन बनाने के अलावा दो विकेट भी लिए थे।

स्किवर-ब्रंट के अलावा एमी जोन्स, टैमी ब्यूमोंट, हीथर नाइट और सोफिया डंकले जैसी बल्लेबाजों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसकी टीम छह अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है।

पाकिस्तान की टीम अपने सभी मैच कोलंबो में खेल रही है लेकिन इसके बावजूद वह अब तक नाकाम रही है। वह इंग्लैंड को हरा पायेगी इसकी संभावना नहीं है। इंग्लैंड इस मैच में जीत दर्ज करने पर अंक तालिका में पहले स्थान पर पहुंच जाएगा। पाकिस्तान को अब तक अपने तीनों मैच में हार का सामना करना पड़ा है और वह अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। उसके बल्लेबाज नहीं चल पा रहे हैं। उसकी टीम ने तीन मैच में अभी तक केवल एक बार 150 रन की संख्या को पार किया है।

दोनो ही टीमें टीम इस प्रकार हैं

इंग्लैंड: नैट स्किवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, लिन्सी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

पाकिस्तान: फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, एमान फातिमा, मुनीबा अली, नशरा संधू, नतालिया परवेज, ओमाइमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, सैयदा अरूब शाह, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिद्रा नवाज।

रणजी मुकाबले आज से , ऋषभ कर सकते हैं दूसरे या तीसरें दौर से वापसी

बेंगलुरु (एजेंसी)। रणजी ट्रॉफी मुकाबले बुधवार से यहां शुरु होंगे। इसमें आक्रामक विकेटर बल्लेबाज ऋषभ पंत वापसी कर सकते हैं। ऋषभ इंग्लैंड दौरे में चोटिल होने के बाद से ही टीम से बाहर थे। ऐसे में उनपर सबकी नजरें रहेंगी। रणजी में युवा और अनुभवी दोनों ही वर्ग के खिलाड़ी अपनी क्षमता साबित करने के लिए मैदान में उतरेंगे।

जुलाई में मैनचेस्टर में चोटिल होने के बाद ऋषभ मैदान से बाहर थे। दिल्ली की टीम में उनका नाम पहले दौर के लिए शामिल नहीं है पर अगर बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हरी झंडी देता है, तो वह दूसरे या तीसरे दौर में वापसी कर सकते हैं। उनके लिए यह रणजी ट्रॉफी अहम है क्योंकि इससे उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नवंबर में शुरु होने वाली श्रृंखला से पहले खेल का अनुभव मिलेगा।

इस सत्र में कई युवा खिलाड़ियों पर भी नजरें रहेंगी। इसमें यश ढुल और प्रियांश आर्य व वैभव सूर्यवंशी (बिहार), आयुष म्हात्रे जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं गेंदबाज हर्ष दुबे, एडेन एप्पल टॉम, मानव सुथार और गुरजपनीत सिंह भी टीम में जगह बनाने के प्रयास करेंगे।

इनके अलावा अनुभवी खिलाड़ी जैसे ईशान किशन, पृथ्वी शॉ, सरफराज खान, ऋतुराज गायकवाड़ और रजत पाटीदार भी सत्र में बेहतर प्रदर्शन कर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का प्रयास करेंगे। वहीं मोहम्मद शमी, हनुमा विहारी और अजिंक्य रहाणे भी इस सत्र में खेलते हुए दिखेंगे। रहाणे के लिए, यह संभवत: आखिरी रणजी ट्रॉफी होगी।

टीम की कप्तानी करना सम्मान की बात : शुभमन

नई दिल्ली । अपनी कप्तानी मे पहली टेस्ट सीरीज जीतने से उत्साहित भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल ने कहा है टीम की कप्तानी करना करने के लिए सम्मान की बात है। शुभमन को इंग्लैंड दौरे के पहले टीम का कप्तान बनाया गया था। इस दौरे में सीरीज 2-2 से बराबरी पर रही थी। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टीम ने 2-0 से सीरीज जीती है। शुभमन ने कप्तानी के अब तक के अनुभवों को लेकर कहा, मैं अब इसकी आदत डाल रहा हूं। सभी खिलाड़ियों को मैनेज करना और टीम की कमान संभालना गर्व और सम्मान की बात है। कप्तान के दौरान किसी भी हालात में सही विकल्प चयनित करना भी अहम होता है। मैं उस स्थिति में सबसे संभावित फैसले लेने का प्रयास करता हूं। कभी-कभी आपको एक साहसिक फैसला भी लेना होता है। यह इस बात पर आधारित रहता है कि कौन-सा खिलाड़ी आपको रन या विकेट दिला सकता है शुभमन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ फॉलोऑन देने को लेकर कहा, हम लगभग 300 रन 270 रन आगे थे। हमने सोचा कि अगर हम 500 रन भी बना लेते हैं और हमें पांचवें दिन 6 या 7 विकेट लेने हैं, तो यह हमारे लिए एक कठिन दिन हो सकता है। ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी को इस सीरीज के दोनों ही मुकाबलों में मौका दिया गया। अहमदाबाद टेस्ट में नीतीश को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिल सका, लेकिन उन्होंने चार ओवर गेंदबाजी जरूर की। इसके बाद दिल्ली टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 43 रन बनाए। नीतीश को सीरीज में अवसर दिए जाने को लेकर उन्होंने कहा, हम नहीं चाहते कि खिलाड़ी केवल विदेशों में ही मैच खेलें। इससे खिलाड़ियों पर बहुत दबाव पड़ता है। हम कुछ ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं, जो हमें लगता है कि विदेशों में मैच जीतने में हमारी सहायता कर सकते हैं, क्योंकि यह हमारे लिए एक चुनौती रही है। वहीं कप्तान ने अपने प्रदर्शन को लेकर कहा, जब मैं मैदान पर जाता हूं, तो मैं बस एक बल्लेबाज के तौर पर फैसले लेना चाहता हूं। एक चीज जो आप हमेशा चाहते हैं और ध्यान में रखते हैं वो है अपनी टीम को किस प्रकार से जीत दिलायें। ऐसे में जब मैं बल्लेबाज के तौर पर मैदान पर जाता हूं, तो मेरे दिमाग में रन बनाने का ही ख्याल आता है।

रोहित-कोहली के भविष्य पर गौतम गंभीर का बड़ा बयान आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली और रोहित शर्मा 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप तक खेलने के इच्छुक है लेकिन भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मंगलवार को इस स्टार जोड़ी के भविष्य को लेकर कोई वादा नहीं किया। गंभीर ने कहा कि वनडे विश्व कप में अभी दो साल से अधिक का समय है और 'वर्तमान में रहना जरूरी है'।

शुभमन गिल की वनडे कप्तान के रूप में नियुक्ति के साथ राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने पहले ही वनडे क्रिकेट में बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है और 2027 में कोहली (39) और रोहित (40) की उम्र को देखते हुए उनके भविष्य पर काफी संदेह है। गंभीर ने कहा, '50 ओवर का विश्व कप अभी ढाई साल दूर है। वर्तमान में रहना बहुत जरूरी है। जाहिर है वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वे वापसी कर रहे हैं। उनका अनुभव ऑस्ट्रेलिया में काम आएगा।'

उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के समापन पर कहा, 'उम्मीद है कि ये दौरा दोनों खिलाड़ियों के लिए सफल साबित होगा लेकिन इससे जरूरी बात यह है कि टीम एक सफल श्रृंखला खेले।' ऐसा माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में होने वाले नौ वनडे मैचों (ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन-तीन मैच) में इन दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर काफी कुछ निर्भर करेगा।

भारतीय टीम पिछले एक साल में गंभीर की कोचिंग में सभी प्रारूपों में बदलाव के दौर से गुजर रही है। गंभीर से जब पूछा गया कि वह राष्ट्रीय टीम में शामिल करते समय किसी खिलाड़ी में किन गुणों को देखते हैं तो उन्होंने कहा, 'इस सूची में प्रतिभा सबसे पहली चीज है। फिर काम के प्रति लगन और ड्रेसिंग रूम में आपके व्यवहार खासकर टेस्ट क्रिकेट में काफी मायने रखता है।'

उन्होंने कहा, 'हम यह भी परखने की कोशिश करते हैं कि रन बनाने और विकेट लेने के अलावा आप किस तरह से टीम के लिए योगदान दे सकते हैं। आप में खेल के लिए जज्बा होना भी काफी जरूरी है। आप में अगर ये सारे गुण हैं तो आप निश्चित रूप से एक सफल टेस्ट करियर बना सकते हैं।'

वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के बाद भी डब्ल्यूटीसी अंकतालिक में तीसरे नंबर पर ही है भारतीय टीम

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां टेस्ट सीरीज में मिली जीत के बाद भी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 की अंक तालिका में भारतीय टीम की स्थिति में बदलाव नहीं आया है और वह पहले की तरह ही तीसरे स्थान पर ही बनी हुई है। ऑस्ट्रेलिया 100 प्रतिशत और श्रीलंकाई टीम 66.67 प्रतिशत अंकों के साथ ही पहले और दूसरे नंबर पर है। वहीं भारतीय टीम का अंक प्रतिशत बढ़कर 61.90 पर पहुंच गया है पर इसके बाद भी वह दूसरे स्थान पर चल रही श्रीलंका से पीछे है। भारतीय टीम अब तक सात मैचों में चार जीत, दो हार और एक ड्रॉ के साथ 52 अंक हासिल किए है। वहीं ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के अंक उससे अधिक है। वेस्टइंडीज लगातार पाँच टेस्ट हारने के बाद छठे स्थान पर फिसल गयी है। भारत को अब अगली टेस्ट सीरीज घरेलू धरती पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलनी है, उसमें अगर भारतीय टीम जीत दर्ज करती है तो वह शीर्ष दो में पहुंच सकती है।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेनी थिंक टैंक का बड़ा आरोप- रूस के लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद कर रहा भारत

कीव, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिनों भारत पर रूसी तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त टैरिफ लगाने का एलान किया था। ट्रंप ने भारत पर रूस-यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित करने का गंभीर आरोप लगाया था। हालांकि भारत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। अब यूक्रेन के एक थिंक टैंक ने भारत पर एक और बड़ा आरोप लगाया है। यूक्रेनी थिंक टैंक ने दावा किया है कि भारत, रूस के लड़ाकू विमानों के लिए फ्यूल एडीटिव्स का सबसे बड़ा निर्यातक देश है और रूसी लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन को बेहतर करने में मदद कर रहा है। यूक्रेनी थिंक टैंक इकोनॉमिक सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ यूक्रेन ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि भारत, रूस के लड़ाकू विमानों के लिए फ्यूल एडिटिव्स (ईंधन योजक) का सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। साल 2024 में रूस के कुल आयातित फ्यूल एडिटिव्स में से करीब आधा भारतीय कंपनियों द्वारा निर्यात किया गया। फ्यूल एडिटिव्स एक तरल रसायनिक तत्व होता है, जो वाणिज्यिक और सैन्य विमानों के इंजन के प्रदर्शन को बेहतर करने के लिए ईंधन के साथ मिलाया जाता है। यूक्रेनी थिंक टैंक की रिपोर्ट में दावा है कि रूस के एसयू-34 और एसयू-35एस लड़ाकू विमानों में फ्यूल एडिटिव्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इन्हीं विमानों से रूस ने यूक्रेन पर क्रूज सुपरसोनिक और गाइडेड मिसाइलों से हमले किए।

मैक्सिको भारी बारिश से बाढ़ व भूस्खलन में 41 लोगों की मौत; 32 हजार से ज्यादा मकान ध्वस्त, जन-जीवन अस्त-व्यस्त

पोजा रिका, एजेंसी। मैक्सिको में लगातार बारिश से आई बाढ़ व भूस्खलन के कारण कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई। वेराक्रूज प्रांत में छह से नौ अक्तूबर तक लगभग 540 मिलीमीटर (21 इंच से अधिक) बारिश हुई। बारिश के कारण 32 हजार से अधिक मकान ध्वस्त हो चुके हैं, जबकि बिजली गुल होने से देश भर में 3.20 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने इस भीषण बारिश के लिए मैक्सिको के पश्चिमी तट पर आए उष्णकटिबंधीय तूफानों प्रिसिला व रेमंड को जिम्मेदार ठहराया है। मैक्सिको सिटी से 275 किलोमीटर उत्तर पूर्व में स्थित तेल नगरी पोजा रिका में बाढ़ से पहले कोई चेतावनी जारी नहीं की गई थी। राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा समन्वय ने बताया कि मैक्सिको सिटी के उत्तर में स्थित हिडाल्गो प्रांत में शनिवार तक भारी बारिश से 16 लोगों की मौत हो गई और 150 समुदायों को बिजली आपूर्ति बाधित होने की समस्या का सामना करना पड़ा। मैक्सिको सिटी के पूर्व में स्थित पुएब्ला प्रांत में कम से कम नौ लोग मारे गए व 16 हजार से अधिक मकान क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए। वेराक्रूज में 15 लोगों की मौत हुई है। वहां थल सेना व नौसेना भूस्खलन तथा बाढ़ के कारण अलग-थलग पड़े 42 समुदायों के निवासियों को बचाने में मदद कर रही हैं। बचावकर्मी क्षेत्र में 27 लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। खाड़ी तट पर स्थित वेराक्रूज राज्य की 55 नगरपालिकाओं में 16 हजार से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए। इससे पहले, मध्य क्वेरेटारो राज्य में भूस्खलन के कारण एक बच्चे की मौत हो गई थी। पोजा रिका के निचले इलाकों की गलियों में शुक्रवार सुबह 12 फीट तक पानी भर गया। कैजोंस नदी से तेज गति के साथ बहकर आ रहे पानी में कारें तैरती हुईं आपस में टकराने लगीं। शनिवार सुबह जब पानी उतरा तो चारों तरफ तबाही दिखाई दे रही थी। पेड़ पर कारें लटकी दिखाई दे रही थीं और ट्रक के केबिन में बंद घोड़ा मर चुका था।

टेक्सास में प्लेन क्रैश के बाद जबर्दस्त आग, ट्रक पर गिरा विमान; कैसे हुआ हादसा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में प्लेन क्रैश के बाद आग लग गई। यह घटना टेरंट काउंटी में हिक्स एयरफील्ड के पास हुई। अधिकारियों के मुताबिक क्रैश होने के बाद प्लेन ट्रकों पर गिर पड़ा। इसके बाद वहां पर आग लग गई। फोर्ट वर्थ फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक प्लेन क्रैश की घटना दोपहर को करीब डेढ़ बजे हुई। हालांकि घटना से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही इमरजेंसी क्रू मौके पर पहुंच गई। हालांकि अधिकारियों ने हादसे में किसी के घायल होने या फिर मौत की पुष्टि नहीं की है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड को घटना की जानकारी दे दी गई है। उम्मीद है कि यह दोनों एजेंसियां जल्द ही मामले की जांच शुरू कर देंगी। जिस जगह पर यह हादसा हुआ है, वह फोर्ट वर्थ अलायंस एयरपोर्ट और फोर्ट वर्थ मीचम एयरपोर्ट के बीच हुआ है। यह डलास-फोर्ट इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास है। स्थानीय मीडिया से मिली जानकारी के मुताबिक घटना के बारे में अधिक जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल आधिकारिक तौर पर यह जानकारी नहीं मिली है कि हादसे के शिकार विमान ने कहां से उड़ान भरी थी और कहां जाने वाला था।

हमास ने रिहा किए सात इस्राइली बंधक; ट्रंप को सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार देगा इस्राइल

यरूशलम, एजेंसी। दो साल तक जंग लड़ने के बाद इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम लागू हो गया है और इस कड़ी में बंधकों की रिहाई और कैदियों की अदला-बदली के लिए भी तैयारियां पूरी हो गई हैं। वहीं इस माहौल के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आज इस्राइल पहुंचेंगे।

इस्राइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने कहा कि वह अपने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप को गाजा से बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने और युद्ध को समाप्त करने में उनकी भूमिका के लिए देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार प्रदान करेंगे। इस्राइल-हमास के बीच लागू हुए संघर्ष विराम के तहत हमास ने सात इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया है। इसकी पुष्टि इस्राइल की तरफ से की गई है, इस्राइल ने कहा है कि गाजा युद्ध विराम के तहत हमास ने पहले सात बंधकों को रेड क्रॉस को सौंप दिया है। हमास ने कहा है कि इस्राइल की तरफ बंदी बनाए गए 1900 से ज्यादा फलस्तीनी कैदियों के बदले 20 जीवित बंधकों को रिहा किया जाएगा। इस्राइली बंधकों की रिहाई की तैयारी के लिए रेड क्रॉस के वाहनों ने मध्य गाजा में अपनी आवाजाही शुरू कर दी है। वहीं हमास ने 20 इस्राइली बंधकों की सूची जारी की है, जिन्हें आज रिहा किया जाना है और हमास के सूत्रों ने एक न्यूज चैनल को बताया कि यह सूची सुबह 8 बजे के बाद सौंपी जाएगी। द टाइम्स ऑफ इस्राइल ने बताया कि इस सूची में वही 20 बंधक शामिल हैं जिनके नाम पहले ही बातचीत के दौरान इस्राइल को दिए जा चुके थे, और जिन्हें जीवित बंधकों से संबंधित समझौते के तहत रिहा करने की पुष्टि की गई थी। इस सूची में अपहृत सैनिक तामिर निमरोदी या नेपाली नागरिक बिपिन जोशी के नाम शामिल नहीं हैं। इस बीच, इस्राइल की राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा, आपदा, एम्बुलेंस और रक्त बैंक सेवा के मैगन डेविड एडोम ने कहा कि वह लौटने वाले बंधकों की चिकित्सा सहायता के लिए आईडीएफ चिकित्सा बलों और स्वास्थ्य मंत्रालय की सहायता के लिए तैयार है। दो साल पहले हमास नरसंहार के दौरान अपहृत लोगों की रिहाई देखने के लिए तेल अवीव के बंधक चौक पर भारी भीड़ जमा होने के साथ ही स्थानीय समयानुसार सुबह 8 बजे रिहाई शुरू होने की योजना है। गाजा शांति शिखर सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री केवी सिंह ने करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह शर्म अल-शेख में गाजा शांति शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए मिस्र की राजधानी काहिरा पहुंच गए हैं। एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने लिखा, शर्म अल-शेख में गाजा शांति शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष प्रतिनिधि के रूप में ऐतिहासिक शहर काहिरा पहुंचे। यह एक बेहद खास समय होने वाला है- डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रविवार को इस्राइल रवाना हुए, उन्होंने इस यात्रा को बेहद खास समय बताया और हमास के साथ युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के समझौते का जश्न मनाया। अपने विमान में सवार होने से पहले, ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, यह एक बेहद खास समय होने वाला है। हर कोई एक साथ जयकार कर रहा है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इसमें शामिल होना सम्मान की बात है और हम एक शानदार समय बिताने वाले हैं। इराक युद्ध में उनकी भूमिका के लिए ब्लेयर की लगातार आलोचनाओं के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सवाल उठाया कि क्या ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर गाजा के शासन की देखरेख के लिए बनाए गए नए शांति बोर्ड में शामिल होंगे। ट्रंप ने कहा, मुझे हमेशा से टोनी पसंद रहे हैं, लेकिन मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या वह सभी के लिए स्वीकार्य विकल्प हैं। उन्होंने उन नेताओं का नाम नहीं लिया जो ब्लेयर के चयन पर अपनी राय दे सकते थे। कुछ बंधकों में दो सैनिक और चार विदेशी भी शामिल इन बंधकों में दो इस्राइली सैनिक मटन एंग्रेस्ट और निमरोड कोहेन भी शामिल हैं। दोनों को 7 अक्तूबर के युद्ध में अगवा किया गया था। इसके अलावा चार विदेशी भी बंधकों में हैं, तीन की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि एक नेपाली छात्र का हाल अब भी अज्ञात है। यह स्थिति रिहाई अभियान को और जटिल बनाती है। ईरान ने गाजा शिखर सम्मेलन का न्योता ठुकराया ईरानी सरकार ने मिस्र में होने वाले गाजा शिखर सम्मेलन में शामिल होने से इनकार कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोमवार तड़के पोस्ट किया, हम उन लोगों के साथ मंच साझा नहीं कर सकते जिन्होंने ईरानी जनता पर हमले और प्रतिबंध किए हैं।

जिनपिंग को लेकर ट्रंप का फिर बदल गया सुर, चीन-अमेरिका रिश्तों में यू-टर्न?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के रिश्तों में लगातार बदलाव हो रहा है। कल तक जिनपिंग को लेकर गुस्से में नजर आ रहे ट्रंप का सुर अचानक बदल गया है। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट लिखी है। इसमें उन्होंने चीन के राष्ट्रपति को बेहद सम्माननीय बताया है। साथ ही ट्रंप ने लिखा है कि अमेरिकी चीन के साथ सहयोग का भाव लेकर चलना चाहता है। हमें आपस में कोई संघर्ष नहीं चाहिए। गौरतलब है कि चीन और अमेरिका के बीच हाल में थोड़ा तनाव बढ़ा है। यह मामला रेयर अर्थ के निर्यात और अमेरिका द्वारा टैरिफ रेट बढ़ाने की बात के बाद आया है।

ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर लिखा है, 'चीन के बारे में चिंता मत कीजिए। सबकुछ ठीक होगा।' उन्होंने आगे लिखा कि बेहद सम्माननीय राष्ट्रपति शी जिनपिंग का एक खराब पल था। वह अपने देश पर किसी तरह का दबाव नहीं चाहते और मैं भी ऐसा नहीं चाहता। ट्रंप के मुताबिक अमेरिका चीन की मदद करना चाहता है, उसे दुखी नहीं करना चाहता।

ट्रंप के लहजे में नाटकीय बदलाव : ट्रंप के लहजे में आया यह बदलाव बेहद नाटकीय है। हाल ही में उन्होंने दुर्लभ-अर्थ मटीरियल और संबंधित टेक्नोलॉजी के निर्यात पर व्यापक प्रतिबंध लगाने के चीन के फैसले की निंदा की थी। उस समय, ट्रंप ने बीजिंग पर वैश्विक बाजारों को अस्थिर करने का आरोप लगाया। इसके पीछे की भावना को अशुभ और शत्रुतापूर्ण बताया। साथ ही ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यह दुनिया को बंधक बनाने का प्रयास था। वहीं, अमेरिका के टैरिफ संबंधी धमकियों पर चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कड़ा रुख अपनाया। मंत्रालय ने कहा कि हम टैरिफ वॉर नहीं चाहते, लेकिन हम इससे डरते भी नहीं हैं। साथ ही यह भी कहा कि अगर अमेरिका चीनी सामानों पर अपने प्रस्तावित 100% आयात शुल्क के साथ आगे बढ़ता है, जो 1 नवंबर से लागू होने वाला है, तो बीजिंग भी कठोर उपाय अपनाएगा।

दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच बढ़ते तनाव का केंद्र रेयर अर्थ मटीरियल के निर्यात को सीमित करने का चीन का कदम है। यह ऐसे महत्वपूर्ण पदार्थ हैं जिनका उपयोग स्मार्टफोन से लेकर सैन्य प्रणालियों तक, एडवांस टेक्नोलॉजी में किया जाता है। राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेशी सैन्य उपयोग की संभावना का हवाला देते हुए, चीनी अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि नए नियम पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं हैं। वैध नागरिक उपयोगों के लिए एक्सपोर्ट लाइसेंस अभी भी दिए जाएंगे।

कैमरून के राष्ट्रपति पॉल बिया के शासन का 43वां साल; 99 वर्ष की आयु तक रह सकते हैं पद पर

याओंडे, एजेंसी। दुनिया के सबसे उम्रदराज नेता और कैमरून के राष्ट्रपति पॉल बिया (92) अपने 43 साल के शासन को और आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। रविवार को होने वाले एकल चरण के चुनाव में बिया के फिर से जीतने की संभावना लगभग तय मानी जा रही है। यदि वे जीतते हैं, तो उनका कार्यकाल 99 वर्ष की उम्र तक चलेगा। बिया ने 1982 में सत्ता संभाली थी, जब उनके पूर्ववर्ती और कैमरून के पहले राष्ट्रपति अहमद् अहिजो ने इस्तीफा दिया। इसके बाद से वह देश पर शासन कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि 1960 में स्वतंत्रता मिलने के बाद से कैमरून में केवल दो ही नेता सत्ता में आए हैं। बिया 1975 से 1982 तक कैमरून के पांचवें प्रधानमंत्री भी रहे। इस चुनाव में बिया के सामने 11 प्रतिद्वंदी हैं, जिनमें उनके सबसे मजबूत प्रतिद्वंदी पूर्व सरकारी प्रवक्ता इस्सा टीचिरोमा बाकरी (79) भी शामिल हैं। बिया, जो आमतौर पर कम प्रोफाइल रखते हैं, ने मंगलवार को मारौआ में अपने चुनावी अभियान में कहा कि मैं उन समस्याओं से भली-भांति परिचित हूं, जो आप सभी को चिंतित करती हैं। अपने अनुभव के आधार पर कह सकता हूं कि ये समस्याएं असंभव नहीं हैं। हालांकि, इस साल उनके सेवानिवृत्त होने की आवाजें तेज हुई हैं। कैथोलिक आर्चबिशप सैमुअल क्लेडा ने कहा कि यह वास्तविक नहीं है कि बिया अब भी देश का नेतृत्व करें। उनके दो पुराने सहयोगी, इस्सा टीचिरोमा और बेलो बोबा मैगारी, विपक्ष में चले गए और खुले तौर पर बिया की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठाया। यहां तक कि उनकी बेटी ब्रेंडा बिया (27) ने भी पिता से पद छोड़ने की अपील की। उन्होंने एक वायरल टिकटॉक वीडियो में कहा मेरे पिता ने कई लोगों को दुख दिया है और नागरिकों से उनसे वोट न करने का आग्रह किया। बाद में उन्होंने यह बयान वापस लिया। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, कैमरून की कम से कम 43 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करती है और 30 मिलियन की आबादी में से लगभग एक तिहाई लोग प्रतिदिन 2 से कम में जीवन यापन करते हैं। इस बार चुनाव में लगभग 8 मिलियन लोग, जिनमें 34,000 से अधिक प्रवासी नागरिक भी शामिल हैं, मतदान के लिए योग्य हैं।

दक्षिण चीन सागर में चीन की दादागिरी, तटरक्षक बल ने फिलीपींस के सरकारी जहाज को निशाना बनाया

बीजिंग, एजेंसी। चीन और फिलीपींस के बीच दक्षिण चीन सागर में टकराव का एक और गंभीर मामला सामने आया है। बताया गया है कि चीनी तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड) के जहाजों ने फिलीपींस के एक सरकारी पोत पर पानी की तेज बौछार से हमला किया और इसके बाद में उसे टक्कर मार दी। इस घटना में जहाज को हल्का नुकसान पहुंचा, हालांकि किसी भी चालक दल के सदस्य को चोट नहीं आई।

फिलीपींस तटरक्षक बल के अनुसार, यह घटना दक्षिण चीन सागर के विवादित इलाके में स्थित थीटू द्वीप के पास हुई। यह द्वीप फिलीपींस के कब्जे में है और वहां फिलीपींस के नागरिकों और मछुआरों की बस्ती भी है। घटना के समय फिलीपींस का सरकारी जहाज बीआरपी दातु पगबुआया वहां दो अन्य मछली पालन विभाग

के जहाजों के साथ लंगर डाले हुए था। तीनों जहाज मछुआरों को सहयोग देने के लिए उस इलाके में मौजूद थे।

तटरक्षक बल के प्रवक्ता कमोडोर जे टारिएला ने बताया कि अचानक चीनी तटरक्षक जहाज और कुछ संदिग्ध सैन्य नौकाएं तेजी से वहां पहुंचीं और खतरनाक ढंग से उसके जहाजों के बहुत करीब आ गईं। इसके बाद एक चीनी जहाज, जिसका नंबर 21559 था, ने दातु पगबुआया पर सीधा पानी की तेज बौछारें दागीं। कुछ ही मिनटों बाद उसी जहाज ने फिलीपींस के पोत के पिछले हिस्से में टक्कर मार दी, जिससे उसे हल्का नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि किसी भी चालक दल को चोट नहीं आई और जहाज बाद में सुरक्षित स्थान पर चला गया।

फिलीपींस ने घटना का वीडियो जारी किया : फिलीपींस तटरक्षक बल द्वारा जारी एक वीडियो में चीनी जहाज को पानी की तेज धार से हमला करते और फिलीपींस के झंडे को निशाना बनाते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में फिलीपींस का जहाज हमले से बचने के लिए दिशा बदलता भी दिखाई देता है। फिलीपींस तटरक्षक बल के प्रमुख एडमिरल रॉनी गिल गवान ने कहा कि ऐसी घटनाएं उनके मनोबल को कमजोर नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा, फिलीपीनी मछुआरों की आजीविका इन जलक्षेत्रों पर निर्भर है। चाहे पानी की तोप चले या जहाजों से टक्कर मारी जाए, हम अपने क्षेत्र की एक इंच जमीन भी किसी विदेशी ताकत को नहीं सौंपेंगे।

चीन बोला- फिलीपींस ने की हमारे जलक्षेत्र में घुसपैठ : उधर, बीजिंग में चीनी तटरक्षक बल के प्रवक्ता लियू देजुन ने बयान जारी कर कहा कि फिलीपींस के जहाजों ने बिना अनुमति चीन के टिएक्सियान रीफ (जिसे चीन रीडी के कहता है) के पास उसके जलक्षेत्र में घुसपैठ की। उन्होंने कहा, फिलीपींस के जहाज ने चीनी जहाज के बहुत नजदीक आने की कोशिश की, जिससे मामूली टक्कर हुई। लियू ने पूरे मामले की जिम्मेदारी फिलीपींस पर डालते हुए कहा कि इस तरह की हरकतें क्षेत्र की शांति और स्थिरता को नुकसान पहुंचाती हैं।

रूस ने यूक्रेन के पावर ग्रिड पर किया हमला; अमेरिका से टॉमहॉक मिसाइल मिलने की आशंका पर चिंता बढ़ी

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन के पावर ग्रिड पर ताबड़तोड़ हमले किए। रूसी रक्षा मंत्रालय ने रविवार को दावा किया कि उसके देश के सैनिकों ने यूक्रेन के ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बनाया। ये ऊर्जा सुविधाएं यूक्रेन के सैनिकों के ठिकाने भी हैं। रूस ने 24 घंटे के दौरान यूक्रेन की तरफ से दागे गए 72 ड्रोन को भी मार गिराने का दावा किया। उधर, कीव क्षेत्र के गवर्नर माइकोला कलाशनिक ने कहा कि रूसी हमलों में यूक्रेन की ऊर्जा क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी के दो कर्मचारी घायल हुए हैं। इस बीच, अमेरिका द्वारा यूक्रेन को टॉमहॉक क्रूज मिसाइल देने की संभावना से मॉस्को में चिंता बढ़ गई है। कीव के क्षेत्रीय गवर्नर माईकोला कालाशनिक ने बताया कि देश की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी डीटीईके के दो कर्मचारी रूसी हमले में घायल हुए। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, डोनेत्स्क, ओडेसा और चेर्निहिव क्षेत्रों में भी बिजली ढांचे को निशाना बनाया गया है। राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि रूस हमारे शहरों और समुदायों पर हवाई आतंक जारी रखे हुए है। पिछले हफ्ते में रूस ने 3,100 ड्रोन, 92 मिसाइलें और करीब 1,360 ग्लाइड बम दागे हैं। क्रेमलिन ने रविवार को कहा कि अमेरिका की तरफ से यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें दिए जाने की संभावना को लेकर रूस बेहद चिंतित है। उसने चेतावनी दी कि युद्ध एक नाटकीय मोड़ पर पहुंच गया है और हर तरफ से तनाव बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले दिनों कहा था कि टॉमहॉक मिसाइलें देने पर सहमति जताने से पहले वह जानना चाहेंगे कि यूक्रेन इनके साथ क्या करने की योजना बना रहा है। वह रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को और बढ़ाना नहीं चाहते। हालांकि, इस मुद्दे पर एक तरह से फैसला कर लिया गया है।

टॉमहॉक मिसाइलों की मारक क्षमता 2,500 किलोमीटर है। इसका अर्थ है कि यूक्रेन इन मिसाइलों के जरिये रूस की राजधानी मॉस्को को भी निशाना बना सकता है। मॉस्को ने महीने की शुरुआत में आरोप लगाया था कि वाशिंगटन और उसका नाटो गठबंधन यूक्रेन युद्ध में कीव को नियमित रूप से खुफिया जानकारी दे रहे हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने उस समय संवाददाताओं से कहा था, यूक्रेनियों को खुफिया जानकारी देने के लिए उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और अमेरिका के संपूर्ण बुनियादी ढांचे का उपयोग स्पष्ट है। अमेरिकी खुफिया जानकारी ने कीव को तेल रिफाइनरियों सहित महत्वपूर्ण रूसी ऊर्जा सुविधाओं पर अग्रिम पंक्ति से कहीं आगे तक हमला करने में मदद की। इस मुद्दे पर व्हाइट हाउस व यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के कार्यालय ने फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ये 8वीं जंग जो मैंने रुकवाई, ट्रंप ने फिर लिया भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का क्रेडिट

वाशिंगटन, एजेंसी। गाजा के मुद्दे पर मिस्र के शर्म अल-शेख शहर में आज होने वाले शांति शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत दुनिया के 20 शीर्ष नेता शिरकत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी सम्मेलन में शामिल होने के लिए मिस्र की ओर से निमंत्रण भेजा गया था, हालांकि वे इसमें शामिल नहीं होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति इस बाबत अमेरिका से एयरफोर्स वन विमान से रवाना हो चुके हैं। वे पहले इस्राइल जाएंगे। इसके बाद वहीं से मिस्र रवाना हो जाएंगे। उनकी ओर से इस्राइल-हमास युद्धविराम समझौते की घोषणा के बाद से पहली यात्रा है। इस्राइल रवाना होने से पहले उन्होंने इस दौरे को बेहद खास बताया। ट्रंप ने कहा कि यह एक बहुत खास समय होने जा रहा है... हर कोई इस पल को लेकर बेहद उत्साहित है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। आमतौर पर अगर एक पक्ष खुश होता है, तो दूसरा नाराज होता है। लेकिन इस बार सब एक साथ प्रसन्न हैं।

गौरतलब है कि मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ इस शांति शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान गाजा पट्टी में युद्ध समाप्त करने के साथ-साथ पश्चिम एशिया में स्थायी शांति लाने के तरीकों पर चर्चा की जाएगी। यह शिखर सम्मेलन राष्ट्रपति ट्रंप की गाजा शांति योजना के प्रथम चरण के प्रभावी होने के कुछ दिनों बाद होने जा रहा है। ट्रंप के अलावा सम्मेलन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी,

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी शामिल होंगे। विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य पूर्व दौरे पर रवाना होने से पहले एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह दौरा क्षेत्र के देशों को एकजुट कर स्थायी शांति की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि हम सबको खुश करने जा रहे हैं। हर कोई खुश है...चाहे यहूदी हो, मुस्लिम या अरब देश। हम इस्राइल के बाद मिस्र जा रहे हैं, और वहां मेरी बहुत ताकतवर, बड़े और अमीर देशों के नेताओं से मुलाकात होगी। और सभी इस समझौते के साथ हैं। इस दौरान जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या इस्राइल और हमास के बीच का युद्ध अब समाप्त हो चुका है। इस पर ट्रंप ने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा कि हां युद्ध खत्म हो गया है और मुझे पूरा भरोसा है कि युद्धविराम कायम भी रहेगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है यह टिकेगा। बहुत सारे कारण हैं। लोग अब थक चुके हैं यह सदियों से चल रहा है, अब लोग इसे खत्म देखना चाहते हैं। आगे पत्रकारों से वार्ता करते हुए ट्रंप ने फिर से खुद को युद्ध शांत कराने वाला करार दिया।

गाजा में हमास और डोगमूश कबीले के लड़ाकों में झड़प

गाजा सिटी, एजेंसी। गाजा सिटी में रविवार को हमास और डोगमूश कबीले के बीच हुई झड़प में 64 लोग मारे गए हैं। इनमें 52 डोगमूश और 12 हमास लड़ाके शामिल हैं। हमास के टेलीविजन चैनल के मुताबिक हमास के सीनियर अधिकारी बासेम नैम का बेटा भी झड़प में मारा गया।

झड़प में एक फिलिस्तीनी पत्रकार की भी गोली लगने से मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हिंसा उस समय भड़की जब हमास के लड़ाकों ने सबरा इलाके में कबीले के ठिकानों पर हमला किया। डोगमूश कबीले ने आरोप लगाया कि हमास ने सीजफायर का फायदा उठाकर उन्हें निशाना बनाया। हमास ने चेतावनी दी है कि जो मिलिशिया मेंबर और अपराधी खूनखराबे में शामिल नहीं है, वे अगले रविवार तक आत्मसमर्पण कर सकते हैं, अन्यथा उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी।

हमास ने 2024 में डोगमूश लीडर की हत्या की थी डोगमूश नाम की उत्पत्ति तुर्किश मूल की बताई जाती है। इसका मतलब होता है- तुर्किये में जन्मा हुआ। कहा जाता है कि डोगमूश कबीला 20वीं सदी की शुरुआत में पलायन कर गाजा पहुंचा था। यह कबीला गाजा सिटी के साबरा और तेल अल-हवा में बसा हुआ है। डोगमूश गाजा के बड़े घरानों में गिना जाता है। डोगमूश पर अलकायदा के करीबी होने का आरोप लगता है। इस कबीले पर ब्रिटिश पत्रकार एलन जॉनस्टन और इजराइली कैदी गिलाद शालित के अपहरण में शामिल होने का आरोप है। गाजा में सत्ता हासिल करने को लेकर डोगमूश और हमास के बीच कई बार संघर्ष हो चुका है। 2008 में हमास ने डोगमूश के कई ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें कई लोग मारे गए थे। 2024 में हमास ने सालेह डोगमूश को मार दिया था। हमास ने आरोप लगाया था कि सालेह गाजा पहुंचने वाली राहत सामग्री को कब्जा कर महंगे दामों पर बेच रहा था।

गाजा जंग में 270 से ज्यादा पत्रकारों की मौत : गाजा सिटी में हमास और डोगमूश कबीले के बीच हुई झड़प के दौरान एक फिलिस्तीनी पत्रकार सालेह अलजफरावी (28) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अलजफरावी संघर्ष की कवरेज कर रहे थे। गोली लगने के बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उनका शव (प्रेस लिखी जैकेट पहने) एक ट्रक के पीछे पड़ा मिला। हमास के गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि झड़प में शामिल डोगमूश गुट इजराइल से जुड़ा सशस्त्र संगठन है। सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया है। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि इस गिरोह ने उन लोगों पर भी हमला किया जो दक्षिण गाजा से लौट रहे थे। अक्टूबर 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 270 से ज्यादा पत्रकार गाजा में मारे जा चुके हैं। इजराइल से समझौते के बीच हिंसा हुई हमास और डोगमूश लड़ाकों में हिंसा, इजराइल से पीस समझौते के बीच हुई है। डोगमूश कबीले को अल डोगमूश मिलिशिया के नाम से भी जाना जाता है। इस कबीले के एक सदस्य ने मीडिया से बात करते हुए कहा, बच्चे चिल्ला रहे हैं और मर रहे हैं, हमारे घर जल रहे हैं। हम फंसे हुए हैं। मुझे नहीं पता ये सभी हथियारों के साथ कैसे अंदर आए। यहां बड़ी हत्या हो रही है। कबीले के एक सीनियर सदस्य ने मुसलमानों से मुसलमानों का खून नहीं बहाने की अपील की। दूसरी तरफ हमास आज दोपहर तक 20 इजराइली बंधकों को रेडक्रॉस को सुपुर्द करेगा। बंधकों को छह से आठ वाहनों में रेड क्रॉस की निगरानी में इजराइल की सेना के हवाले किया जाएगा और फिर उन्हें दक्षिण इजराइल ले जाया जाएगा।

कुपवाड़ा में एनकाउंटर : सेना ने 2 आतंकवादियों को किया ढेर, तलाशी अभियान जारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एलओसी के पास 2 आतंकवादियों को सेना ने ढेर कर दिया है। माचिल और दुदनियाल इलाकों में इस मुठभेड़ के बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया है। सेना की ओर से जानकारी दी गई कि कुपवाड़ा सेक्टर में एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधि देखी गई। क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया गया। इससे पहले, कठुआ जिले में सुरक्षा बलों ने एक पुराने मोर्टार गोले का पता लगाकर उसे सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया। यह जानकारी अधिकारियों ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि गोला स्थानीय निवासियों से मिली सूचना के आधार पर रविवार शाम को हीरानगर सेक्टर के करोल मथुरा सीमावर्ती गांव में खेत में बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया और मोर्टार गोले को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया गया सीमा सुरक्षा बल ने सर्दियों से पहले जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर अपनी चौकसी बढ़ा दी है, क्योंकि इस दौरान सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशें बढ़ने की आशंका है। बीएसएफ के सीनियर अधिकारी ने बताया कि खुफिया जानकारी से पता चला कि आतंकवादी घाटी में घुसपैठ करने के लिए सीमा पार विभिन्न लांच पैडों पर इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "आमतौर पर देखा गया है कि सर्दियों से पहले घुसपैठ की कोशिशें बढ़ जाती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए हमने अपने जवानों और अधिकारियों को अलर्ट पर रखा है और सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है।

पंजाब पुलिस ने संयुक्त अभियान में की हथियारों की एक बड़ी खेप बरामद

तरनतारन (एजेंसी)। पंजाब पुलिस के राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी), अमृतसर ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ मिलकर संयुक्त अभियान में तरनतारन के खेमकरण क्षेत्र में भारत-पाक सीमा के पास से हथियारों की एक बड़ी खेप बरामद की है। पुलिस को बरामदगी में दो एके-47 राइफलें, दो एके-47 मैगजीन, एक पीएक्स5 स्टॉर्म पिस्तौल (मैगजीन सहित) और 10 जिंदा कारतूस मिले हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ये हथियार पाकिस्तान से तस्करी के जरिए भारत लाए गए थे। एसएसओसी, अमृतसर ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तस्करों की पहचान करना, उनके नेटवर्क का पता लगाना और उसे ध्वस्त करना। यह संयुक्त कार्रवाई पुलिस और बीएसएफ की सीमा पार से होने वाली अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की प्रतिबद्धता दर्शाती है। यह जानकारी पंजाब पुलिस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर साझा की, और डीजीपी गौरव यादव ने भी इस संबंध में एक पोस्ट किया था। यह अभियान संगठित अपराध को खत्म करने और राज्य में शांति बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस ने नागरिकों से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत देने की भी अपील की है।

जयपुर एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल फ्लाइट का शेड्यूल फिर गड़बड़ाने लगी

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल फ्लाइट का शेड्यूल फिर गड़बड़ाने लगा है। मंगलवार को फिर स्पाइस जेट एयरलाइंस की जयपुर से दुबई फ्लाइट अपने निर्धारित समय पर उड़ान नहीं भर सकी। वहीं दुबई से जयपुर आने वाली स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट भी अपने निर्धारित वक्त से लेट है। इसकी वजह से बड़ी संख्या में पैसेंजर्स को परेशान होना पड़ा है। दरअसल, दुबई से जयपुर के लिए उड़ान भरने वाली स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट अपने निर्धारित वक्त से लेट चल रही है। फ्लाइट को अल सुबह 3 बजकर 40 मिनट पर दुबई से जयपुर से लिए उड़ान भरनी थी। लेकिन तकनीकी कारणों की वजह से यह फ्लाइट अपने निर्धारित वक्त से 6 घंटे है। जो सुबह 3 बजे बाद जयपुर पहुंचेगी। वहीं स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट अपने निर्धारित वक्त पर उड़ान नहीं भर पाई। स्पाइस जेट एयरलाइंस की फ्लाइट को आज सुबह 9 बजकर 30 मिनट पर दुबई के लिए उड़ान भरनी थी। इसके बाद फ्लाइट को दोपहर 12 बजकर 55 मिनट पर दुबई पहुंचना था। लेकिन इनकमिंग एयर क्राफ्ट की देरी की वजह से स्पाइसजेट एयरलाइंस ने आखिरी वक्त पर दुबई फ्लाइट को री-शेड्यूल किया है। इसके बाद अब अपने निर्धारित वक्त से लेट 3 बजकर 30 मिनट बाद दुबई के लिए उड़ान भर पाएगी।

16 हजार रुपये के लिए गिरफ्तार जासूस मंगत सिंह ने पाकिस्तान को भेजी सेना की जानकारी

अलवर (एजेंसी)। राजस्थान के अलवर से गिरफ्तार जासूस मंगत सिंह (42) ने मात्र 16,000 रुपए में भारतीय सेना की खुफिया जानकारी पाकिस्तान को भेजी थी। मंगत सिंह को राजस्थान की सीआईडी इंटेलिजेंस ने 10 अक्टूबर को अलवर से गिरफ्तार किया था। मंगत को एक पाकिस्तानी युवती ने अश्लील वीडियो कॉल करके फंसाया। उसने मंगत के अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर लिए और फिर मंगत को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। पाकिस्तानी जासूस लड़की ने उससे अलवर के आर्मी एरिया की जानकारी मांगी। मंगत ने अप्रैल की शुरुआत में अलवर के इटाराणा कैंट एरिया की बाहर से ली गई कुछ फोटो भेजी। पहलगाम हमले के बाद, पाकिस्तानी हैंडलर्स ने उससे सैन्य वाहनों की मूवमेंट की जानकारी मांगनी शुरू कर दी। इसके बाद मंगत को कुल 16,000 रुपए (पहले 8,000 रुपए, फिर 5,000 रुपए और 3,000 रुपए) मिले। मंगत ने जासूसी करने के लिए इटाराणा आर्मी एरिया से लगभग ढाई किलोमीटर दूर एक पुलिसकर्मी का मकान किराए पर लिया ताकि सैन्य गतिविधियों पर आसानी से नजर रखी जा सके। राजस्थान सीआईडी इंटेलिजेंस टीम को जून महीने में ही मंगत की गतिविधियों पर शक हो गया था और उन्होंने उसकी निगरानी शुरू कर दी थी।

देश में बच्चों के जन्म की संख्या घटी, लोगों की मौत का आंकड़ा बढ़ा

2023 में 2.50 करोड़ पैदा हुए, यह 2022 से 2.32 लाख कम;

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम पर आधारित वाइटल स्टैटिस्टिक्स ऑफ इंडिया की 13 अक्टूबर को जारी रिपोर्ट के मुताबिक कि भारत में साल 2022 की तुलना में 2023 में जन्म में कमी आई, लेकिन मौत का आंकड़ा बढ़ा। रिपोर्ट में बताया गया कि साल 2023 में 2 करोड़ 52 लाख बच्चों का जन्म हुआ था, जो साल 2022 की तुलना में 2 लाख 32 हजार कम था। क्योंकि उस साल का आंकड़ा 2 करोड़ 54 लाख 32 हजार था। वहीं, 2023 में 86.6 लाख लोगों की मौत रिकॉर्ड की गई थी। 2022 में ये आंकड़ा 86.5 लाख रहा था। हेल्थ मिनिस्ट्री के कोविड-19 डैशबोर्ड के मुताबिक 5 मई 2025 तक देश में कोविड के कारण 5 लाख 33 हजार 665 मौतें हो चुकी हैं।

सबसे ज्यादा मौतें 2021 में हुई थीं तब कोविड की सेकंड वेव चल रही थी। तब 2020 की तुलना में 21 लाख ज्यादा मौतें हुई थीं। 2020 में कुल 81.2 लाख मौतें और 2021 में यह आंकड़ा 1 करोड़ 2 लाख 2 हजार से ज्यादा था।

झारखंड में सबसे कम सेक्स रेशो

रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में सबसे कम सेक्स रेशो बर्थ झारखंड का रहा है। यहां प्रति 1000 लड़कों पर 899 लड़कियों का जन्म रिकॉर्ड हुआ है। दूसरे नंबर पर बिहार है, यहां का आंकड़ा 900 है। तीसरे नंबर पर तेलंगाना 906, चौथे पर महाराष्ट्र 909, पांचवे पर गुजरात 910, छठे पर हरियाणा 911, 7वें नंबर पर मिजोरम 911 है। 2020 से बिहार लगातार सबसे कम सेक्स रेशो दर्ज कर रहा है। सबसे ज्यादा सेक्स रेशो (जन्म) के मामले में अरुणाचल प्रदेश में पहले नंबर है। यहां प्रति 1000 लड़कों पर 1085 लड़कियों ने जन्म लिया। दूसरे नंबर नगालैंड 1007, तीसरे पर गोवा 973, चौथे पर लद्दाख-त्रिपुरा 972, पांचवे पर केरल 967 है।

इन राज्यों में सबसे ज्यादा बर्थ रजिस्ट्रेशन

ओडिशा, मिजोरम, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश में बर्थ रजिस्ट्रेशन 80-90 प्रतिशत रहा है। वहीं, 14 राज्यों में असम, दिल्ली, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक, बिहार, राजस्थान, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, पश्चिम बंगाल, मेघालय और उत्तर प्रदेश में बर्थ रजिस्ट्रेशन 50-80 प्रतिशत के बीच रहा है। 11 राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों ने निर्धारित 21 दिनों के भीतर 90 प्रतिशत से अधिक बर्थ रजिस्ट्रेशन हासिल किया। इन राज्यों में गुजरात, पुडुचेरी, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली और दमन एंड दीव, तमिलनाडु, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, गोवा और पंजाब शामिल हैं। साल 2023 में कुल दर्ज जन्मों में संस्थागत जन्मों (अस्पताल में हुए जन्म) का हिस्सा 74.7 प्रतिशत रहा। हालांकि, रिपोर्ट में सिक्किम का डेटा शामिल नहीं किया गया है। पूरे देश में जन्मों का कुल रजिस्ट्रेशन 98.4 प्रतिशत रहा।

मोहन सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में पेश किया सर्वे... चर्चा का विषय बना

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई में सर्वे का जिक्र किया। सर्वे के हवाले से मध्य प्रदेश सरकार ने कहा कि राज्य में 10 हजार शहरी और ग्रामीण परिवारों का सर्वे हुआ। सर्वे में शामिल 56 फीसदी ओबीसी वर्ग के लोगों ने बताया कि जब उच्च जाति का कोई व्यक्ति उनके घर से गुजरता है, तब वे बैठे नहीं रह सकते। वे सम्मान देने के लिए खड़े होते हैं। यह सर्वे महू स्थित डॉ. बीआर आंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से हुआ है। राज्य सरकार की ओर से ओबीसी आरक्षण 27 फीसदी तक बढ़ाने को सही ठहराने की दलील देकर सर्वे को पेश किया गया है। सर्वे को 2023 में किया गया था। सर्वे में शामिल 3,797 परिवारों ने माना कि छुआछूत अब भी उनके गांवों में मौजूद है। इसके अलावा जाति के आधार पर मोहल्ले बंटे हुए हैं। इसके अलावा 3,238 परिवारों का कहना है कि उनके घर में आकर कोई ब्राह्मण पूजा-पाठ नहीं कराता। इसका कारण जाति होता है। इसके अलावा 57 फीसदी यानी करीब 6 हजार लोगों का कहना था कि उनकी जाति के लोगों को मंदिर में पुजारी नहीं बनाया जा सकता। उन्हें किसी मठ या आश्रम का प्रमुख नहीं बनाया जाता। इसके अलावा करीब 50 फीसदी लोगों का कहना था कि उनके परिवार के सदस्यों को धार्मिक शिक्षा देने वाले संस्थानों में प्रवेश नहीं मिलता। एक मजेदार बात यह भी रही कि मध्य प्रदेश सरकार ने अदालत में ओबीसी आरक्षण को लेकर जो एफिडेविट दिया है, उसमें प्राचीन भारत को जातिविहीन बताया गया है। इसके अलावा कहा गया है कि वैदिक काल में भेदभाव नहीं था, लेकिन कालांतर में चीजें बदल गईं। भारत में ही एक वर्ग का जाति के आधार पर भेदभाव हुआ। किसान और पेशेवर जातियों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती चली गई। यही आज ओबीसी वर्ग का हिस्सा है। इस दलील के साथ ही राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश में ओबीसी आरक्षण 27 फीसदी करने का प्रस्ताव रखा है। अब तक सूबे में 14 फीसदी ओबीसी कोटा ही मिलता है।

370 हटाने के विरोध में आईएएस की नौकरी छोड़ने वाले गोपीनाथन ने कहा- कांग्रेस देश को सही दिशा देने में सक्षम

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2019 में जम्मू और कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने से व्यथित हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी कन्नन गोपीनाथन ने विरोध में नौकरी छोड़ दी। अब उन्होंने कांग्रेस ज्वाइन कर ली है। इसके बाद कहा कि कांग्रेस ही देश को सही दिशा में ले जा सकती है। साल 2012 बैच के अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश कैडर के गोपीनाथन ने 2019 में इस्तीफा दे दिया था। वह मिजोरम के आइजोल में कलेक्टर रहे और दादर और नगर हवेली और दमन और दिव में अहम विभागों में सचिव पद पर रहे। साल 2020 में मातृभूमि से बातचीत में गोपीनाथन ने बताया था कि यूपीएससी परीक्षा में उन्होंने 59वीं रैंक हासिल की थी। केरल से आने वाले गोपीनाथन के पिता भी सरकारी कर्मचारी रहे थे।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद गोपीनाथ ने कहा, मैंने 2019 में नौकरी से इस्तीफा दिया और तब ये पता था कि सरकार देश को जिस दिशा में लेकर जा रही है, वह रास्ता गलत है। मुझे यह भी पता था कि इस गलत के खिलाफ लड़ना है। इस फैसले के बाद मैं देश के 80-90 जिलों में गया, लोगों से बातचीत की और तमाम नेताओं से मुलाकात की। मुझे समझ आया कि कांग्रेस ही इस देश को सही दिशा में ले जा सकती है। उन्होंने कहा, हम बहुत समय बाद प्रजा से नागरिक बने थे, क्योंकि हमें सवाल पूछने का हक है। मगर हमने यह भी देखा कि इस सरकार में जो भी सवाल पूछता है, उसे देशद्रोही बता दिया जाता है। उन्होंने कहा, मुझे काफी वक्त लगा लेकिन खुशी है कि आज मैं कांग्रेस पार्टी से जुड़ा हूं और मुझे पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी, उसे पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा।

वोट चोरी मामले में बीआरएस ने चुनाव आयोग से की बिहार की तरह एक्शन की मांग

हैदराबाद (एजेंसी)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात कर वोट चोरी के सबूतों के साथ एक विस्तृत शिकायत दर्ज कराई। इस मुलाकात के बाद, उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस और निचले स्तर के सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से हुए इस लोकतांत्रिक घोटाले का पर्दाफाश किया। केटीआर ने आक्रामक रुख अपनाते हुए कहा, जुबली हिल्स में तीन तरह की बड़ी धांधलियां हो रही हैं, सबसे पहले वोटों का भारी दोहराव किया गया है। उन्होंने कहा, एक-एक आदमी को तीन-तीन वोटर आईडी कार्ड जारी किए गए हैं। हमारी जानकारी के मुताबिक, लगभग 2,000 लोगों के पास डुप्लीकेट या ट्रिप्लीकेट वोटर आईडी हैं और ये सभी जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में केंद्रित हैं।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि यह सिर्फ एक गलती नहीं, बल्कि एक संगठित अपराध है। उन्होंने कहा, यह कैसे संभव है कि मनचेरियल, गडवाल और नागरकुरनूल जैसे जिलों में पंजीकृत मतदाताओं को कांग्रेस पार्टी की मिलीभगत से रातों-रात जुबली हिल्स का वोटर बना दिया गया? अकेले 2 सितंबर को हजारों वोट अवैध रूप से सूची में शामिल कर दिए गए। केटीआर ने चेतावनी दी कि यदि चुनाव आयोग त्वरित कार्रवाई करने में विफल रहता है तो BRS न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाने से भी पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कहा, सीईओ ने हमें आश्वासन दिया है कि वे इस मामले को गंभीरता से देखेंगे। हमें उम्मीद है कि वे कार्रवाई करेंगे, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो हम इस लड़ाई को कानूनी रूप से लड़ेंगे। उन्होंने केंद्रीय चुनाव आयोग पर भी दबाव बनाते हुए कहा, यह विडंबना है कि जो कांग्रेस पार्टी बिहार में वोट चोरी का आरोप लगाती है, वही पार्टी तेलंगाना में उपचुनाव जीतने के लिए उसी तरह के कदाचार में लिप्त है। हम केंद्रीय चुनाव आयोग से भी अपील करते हैं कि वे इस मामले पर संज्ञान लें, राज्य सीईओ से रिपोर्ट मांगें और लोकतंत्र की पवित्रता को बनाए रखने के लिए निर्णायक कार्रवाई करें।

चुनाव आयोग के सामने रखीं तीन मांगें

उच्च स्तरीय जांच

इस पूरे मामले की गहन और निष्पक्ष जांच का आदेश दिया जाए, ताकि यह पता चल सके कि निचले स्तर के अधिकारियों की मिलीभगत के बिना इतना बड़ा फर्जीवाड़ा कैसे संभव हुआ। इसके बाद दूसरी मांग इस चुनावी कदाचार के लिए जिम्मेदार सभी अधिकारियों को तत्काल उनके पदों से हटाकर दंडित करने की है। वहीं तीसरी मांग नामांकन प्रक्रिया समाप्त होने से पहले, धोखाधड़ी से जोड़े गए सभी 19,000 वोटों को मतदाता सूची से तत्काल हटाया जाए।

डब्ल्यूएचओ ने चेताया कहा- तीन कफ सिरप जहरीले हैं, जहां दिखें सूचना दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में जहरीले कफ सिरप से कथित तौर पर करीब दो दर्जन बच्चों की मौत हो गई। इससे डब्ल्यूएचओ की चिंता बढ़ गई है। इस पर वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने 3 कफ सिरप को लेकर चेतावनी दी है। इसमें जहरीला कोल्ड्रिफ सिरप भी शामिल है, जिसकी वजह से मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में बच्चों की मौतें हुई हैं। डब्ल्यूएचओ ने सभी अथॉरिटीज से कहा है कि देश में अगर कहीं भी ये सिरप दिखाई दें तो तत्काल हेल्थ एजेंसी को रिपोर्ट करें। ग्लोबल हेल्थ एजेंसी ने श्रीसन फार्मा की कोल्ड्रिफ, रेडनेक्स फार्मा की रेस्पिफ्रेश टीआर और शेप फार्मा की रिलाइफ सिरप के कुछ विशेष बैचों की पहचान की है, जिनमें मिलावट पाई गई है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि ये सिरप स्वास्थ्य के लिए बड़े खतरे पैदा कर सकते हैं और कई गंभीर व जानलेवा बीमारियों का कारण बन सकते हैं। जांच में खांसी के इन सिरपों में डायथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) नाम का जहरीला कैमिकल भारी मात्रा में पाया गया है। जो एक रंगहीन और गंधहीन रसायन है, इसका उपयोग सिरप को मीठा करने के लिए किया जाता है। जबकि इसका उपयोग मानव उपभोग के लिए नहीं किया जा सकता है।

बता दें कि कोल्ड्रिफ का उत्पादन तमिलनाडु स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल निर्माता द्वारा किया गया था। प्रयोगशाला परीक्षणों से पता चला कि सिरप में डायथिलीन ग्लाइकोल की मात्रा 48.6 प्रतिशत थी, जो भारतीय अधिकारियों और विश्व स्वास्थ्य संगठन दोनों द्वारा निर्धारित 0.1 प्रतिशत की स्वीकृत सीमा से बहुत ज्यादा थी। इसके अलावा गुजरात में रेडनेक्स फार्मास्यूटिकल्स द्वारा निर्मित रेस्पिफ्रेशटीआर कफ सिरप 1.342 फीसदी डीईजी से दूषित पाया गया और गुजरात में शेप फार्मा द्वारा निर्मित रिलाइफ कफ सिरप में भी 0.616 फीसदी डीईजी पाया गया है।

डब्ल्यूएचओ की इस चेतावनी से पहले ही भारत में इन 3 सिरपों को बैन कर दिया गया है। हाल ही में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को सूचित भी किया था कि इन तीनों ही सिरप को सभी मेडिकल स्टोर्स से वापस मंगा लिया गया है और निर्माताओं को इनका उत्पादन रोकने का आदेश दिया गया है। हालांकि भारत सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को एडवाइजरी जारी कर खांसी का सिरप प्रिस्क्राइब करने से पहले सावधानी बरतने की सलाह दी है साथ ही कहा है कि जो सिरप आमतौर पर 5 साल तक के बच्चों के लिए प्रिस्क्राइब नहीं किया जाता है उसे किसी भी कीमत पर 2 साल से कम उम्र के बच्चों को न दिया जाए।

एआई आने से आईटी सेक्टर की 50 हजार नौकरियों पर लटकी तलवार

-कंपनियां छंटनियां खुलकर नहीं, 'साइलेंट लेऑफ' के रूप में कर रहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का आईटी सेक्टर मुश्किल दौर से गुजर रहा है। 2025 के आखिर तक करीब 50 हजार कर्मचारियों की नौकरी जा सकती है, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि ये छंटनियां खुलकर नहीं, बल्कि 'साइलेंट लेऑफ' के रूप में की जा रही है। आईटी कंपनियां अब कर्मचारियों को सीधे निकालने के बजाय 'परफॉर्मेंस' या 'रोल एडजस्टमेंट' के नाम पर उन्हें निकाल रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले साल जहां 25 हजार लोगों की नौकरी गई थी, वहीं इस साल यह संख्या दोगुनी हो सकती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज का है, जिसने जुलाई में अपने कुल स्टाफ का 2 फीसदी यानी करीब 12 हजार लोगों को हटाने की योजना बनाई। इसी तरह भी 11 हजार कर्मचारियों को निकालते हुए 865 मिलियन डॉलर का खर्च-कटौती कार्यक्रम शुरू किया है। आईटी सेक्टर की इस मंदी के पीछे सबसे बड़ा कारण है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का तेजी से बढ़ता इस्तेमाल।

अब पहले जो काम सैकड़ों इंजीनियर करते थे, वो एआई टूल्स कुछ मिनटों में पूरा कर देता है। विशेषज्ञों का कहना है कि कंपनियां अब एआई-सक्षम सिस्टम्स पर ज्यादा निर्भर हैं, जिससे पुराने स्किल वाले कर्मचारी अनावश्यक हैं। कई कर्मचारियों के पास अब वे कौशल नहीं हैं जिनकी मांग नए जमाने के प्रोजेक्ट्स में है। आने वाले साल में यह संख्या 60 हजार तक पहुंच सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह दौर लंबा चल सकता है क्योंकि कंपनियां अब कम लोगों में ज्यादा काम करवाने की ओर बढ़ रही हैं। पुराने मॉडल, जहां बड़ी संख्या में फ्रेशर्स रखे जाते थे, अब अप्रासंगिक हो चुके हैं। हालांकि विश्लेषक कहते हैं कि यह संकट नई स्किल्स सीखने वालों के लिए मौका है। क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा एनालिटिक्स और साइबर सिक्योरिटी जैसी फील्ड्स में नौकरी की संभावना अब भी बनी हुई है।

ला नीना के प्रभाव से देश में इस बार पड़ेगी कड़ाके की ठंड... ऊपरी हिमालय का 86 प्रतिशत बर्फ से ढका

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में इस बार कड़के की ठंड पड़ेगी, क्योंकि ऊपरी हिमालय का 86 प्रतिशत हिस्सा समय से दो महीने पहले ही बर्फ से ढंक चुका है। पिछले दिनों आए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण पूरे हिमालय पर तापमान 2 से 3एसेल्सियस कम बना हुआ है।

इसकारण ताजा बर्फ फिलहाल पिघल नहीं रही। यह अच्छा संकेत है। दिसंबर में ला नीना सक्रिय हो रहा है। जो प्रशांत महासागर के तापमान के सामान्य से ठंडा होने की एक मौसमी घटना है। इसके कारण भारत में अच्छी बारिश और ज्यादा ठंड पड़ती है।

ऊपरी हिमालय यानी 4 हजार फीट से ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में औसत तापमान माइनस 15ए सेल्सियस या उससे भी कम रहता है। ला नीना के कारण उत्तर, मध्य और पूर्वी भागों में औसत तापमान 3-4एसेल्सियस तक और गिर सकता है।

देश के मध्य में मौजूद मध्य प्रदेश में ठंड ने समय से पहले दस्तक दे दी है। भोपाल में न्यूनतम तापमान 15.8एसेल्सियस रिकॉर्ड हुआ, जो सामान्य से 3.6एसेल्सियस कम है। भोपाल में यह तापमान पिछले 26 साल में अक्टूबर के पहले पखवाड़े में तीसरी बार इतना कम रिकॉर्ड हुआ है। इधर, राजस्थान में दिन और रात के तापमान में अंतर नजर आने लगा है। सीकर में रात का न्यूनतम तापमान 15एसेल्सियस से नीचे रिकॉर्ड हुआ।

नेपाल से लेकर कश्मीर तक एक ही नजारा, बर्फ का कैचमेंट भी बढ़ा डॉ. मेहता के मुताबिक ताजा बर्फबारी ने ग्लेशियरों की सेहत दुरुस्त होने के भी संकेत दिए हैं। हिमालय पर तापमान कम होने के चलते इस बार बर्फ पिघल नहीं रही। इससे ग्लेशियर 5 साल के लिए रिचार्ज हो जाएंगे। पूरे उत्तर भारत की नदियों के स्रोत नहीं सूखने वाले हैं।

सिक्किम, कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल से लेकर नेपाल तक पूरे उच्च हिमालय पर सफेद बर्फ की चादर बिछी हुई है। बर्फ का कैचमेंट एरिया भी बढ़ गया है। इसी वजह से मध्य और निम्न हिमालयी क्षेत्रों व मैदानों में अक्टूबर से ही पारा गिरने लगा है।

दुनिया का औसत तापमान 122 साल में 0.99 डिग्री बढ़ा, अब घट रहा वैज्ञानिक आंकड़े बताते हैं कि भारतीय उपमहाद्वीप का औसत सालाना तापमान पिछले 122 सालों में 0.99ए डिग्री सेल्सियस बढ़ा है, लेकिन 2025 के आखिर तक यह वृद्धि अस्थायी रूप से उलट जाएगी, क्योंकि ला नीना के कारण वैश्विक औसत तापमान 0.2ए डिग्री तक गिरने की संभावना है।